{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
सोमवार 23 मार्च 2026
चैत्र शुक्ल 05 विक्रम सम्वत 2083
वर्ष 16, अंक 177
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

खास खबर

केसी त्यागी ने ज्वाइन किया रालोद

मेरठ। पश्चिमी यूपी के कद्दावर नेता केसी त्यागी ने रविवार को राष्ट्रीय लोकदल ज्वाइन कर लिया। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय राज्यमंत्री जयंत चौधरी ने उनको सदस्यता दिलाई। दिल्ली में आयोजित एक किसान समृद्धि गोष्ठी में वे रालोद में शामिल हुए। जयंत चौधरी ने कहा कि मैं केसी त्यागी को जन्म से देखता आ रहा हूं। वह अक्सर मेरे जन्मदिन से जुड़ा किस्सा भी सुनाते हैं। जब पार्टी में शामिल होने की बात हुई तो उन्होंने जरा भी देर नहीं किया। आज एक बार फिर मुझे त्यागी जी के साथ काम करने का मौका मिला है। केसी त्यागी लंबे समय से जदयू से जुड़े रहे हैं। वह पार्टी के मुख्य प्रवक्ता थे। उनको पद से भी हटा दिया गया था। पिछले दिनों जनता दल यूनाइटेड की मेंबरशिप का रिन्यूअल नहीं कराए जाने के बाद उनके पार्टी छोड़ने की अटकलें तेज हो गई थीं।

रिहाई के बाद लेह पहुंचे सोनम वांगचुक

लेह। सोनम वांगचुक रविवार सुबह लेह पहुंचे, जहां कुशोक बकुला रिनपोचे हवाई अड्डे पर भारी संख्या में लोगों ने गर्मजोशी से स्वागत किया। इसके बाद उन्हें एनडीएस ग्राउंड में भव्य स्वागत समारोह में शामिल किया गया, जहां स्थानीय लोगों और अधिकारियों ने उन्हें सम्मानित किया। सोनम वांगचुक ने अपने स्वागत को यादगार बताते हुए कहा कि लोगों की यह भागीदारी और उत्साह उन्हें हमेशा प्रेरित करेगा। समारोह में क्षेत्रीय विकास, शिक्षा और पर्यावरण संरक्षण के विषयों पर चर्चा भी हुई।

आप विधायक भुल्लर पर एफआईआर

नई दिल्ली। पंजाब स्टेट वेयरहाउसिंग कॉर्पोरेशन के एक अधिकारी की आत्महत्या के बाद अमृतसर पुलिस ने पंजाब के पूर्व परिवहन मंत्री लालजीत सिंह भुल्लर, उनके पिता सुखदेव सिंह भुल्लर और उनके पीए दिलबाग सिंह (उर्फ बागा) के खिलाफ एफआईआर दर्ज की। जिला प्रबंधक के पद पर काम कर रहे गगनदीप सिंह रंधावा ने आत्महत्या कर ली। बताया जा रहा है कि तरन तारन के पट्टी और खेमकरण इलाकों में गोदाम बनाने के ठेकों को लेकर उन्हें कई महीनों से मानसिक रूप से परेशान किया जा रहा था, उनके साथ मारपीट भी हुई थी और उन्हें जान से मारने की धमकियां मिल रही थीं। भुल्लर को मंत्रिमंडल से इस्तीफा देने के लिए मजबूर किए जाने के कुछ घंटों बाद रंजीत एवेन्यू पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज की गई। गगनदीप रंधावा के वायरल वीडियो में मंत्री और उनके सहयोगियों का नाम साफ तौर पर लिया था। अब उनका परिवार आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग कर रहा है।

कुछ ना कहना

रूपये में गिरावट

मिडिल ईस्ट जंग : ट्रम्प ने होर्मुज खोलने के लिए दिया 48 घंटे का अल्टीमेटम...

ईरान ने जवाब में इजराइल पर दागीं बैलिस्टिक मिसाइलें, अमेरिकी राष्ट्रपति की धमकी के बाद तेहरान से आया जवाब

दुश्मनों को छोड़कर सभी के लिए खुला है होर्मुज

अगर पावर प्लांट को निशाना बनाया गया, तो अमेरिका और इजराइल से जुड़े सभी ऊर्जा ढांचों पर होगा हमला

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान को कड़ी चेतावनी दी है कि अगर 48 घंटे के भीतर होर्मुज स्ट्रेट को पूरी तरह और बिना किसी खतरे के नहीं खोला गया, तो अमेरिका ईरान के पावर प्लांट पर हमला करेगा। ट्रंप की धमकी के बाद ईरान ने इजराइल पर हमले तेज कर दिया है। वहीं ईरान ने कहा है कि होर्मुज 'दुश्मन देशों' को छोड़कर सभी के लिए खुला है। ईरान के एक अधिकारी ने यह बात रविवार को संयुक्त राष्ट्र की समुद्री संस्था से कही। ईरान के अधिकारी अली मौसावी ने कहा कि उनका देश गल्फ में समुद्री सुरक्षा बढ़ाने के लिए इंटरनेशनल मैरीटाइम ऑर्गेनाइजेशन के साथ मिलकर काम करने के लिए तैयार हैं लेकिन वहां से वही जहाज जा सकते हैं जो ईरान के दुश्मनों से जुड़े नहीं हैं। अन्य जहाजों को होर्मुज से गुजरने के लिए ईरान के नियम मानने होंगे और उसके साथ समन्वय करना होगा।

ईरान पर अमेरिका और इजराइल के हमलों को होर्मुज में वर्तमान हालातों की जड़ बताते हुए उन्होंने कहा कि कूटनीति ही ईरान की प्राथमिकता है लेकिन हमलों को रोके जाना और दोनों पक्षों के बीच भरोसा बनना बेहद जरूरी है। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से होकर दुनिया का 20 प्रतिशत तेल और गैस व्यापार होता है। ईरान ने इस रास्ते से गुजरने वाले कुछ जहाजों को निशाना बनाया है। इन हमलों के बाद इस रास्ते से होने वाला व्यापार लगभग बंद है। खाड़ी के देशों से होने वाली तेल सप्लाई रुक गई है क्योंकि होर्मुज के जरिए व्यापार लगभग बंद है। इसका असर कई देशों की अर्थव्यवस्था पर भी दिखाई दे रहा है। अभी ईरान ने यहां से चीन सहित कुछ एशियाई देशों को अपने जहाज निकालने की अनुमति दी है।

इजाजत लेकर होर्मुज से गुजर सकते हैं विदेशी जहाज

ईरान ने कहा है कि विदेशी जहाज उसकी अनुमति के साथ होर्मुज स्ट्रेट से गुजर सकते हैं। यह बात अंतरराष्ट्रीय समुद्री संगठन में ईरान के प्रतिनिधि अली मौसवी ने कही। ब्रिटेन में ईरान के राजदूत अली मौसवी ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय नियमों के साथ-साथ ईरान की संप्रभुता और अधिकारों का सम्मान भी जरूरी है। उन्होंने कहा कि ईरान समुद्री सुरक्षा बढ़ाने और नाविकों की सुरक्षा के लिए आईएमओ और अन्य देशों के साथ सहयोग करने को तैयार है। मौसवी ने यह भी साफ किया कि होर्मुज सिर्फ ईरान के दुश्मनों के लिए बंद है। उन्होंने मौजूदा हालात के लिए अमेरिका और इजराइल के युद्ध को जिम्मेदार बताया।

ईरान ने बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं

ईरान ने इजराइल पर रविवार सुबह से 4 बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। इन हमलों में 300 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। इजराइली विदेश मंत्रालय और स्वास्थ्य सेवाओं के अनुसार, घायलों में बच्चे भी शामिल हैं। ईरान की ओर से यह हमले ट्रम्प की धमकी के बाद बढ़े हैं। दरअसल, ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर धमकी देते हुए लिखा कि अगर 48 घंटे के भीतर होर्मुज स्ट्रेट को पूरी तरह नहीं खोला गया, तो अमेरिका ईरान के पावर प्लांट पर हमला करेगा। शुरुआत सबसे बड़े प्लांट से होगी। वहीं, ईरान ने चेतावनी दी है कि अगर उसके पावर प्लांट को निशाना बनाया गया, तो वह मिडिल ईस्ट में अमेरिका और इजराइल से जुड़े सभी ऊर्जा ढांचों पर हमला करेगा। यूएई के पास समुद्र में एक जहाज के नजदीक धमाका हुआ है। यह घटना शारजाह से करीब 20 किमी दूर हुई। अभी यह साफ नहीं है कि हमला किसे निशाना बनाकर किया गया था। अधिकारी इस मामले की जांच कर रहे हैं। ईरान के मिसाइल हमले में इजराइल के तेल अवीव में 15 लोग घायल हो गए हैं। इजराइली आपात सेवा मैगन डेविड एडोम के मुताबिक, हमले में घायल हुए ज्यादातर लोगों को मामूली चोटें आई हैं। रिपोर्ट के अनुसार, इस बैलिस्टिक मिसाइल में क्लस्टर बम वारहेड था, जिससे कई छोटे-छोटे बम (बॉम्बलेट्स) एक बड़े इलाके में फैल गए। सबसे गंभीर रूप से घायल एक 53 वर्षीय व्यक्ति है, जिसे विस्फोट की चपेट में आने से चोटें आई हैं।

खाड़ी देशों और ईरान के बीच बढ़ा तनाव बढ़ा

खाड़ी सहयोग परिषद ने ईरान के उन आरोपों को खारिज कर दिया है, जिनमें कहा गया था कि खाड़ी देश सैन्य कार्रवाइयों में शामिल हैं। परिषद के महासचिव जासिम मोहम्मद अलबुदैइवी ने इन आरोपों को बेबुनियाद बताया। अलबुदैइवी ने ईरान के खिलाफ कड़ा बयान देते हुए कहा कि वह खाड़ी देशों पर लगातार खुलेआम हमले कर रहा है, जिसमें इंफ्रास्ट्रक्चर और तेल सुविधाओं को जानबूझकर निशाना बनाया जा रहा है। यह बयान ऐसे समय आया है जब खाड़ी देशों और ईरान के बीच तनाव तेजी से बढ़ रहा है। युद्ध शुरू होने के बाद से ईरान पर आरोप है कि वह खाड़ी क्षेत्र में ऊर्जा और नागरिक ढांचे पर हमले कर रहा है, जबकि ईरान का कहना है कि वह केवल अमेरिका के हितों को निशाना बना रहा है। ईरान ने कुछ खाड़ी देशों पर यह भी आरोप लगाया है कि उन्होंने अपने क्षेत्रों को अमेरिका के हमलों के लिए इस्तेमाल करने दिया।

ईरान ने अमेरिकी एफ-15 को गिराया

ईरान ने दुनिया के सबसे एडवांस अमेरिकी फाइटर जेट एफ-35 के बाद अब एफ-15 को गिराने का दावा किया। ईरानी मीडिया प्रेस टीवी के मुताबिक ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशन गार्ड कॉर्प्स ने अपने स्वदेशी 'मजीद' एयर डिफेंस सिस्टम के जरिए इसे मार गिराया। अगर यह सच है तो ईरान पहला ऐसा देश होगा जो ऐसा कर पाया है। एफ-35 और एफ-15 फाइटर जेट को करीब दो दशकों से अमेरिकी सैन्य ताकत का सबसे बड़ा प्रतीक माना जाता रहा है। यह सबसे प्रीमियम फाइटर जेट है, जिसे खास तौर पर इस तरह बनाया गया है कि वह दुनिया के सबसे मजबूत एयर डिफेंस सिस्टम में भी बिना पकड़े घुसकर हमला कर सके ईरान का दावा है कि उसने इस 'अदृश्य' माने जाने वाले जेट की कमजोरी पकड़ ली है।

श्रीलंका में पेट्रोल-डीजल 81 रुपए तक महंगा

कोलंबो। कच्चे तेल की सप्लाई संकट के बीच श्रीलंकाई सरकार ने पेट्रोल-डीजल की कीमतों में 25 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी की है। रविवार को हुई बढ़ोतरी के बाद श्रीलंका में रेगुलर पेट्रोल की कीमत 81 श्रीलंकाई रुपए बढकर 398 रुपए प्रति लीटर हो गई है। वहीं डीजल 79 रुपए महंगा होकर 382 रुपए प्रति लीटर पर पहुंच गया है।

पिछले दो हफ्तों में यह दूसरी बार है जब पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ाए गए हैं। इससे पहले पिछले हफ्ते कीमतों में 8 प्रतिशत का इजाफा किया था। हालात बिगड़ते देख राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके ने देश में 4 डे वर्किंग वीक लागू कर दिया है और कंपनियों से वर्क-फ्रॉम-होम मोड पर लौटने को कहा है।

ईंधन बचाने के लिए वर्क-फ्रॉम-होम के निर्देश

सीलोन पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन के एक अधिकारी ने बताया कि कीमतों में इस बड़ी बढ़ोतरी का मकसद देश में ईंधन की खपत को 15 से 20 प्रतिशत तक कम करना है। राष्ट्रपति दिसानायके ने पिछले बुधवार से ही सरकारी और निजी दफ्तरों के लिए हफ्ते में केवल 4 दिन काम करने का आदेश जारी कर दिया था। इसके साथ ही कंपनियों से कहा गया है कि जहां संभव हो, कर्मचारियों को घर से काम करने की अनुमति दी जाए ताकि सडकों पर गाडियां कम निकलें और तेल की बचत हो सके।

असम विधानसभा चुनाव: टीएमसी ने दूसरी सूची जारी कर 7 उम्मीदवारों के नाम घोषित किए

दिसपुर। असम विधानसभा चुनाव को लेकर तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने अपनी दूसरी उम्मीदवार सूची जारी कर दी है। पार्टी ने यह घोषणा अपने शीर्ष नेतृत्व और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के मार्गदर्शन में की। इस सूची में असम की सात विधानसभा सीटों के लिए उम्मीदवारों के नाम शामिल किए गए हैं।

जारी सूची के अनुसार मांडिया (बारपेटा) सीट से शेरमन अली अहमद को टिकट दिया गया है। हाजो-सुअलकुची (एससी) सीट से रोजी अहमद (फुनू दास), गुवाहाटी सेंट्रल से अविजीत मजूमदार, चाबुआ-लाहोवाल (डिब्रूगढ़) से इनुस कुमार कंदापन, मरियानी (जोरहाट) से परेश बोरा, करीमगंज नॉर्थ से परिमल रंजन रॉय और करीमगंज साउथ से अजीज अहमद खान (रानू खान) को उम्मीदवार बनाया गया है। इसके साथ ही पार्टी ने अपनी पहली सूची में एक बदलाव भी किया है। पहली सूची में शामिल क्रम संख्या 6 के तहत चामरिया विधानसभा सीट (एसी नंबर 27) से घोषित उम्मीदवार की उम्मीदवारी वापस ले ली गई है। टीएमसी ने अपने सभी उम्मीदवारों को शुभकामनाएं देते हुए कहा है कि वे जनता के बीच जाकर सेवा भावना के साथ काम करें और लोगों का विश्वास हासिल करें।

इससे पहले टीएमसी ने शनिवार को अपनी पहली सूची जारी की थी, जिसमें 17 उम्मीदवारों को मैदान में उतारा गया था। असम विधानसभा में कुल 126 सीटें हैं और यह एक सदनीय विधायिका है। चुनाव आयोग के अनुसार इनमें से 9 सीटें अनुसूचित जाति (एससी) और 19 सीटें अनुसूचित जनजाति (एसटी) के लिए आरक्षित हैं। असम का राजनीतिक महत्व संसद में भी देखा जाता है, जहां राज्य से लोकसभा की 14 सीटें और राज्यसभा की 7 सीटें हैं। राज्य की सभी 126 विधानसभा सीटों पर मतदान एक ही चरण में 9 अप्रैल को होगा, जबकि मतगणना 4 मई को की जाएगी।

सुप्रीम कोर्ट ने जेसीबी ऑपरेटर की मौत पर परिवार का मुआवजा 9 से बढ़ाकर 60 लाख किया

नई दिल्ली। न्याय में देरी हो सकती है, लेकिन जब फैसला आता है तो वह टूटे हुए परिवारों के लिए उम्मीद की नई किरण लेकर आता है। सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में मध्यप्रदेश के कटनी के एक परिवार को बड़ी राहत देते हुए साफ कर दिया कि किसी व्यक्ति की जान की कीमत को मामूली नहीं आंका जा सकता। अदालत ने एक सड़क हादसे में जान गंवाने वाले जेसीबी ऑपरेटर के परिवार का मुआवजा 9 लाख रुपये से बढ़ाकर सीधे 60 लाख रुपये कर दिया है।

यह मामला साल 2018 का है, जब एक सड़क दुर्घटना में घर के इकलौते कमाने वाले जेसीबी ऑपरेटर की मौत हो गई थी। पीछे रह गईं उनकी पत्नी और एक छोटी बेटी। परिवार ने अपनी आजीविका खोने के बाद मुआवजे के लिए कानूनी लड़ाई शुरू की। मोटर एक्सीडेंट क्लेम्स ट्रिब्यूनल ने शुरुआत में परिवार की दलीलों और मृतक की आय (लगभग 24 हजार रुपये महीना) को सही मानते हुए 52 लाख रुपये का मुआवजा तय किया था।

लेकिन बीमा कंपनी ने इस फैसले को हाईकोर्ट में चुनौती दी। हाईकोर्ट ने एक चौंकाने वाले फैसले में मृतक की आय के सबूतों को पर्याप्त नहीं माना और मुआवजे की राशि को भारी कटौती के साथ महज 9 लाख रुपये कर दिया। परिवार के लिए यह किसी दोहरी त्रासदी से कम नहीं था—एक तरफ अपनों को खोने का गम और दूसरी तरफ न्याय के नाम पर मिला यह छोटा सा हिस्सा।

अंततः यह मामला सुप्रीम कोर्ट पहुँचा। सर्वोच्च न्यायालय ने हाईकोर्ट के फैसले पर कड़ी आपत्ति जताई। अदालत ने कहा कि किसी मेहनतकश व्यक्ति की आय से जुड़े ठोस सबूतों को इस तरह नजरअंदाज करना गलत है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि मुआवजा तय करते समय परिवार की जरूरतों और मृतक की वास्तविक कमाई का सही आकलन होना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने माना कि हाईकोर्ट का फैसला तर्कसंगत नहीं था, इसलिए इसे पलटते हुए मुआवजे की राशि को बढ़ाकर 60 लाख रुपये कर दिया गया। छह साल की लंबी कानूनी लड़ाई के बाद आए इस फैसले ने न केवल एक परिवार को आर्थिक सुरक्षा दी है, बल्कि देश की न्याय व्यवस्था पर आम आदमी के भरोसे को भी मजबूत किया है। यह फैसला उन सभी मामलों के लिए एक नजीर (मिसाल) बनेगा जहाँ बीमा कंपनियां तकनीकी आधार पर पीड़ितों का हक कम करने की कोशिश करती हैं। कोर्ट के इस रुख ने साफ कर दिया है कि न्याय का उद्देश्य पीड़ित परिवार को सम्मानजनक जीवन देना है, न कि उन्हें कानूनी उलझनों में उलझाकर छोड़ देना।

बांग्लादेश में ट्रेन और बस की टक्कर, 12 लोगों की मौत

ढाका। बांग्लादेश के कुमिला शहर में शनिवार रात एक ट्रेन ने बस को टक्कर मार दी, जिसमें 12 लोगों की मौत हो गई और करीब 20 लोग घायल हो गए। हादसा रात करीब 2ः45 बजे पदुआ बाजार इलाके में हुआ, जब चटगांव से आ रही एक ट्रेन ने रेलवे क्रॉसिंग पार कर रही बस को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि बस बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और कई लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। बताया जा रहा है कि कुछ लोग ईद मनाने के लिए यात्रा कर रहे थे। घटना के बाद पुलिस, फायर ब्रिगेड और राहत टीम मौके पर पहुंची और बचाव कार्य शुरू किया। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां कई लोगों को प्राथमिक इलाज के बाद छुट्टी दे दी गई।

आज से घरेलू फ्लाइट्स का किराया बढ़ा सकेंगी एयरलाइंस

पश्चिम एशिया संकट के बीच सरकार ने हटाया एयरफेयर कैप, अब एयरलाइंस तय करेंगी किराया

नई दिल्ली। सिविल एविएशन मिनिस्ट्री ने घरेलू हवाई किरायों पर लगाई गई अस्थायी सीमा को वापस लेने का फैसला किया है। पिछले साल दिसंबर में इंडिगो की उड़ानों में आई रुकावटों के बाद फेयर कैप लगाया लगाया गया था। हवाई किराए की इन सीमाओं को हटाने का फैसला सोमवार से लागू होगा। यह ऐसे समय में आया है जब इंडियन एयरलाइंस पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध के कारण परिचालन में आ रही रुकावटों और लागत में हो रही बढ़ोतरी से जूझ रही हैं। अब एयरलाइन कंपनियां घरेलू फ्लाइट्स का किराया सीटों की मांग की हिसाब से बढ़ा सकेंगी। पिछले साल दिसंबर में इंडिगो की उड़ानों में आई रुकावटों के बाद फेयर कैप लगाया लगाया गया था। सरकार ने एयरलाइंस का अधिकतम किराया 18000 तय किया था। एयरलाइन इससे ज्यादा दाम नहीं ले सकती थीं।

जानकारी के अनुसार, एयरलाइंस के ग्रुपिंग फेडरेशन ऑफ इंडियन एयरलाइंस ने सरकार से आग्रह किया था कि पश्चिम एशिया संघर्ष के चलते भारतीय विमानन कंपनियों को जिस तरह के दबाव का सामना करना पड़ रहा है, उसे देखते हुए किराए की इन सीमाओं को हटा दिया जाए। इस संघर्ष के कारण जेट फ्यूल की कीमतों में भारी उछाल आया है, डॉलर के मुकाबले रुपया और कमजोर हुआ है और पश्चिम एशिया और उससे आगे तक जाने वाली इंडियन एयरलाइंस की फ्लाइट्स पर इसका काफी बुरा असर पड़ा है।

पिछले साल सरकार ने किए थे बदलाव

दिसंबर की शुरुआत में इंडिगो की फ्लाइट्स में बड़े पैमाने पर हुई रुकावटों के कारण हवाई किराए में भारी बढ़ोतरी को देखते हुए, सरकार ने सभी एयरलाइंस के लिए नॉन-बिजनेस क्लास के किराए को कंट्रोल करने के लिए दखल दिया था। इसके तहत घरेलू उड़ानों में तय की गई दूरी के आधार पर प्रति सीट 7500 रुपये से लेकर 18000 रुपये तक की किराए की सीमाएं तय की गई थीं। ये सीमाएं कुछ इस तरह थीं, 500 किलोमीटर तक की दूरी के लिए 7500 रुपये, 500 से 1000 किलोमीटर के लिए 12000 रुपये, 1000 से 1500 किलोमीटर के लिए 15000 रुपये और 1500 किलोमीटर से ज्यादा की दूरी के लिए 18000 रुपये।

मोदी की पश्चिम एशिया के हालात पर हाई लेवल मीटिंग : गैस-तेल की स्थिति पर साढ़े 3 घंटे चर्चा की; शाह-नड्डा समेत कई मंत्री शामिल हुए

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में रविवार को अमेरिका-इजराइल की ईरान से जंग के कारण पश्चिम एशिया में बने संघर्ष के हालात पर हाई लेवल मीटिंग हुई। पीएम आवास पर आयोजित बैठक में 3.30 घंटे तक पेट्रोलियम, कच्चा तेल, गैस, बिजली और फर्टिलाइजर्स की स्थिति को लेकर चर्चा की गई।

मीटिंग में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा, पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी, कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान समेत कई मंत्री शामिल हुए।

बैठक में इस बात पर जोर दिया गया कि देश में जरूरी चीजों की सप्लाई बिना रुकावट जारी रहे। ताकि लोगों को किसी तरह की परेशानी न हो।

बैहर के ग्राम कलेगांव स्थित कच्चे मकान में लगी भीषण आग

आगजनी में घर गृहस्थी का सामान जलकर खाक, कारण अज्ञात, शार्ट सर्किट की जताई जा रही आशंका, दीवार तोड़कर पड़ोसियों ने बचाई परिजनों की जान

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

बैहर थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत कुमादेही के ग्राम कलेगांव में बीती देर रात उस वक्त अफरा तफरी मच गई, जब गांव में रहने वाले एक व्यक्ति के घर, अचानक से भीषण आग लग लगी।बीती रात करीब 2 बजे के दरमियान लगी इस भीषण आग ने जल्द ही पूरे मकान को अपनी आगोश में ले लिया। जिससे गांव में अफरा तफरी मच गई।उधर आगजनी की जानकारी लगते ही पड़ोसी ग्रामीण दौड़कर आए और उन्होंने दीवार तोड़कर घर के भीतर सो रहे लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला,जिससे किसी भी प्रकार की जनहानि तो नही हुई, लेकिन इस हादसे में घर में रखे नगद रुपए, जरूरी कागजात अनाज सहित घर गृहस्थी का पूरा सामान जलकर खाक हो गया। जिससे परिजनों को भारी नुकसान होने की बात सामने आई है। जहां पीड़ित परिजनों द्वारा मुआवजा की मांग की गई है।

गहरी नींद में सो रहा था परिवार, अचानक भभक उठी आग

प्राप्त जानकारी के अनुसार बैहर के ग्राम कलेगांव में ओमू भगत ,खेलन बाई भगत अपने परिवार के साथ कच्चे मकान में निवास करते है।जो रोजाना की तरह शनिवार 21 मार्च को भी खाना खाकर सो गए थे।बताया गया कि रात करीब 2 बजे उनके इस कच्चे मकान में अचानक से आग लग गई।अज्ञात कारणों के चलते लगी यह आग इतनी अधिक भयावह थी कि, पड़ोसियों को दीवार तोड़कर परिजनों की जान बचानी पड़ी। इससे पहले कि इस आग पर काबू पाया जाता इसके पूर्व ही इस भीषण आग ने पूरे मकान को अपनी चपेट में ले लिया।जिससे आगजनी की इस घटना में घर में रखा गृहस्थी का पूरा सामान जलकर खाक हो गया।

शार्ट शर्किट की जताई जा रही आशंका

बहरहाल मकान में किस कारण से आग लगी फिलहाल इसका खुलासा नहीं हो पाया है लेकिन आग शॉर्ट सर्किट के चलते लगी होगी ऐसी आशंका व्यक्त की जा रही है।जहा इस आगजनी से घर की पूरी गृहस्थी, नगद रु,अनाज ओढ़ने-बिछाने और पहनने सहित पलंग आलमारी व साजो-सामान जलकर खाक हो गया।बताया जा रहा है कि यदि समय रहते दीवार तोड़कर परिजनों को बाहर नही निकाला गया होता और स्थानीय लोगो द्वारा आग पर काबू नही पाया गया होता तो कच्चे मकान में लगी यह भीषण आग, जल्द ही आसपास के अन्य मकानों को भी अपनी चपेट में ले लेती। जिससे भारी जानमाल का नुकसान उठाना पड़ सकता था। लेकिन समय रहते स्थानीय जनों ने हालातो पर काबू पा लिया।और यहां एक बड़ा हादसा टल गया।

सूचना मिलने के बाद भी घटना स्थल पर नही पहुची फायरब्रिगेड टीम

बताया गया कि मामले की जानकारी मिलते ही पड़ोसियों ने दीवार तोड़कर परिजनों को बाहर निकाला वही अपने स्तर से आग पर काबू पाने की कोशिशें की गई।लेकिन लाख कोशिशों के बावजूद भी वे उक्त आग पर काबू नही पा सके। बताया यह भी गया कि उक्त आग को बुझाने के लिए स्थानीय लोगो ने नपा की फायरब्रिगेड टीम को भी मामले की जानकारी दुरभाष पर दी थी।लेकिन वाहन चालक ना होने की वजह से दमकल वाहन मौके पर नही पहुच सका।जिससे उक्त भीषण आग ने पूरे मकान को अपनी चपेट में ले लिया।

पीड़ितों ने की मुआवजे की मांग

आगजनी की इस घटना में हुए नुकसान का मुआवजा देने की मांग पीड़ित परिजनों द्वारा की गई है। उधर घटना के दूसरे दिन रविवार को मामले की सूचना मिलने पर मौके पर पहुची पुलिस और राजस्व विभाग टीम द्वारा परिजनों के बयान दर्ज कर पंचनामा सहित अन्य आवश्यक कार्यवाही पूरी की गई।वही प्रकरण तैयार कर मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

मवेशी लूट के मामले में पांच माह से फरार उत्तर प्रदेश राज्य का एक आरोपी गिरफ्तार

10 हजार रुपये का इनाम किया गया था घोषित, चार आरोपी पूर्व में हो चुके हैं गिरफ्तार गिरफ्तार आरोपी रजत मिश्रा भेजा गया जेल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बिरसा थाने की सालेटेकरी पुलिस ने लूट के मामले में 5 माह से फरार उत्तर प्रदेश राज्य के एक आरोपी को मंडला जिले के मोती नाला में उस समय गिरफ्तार कर लिये जब यह आरोपी रायपुर से जबलपुर जा रहा था। गिरफ्तार आरोपी रजत मिश्रा पिता वैष्णवी

मिश्रा 29 वर्ष ग्राम जोगरु थाना भाटापारा रानी जिला देवरिया उत्तर प्रदेश निवासी है। जिसे न्यायिक अभिरक्षा में बैहर जेल भिजवा दिया गया है। इस आरोपी के विरुद्ध 10 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था। इस मामले के चार आरोपी पूर्व में गिरफ्तार हो चुके हैं।

बिरसा पुलिस के मुताबिक 13 नवंबर 2025 को दीनू वासुदेव छत्तीसगढ़ निवासी ने लांजी बाजार से दो भैसा और एक पडा की खरीदी की थी और रात में इन मवेशियों को पिकअप से छत्तीसगढ़ ले जा रहे थे।पिकअप को प्रदीप सोनवानी चला रहा था। प्रात: 4:00 बजे सालेटेकरी चौराहा से आगे लांजी रोड पर रजत मिश्रा सहित चार आरोपियों ने योजनाबद्ध तरीके से मवेशियों से भरी इस पिकअप को रोके ।दीनू वासुदेव और चालक प्रदीप सोनवानी को चाकू दिखाकर दो नग मोबाईल, 10 हजार रुपये, दो भैसा और एक पडा की लूट किये थे और दीनू वासुदेव और पिकअप चालक प्रदीप सोनवानी को अपनी बोलेरो में बंधक बनाकर इधर-उधर घूमते रहे।सुबह 6:30 बजे इन लुटेरों ने दोनो को छोड़े और धमकाते हुए उन्हें भगा दिए थे। इन लुटेरों ने लूटे हुए मवेशियों की बिक्री दिए थे। इस मामले में दीनू वासुदेव 25 वर्ष ग्राम चौरंगा थाना सिमगा जिला बलौदा बाजार भाटापारा छत्तीसगढ़ निवासी द्वारा की गई रिपोर्ट इस मामले के मुख्य आरोपी रजत मिश्रा, मनोज जंघेल सहित पांच आरोपियों के विरुद्ध धारा 308(4),3(5) भारतीय न्याय संहिता का अपराध दर्ज किया गया था और विवेचना उपरांत इस मामले में धारा 309(4),417(4),140(3) भारतीय न्याय संहिता का इजाफा किया गया था। सालेटेकरी पुलिस ने अपराध दर्ज होने के बाद त्वरित कार्रवाई करते हुये मनोज जंघेल सहित तीन आरोपी गिरफ्तार कर लिये थे। बाद में लूट के मवेशी को खरीदने वाले व्यक्ति को भी गिरफ्तार कर लिया गया था। इस मामले के मुख्य आरोपी रजत मिश्रा फरार चल रहा था। जिसकी लगातार तलाश की जा रही थी। उसके विरुद्ध पुलिस अधीक्षक द्वारा 10हजार रुपये का इनाम भी घोषित किया गया था। घटना के दौरान रजत मिश्रा छत्तीसगढ़ राज्य के दहीहांडी ग्राउंड के सामने बाबूराव गली नंबर 2 खमतराई जिला रायपुर में निवास कर रहा था।किंतु आरोपी रजत मिश्रा वहा से भी फरार हो गया था। जिसकी लगातार तलाश की जा रही थी। 20 मार्च की दोपहर मुखबिर द्वारा सूचना मिली कि लूट का मुख्य आरोपी रजत मिश्रा किराए की कार में रायपुर से जबलपुर जा रहा है। इस सूचना पर वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के मार्गदर्शन में बिरसा थाना प्रभारी रेवल सिंह बरडे के नेतृत्व में एक टीम गठित की गई और रायपुर जबलपुर रोड पर स्थित मोतीनाला के पास घेराबंदी की गई। और मुखबिर द्वारा बताई गई कार को रोके इस कार में रजत मिश्रा था जो पुलिस टीम को देखकर कार से भागने की कोशिश कर रहा था किंतु पुलिस टीम ने उसे पकड़ लिए। जिसे थाने लाकर पूछताछ करने के बाद लूट के इस मामले में गिरफ्तार किया गया और 21 मार्च को उसे बैहर की अदालत में पेश कर दिये। जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में बैहर जेल भिजवा दिया गया है।

इनकी रही सराहनीय भूमिका

लूट के इस आरोपी को पकड़ने में वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के निर्देशन और बिरसा थाना प्रभारी रेवलसिंह बरडे के नेतृत्व में सालेटेकरी पुलिस चौकी प्रभारी धनसिंह धुर्वे, आरक्षक तोमेश बघेल, आरक्षक रवि जाट और आरक्षक सूरज के अलावा अन्य पुलिस कर्मचारियों की सराहनीय भूमिका रही।

सर्व राजस्थानी समाज का गणगौर पूजन सम्पन्न

इतवारी गंज से धूमधाम के साथ निकाली गई शोभायात्रा, मोती तालाब में विधि विधान से पूजा अर्चना कर गणगौर का किया गया विसर्जन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। सर्व राजिस्थानी समाज द्वारा होली के दूसरे दिन धुरेड़ी से शुरू होने वाले गणगौर पूजन का 22 मार्च को गणगौर विसर्जन के साथ समापन किया गया। गणगौर पूजन के अंतिम दिन रविवार शाम करीब 5ः30 बजे ईतवारी गंज स्थित मां सिद्धेश्वरी मंदिर से सर्व राजस्थानी महिला मंडल द्वारा एक विशाल भव्य शोभायात्रा निकाली गई। यह शोभायात्रा सिद्धेश्वरी मंदिर से प्रारंभ होकर सराफा होते हुए मेन रोड से महावीर चौक, गुजरी चौक, काली पुतली चौक, अंबेडकर चौक से मोती उद्यान पहुंची। यहां मोती तालाब में विधि-विधान से गणगौर पूजा-अर्चना कर विसर्जन किया गया।साथ ही प्रसाद वितरण के बाद भटेरा रोड़ स्थित एक होटल में सुरुचि भोज का आयोजन कर पर्व विशेष का समापन किया गया। सर्व राजस्थानी समाज द्वारा आयोजित गणगौर महोत्सव शोभायात्रा में राजस्थानी ब्राह्मण समाज, राजस्थानी सोनी समाज,राजस्थानी माहेश्वरी समाज, राजस्थानी खंडेलवाल समाज,राजस्थानी राजपुरोहित समाज एवं अन्य राजस्थानी समाज जो गणगौर को मानते हैं,सभी शामिल हुए।जिंसमे बड़ी संख्या में व्रतधारी युवतियो व महिलाओ ने बढचढ़ कर हिस्सा लिया।

मनोकामनाओ के साथ गणगौर का किया गया विसर्जन

बताया गया कि इन 16 दिनों तक रोजना विभिन्न धार्मिक अनुठान सम्पन्न कराए गए।जहा व्रतधारी युवतियों ने जहां अच्छा वर मिलने की मनोकामना को लेकर गणगौर की पूजा की है, तो वहीं सुहागिन महिलाओं ने पति के बेहतर स्वास्थ्य, दीघ्रायु व परिवार की सुख समृद्धि की मंगलकामनाओ के साथ व्रत धारण कर मन्नते मांगी।बताया गया कि गणगौर का त्योहार, भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा का दिन है। यह त्योहार राजस्थान और मध्य प्रदेश में ज़्यादा मनाया जाता है। बताया गया कि गणगौर शब्द,भगवान शिव और माता पार्वती के नाम से मिलकर बना है। जहा गण का मतलब है शिव और गौर का मतलब पार्वती होता है।

माता पार्वती ने भगवान शिव के लिए की थी कठोर तपस्या

महिलाओ द्वारा बताया गया कि पौराणिक मान्यताओं के मुताबिक, माता पार्वती ने भगवान शिव को अपना पति मानने के लिए कठोर तपस्या की थी।माता पार्वती की तपस्या से प्रसन्न होकर भगवान शिव ने उन्हें अपनी पत्नी माना था।कहा जाता है कि चैत्र शुक्ल तृतीया को राजा हिमाचल की पुत्री गौरी का विवाह भगवान शंकर के साथ हुआ था। उसी की याद में यह त्योहार मनाया जाता है।इस दौरान 16 दिनों तक विशेष पूजा अर्चना का गणगौर का विसर्जन किया जाता है।

भगवान शिव, माता पार्वती को समर्पित है गणगौर पूजन-ज्योति शर्मा

आयोजन को लेकर की गई चर्चा के दौरान सर्व राजस्थानी महिला मंडल अध्यक्ष श्रीमती ज्योति जुगल शर्मा ने बताया गया कि गणगौर का पूजन कन्याओं और विवाहित स्त्रियों द्वारा किया जाता है। 16 दिन तक चलने वाले इस पूजन को लेकर मान्यता है कि शादी के बाद नवविवाहिता अपना पहला गणगौर पूजन मायके में करती है। इस पूजन का महत्व अविवाहित कन्या के लिए अच्छे वर की कामना को लेकर रहता है, जबकि विवाहित स्त्रियां अपने पति की दीर्घायु व परिवार की सुख-समृद्धि के लिए पूजन करती हैं।इसमें अविवाहित कन्याए पूरी तरह से तैयार होकर और विवाहित स्त्रियां सोलह श्रंगार करके पूरे सोलह दिन भगवान शिव व माता पार्वती की पूजा-अर्चना करती है।आज गणगौर विसर्जन के लिए भव्य शोभायात्रा निकाली गई। वही मोती तालाब में विशेष पूजा अर्चना कर गणगौर का विसर्जन किया गया है।

आवश्यकता है

ऑफिस कार्य हेतु चपरासी 12वीं पास युवती की आवश्यकता है, बालाघाट एवं आसपास के रहने वाले ही संपर्क करें।

वेतन-12000+

मिलने का समय
शाम 5 बजे से शाम 8.00 बजे तक

संपर्क
बाघरेचा तिजारे एण्ड एसोसिएट्स चार्टड एकाउन्टेन्ट्स, श्याम टॉकीज एण्ड मॉल द्वितीय तल हनुमान चौक मेन रोड बालाघाट (मप्र)
मो. 9244872544/9201340520

नाम परिवर्तन सूचना

सर्व सामान्य को सूचित किया जाता है कि माध्यमिक शाला प्रमाण पत्र में मेरा नाम **NAHEED ANJUM AFZAL KHAN** जिसे बदलकर **NAHEED KHAN** कर दिया गया है।

अत: मुझे **NAHEED KHAN W/o SHABBIR KHAN** नाम से जाना व पहचाना जाये।

सही नाम
नाहिद खान
वार्ड न. 14 बुढ़ी बालाघाट

कार्यालय ग्राम पंचायत बघोली

जनपद पंचायत लालबर्रा, जिला बालाघाट

क्रमांक/क्यू/2026 दिनांक 16/03/2026

निविदा

विषयाकिंत लेख है कि ग्राम पंचायत बघोली में वित्तीय वर्ष 2026-27 में मनरेगा, विबी जी राम जी, पंच परमेश्वर, 05 वां, 14 वां व 15 वां वित्त आयोग, राज्य वित्त आयोग, गौण खनिज मद, स्वकराधान मद, स्वच्छ भारत अभियान, विधायक-सांसद निधि, परफार्मेस ग्रांट फंड, पंचायत क्षेत्र में अन्य योजनाओं के तहत् विभिन्न निर्माण कार्य हेतु आवश्यक सामग्री क्रय की जानी हैं। इन कार्यों के लिए दिनांक 16/03/2026 से 10/04/2026 तक मुहरबंद निविदाएं कार्यालयीन समय में आमंत्रित हैं। निविदा का लिफाफा कार्यालयीन समय पर ग्राम पंचायत बघोली में जमा किया जावें एवं डाक द्वारा भेजे गये लिफाफे अंतिम तारीख के शाम 5 बजे तक ही मान्य किये जायेगें और मुहरबंद निविदाएं ग्राम पंचायत कार्यालय में खोली जायेगी।

टीप:- निविदा संबंधित विस्तृत जानकारी ग्राम पंचायत कार्यालय में आकर प्राप्त कर सकते है, निविदा के संबंध में अंतिम निर्णय ग्राम पंचायत का होगा।

अरशद पापा पटेल, सरपंच — देवराम महेरकर, उपसरपंच — लक्ष्मी प्रसाद सोनवाने, सचिव

महेंद्र चौधरी- रोजगार सहायक

एवं समस्त पंचगण ग्राम पंचायत बघोली लालबर्रा बालाघाट

कार्यालय ग्राम पंचायत परासपानी

जनपद पंचायत बालाघाट जिला बालाघाट(म.प्र)

क्रमांक/ दिनांक 22/03/2026

निविदा

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत परासपानी मे वित्तीय वर्ष 2026 -27 मे सांसद /विधायक निधि ,गौण खनिज, वीबी जी राम जी , मनरेगा, 5वा वित्त आयोग ,15वा वित्त आयोग ,14वा वित्त आयोग , सर्व शिक्षा ,स्वच्छ भारत मिशन,पर फारमेंस ग्रांट,करारोपण,जनपद स्तर/जिला स्तर व अन्य मदो से विभिन्न कार्य किया जाना है। जिसके लिए सामग्री लोहा, रेत ,सीमेंट, ईट, 20mm 40mm गिट्टी, गिट्टा, मुरुम, मिटटी, परिवहन, रेत, PVC पाइप,सीमेंट पाइप,सेंटिंग,पालीथीन,तार,कील,बोल्डर,मिक्सर मशीन, वायबरेटर, रोलर,नल सामग्री ,सीट,टाइल्स विघुत पोल वायरिंग , पेन्ट , स्टेशनरी , फोटोकापी ,जलपान प्रबंध , फ्लेक्स ,डेकोरेशन आदि हेतु दिनाक 22/03/2026 से 30/03/2026 तक बंद लिफाफे मे निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक ठेकेदार कार्यालयीन समय मे आकर कार्यालय मे निविदा जमा कर सकते है। निविदा के संबंध मे विस्तृत जानकारी ग्राम पंचायत कार्यालय के सूचना पटल पर देखी जा सकती है निविदा के संबंध मे अंतिम निर्णय ग्राम पंचायत का होगा।

श्री रामेश्वर चौधरी, सरपंच — श्री श्रवणलाल बिसेन, उपसरपंच — श्री अशोक फुण्डे, सचिव

श्री प्रकाश गौतम-रोजगार सहायक

एवं समस्त पंचगण ग्राम पंचायत परासपानी बालाघाट

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध

लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध

निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

न्यूज गैलरी

वार्ड क्रमांक-2 में श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन, भक्तिरस में डूबे श्रद्धालु

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शहर के वार्ड क्रमांक-2 में इन दिनों सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन किया जा रहा है, जिससे पूरे क्षेत्र में भक्तिमय वातावरण बना हुआ है। बीते दिनों से प्रारंभ हुई यह कथा

प्रतिदिन दोपहर 2 बजे से शाम 6 बजे तक आयोजित की जा रही है, जिसमें भगवान श्रीकृष्ण की विभिन्न लीलाओं और प्रसंगों का भावपूर्ण वर्णन किया जा रहा है। कथा के दौरान प्रतिदिन श्रीकृष्ण के अलग-अलग स्वरूपों और उनकी दिव्य लीलाओं का वाचन किया जा रहा है, जिसे सुनने के लिए वार्डवासी और आसपास के श्रद्धालु बड़ी संख्या में पहुंच रहे हैं। आयोजन स्थल पर बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी में विशेष उत्साह देखने को मिल रहा है। भजन-कीर्तन के दौरान श्रद्धालु भक्ति में लीन होकर झूम उठते हैं। खास बात यह है कि बच्चों के साथ-साथ बड़े भी भजनों पर भाव-विभोर होकर नृत्य करते नजर आ रहे हैं, जिससे पूरे माहौल में भक्ति और उल्लास का अद्भुत संगम देखने को मिल रहा है। आयोजन समिति द्वारा प्रतिदिन कथा के समापन के बाद विशाल भंडारे और महाप्रसाद का आयोजन भी किया जा रहा है। शाम 6 बजे कथा समाप्ति के पश्चात श्रद्धालु बड़ी संख्या में महाप्रसाद ग्रहण कर रहे हैं। आयोजन समिति से जुड़े रवि शुक्ला ने बताया कि यह धार्मिक आयोजन वार्डवासियों के सहयोग से किया जा रहा है, बीते दिनों से प्रारंभ होकर सात दिनों तक चलेगा। उन्होंने बताया कि कथा के माध्यम से समाज में धार्मिक और सांस्कृतिक मूल्यों को बढ़ावा देने का प्रयास किया जा रहा है।

महान दानवीर के नाम से बनाया गया मुलना गार्डन फिर होगा आबाद

कालम खोदकर, बनाई जा रही बाउंड्रीवाल, जल्द हटेगा अतिक्रमण, वाहन पार्किंग के लिए हो रहा था गार्डन का उपयोग, लोग पी रहे थे शराब

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

पदमेश न्यूज और बालाघाट एक्सप्रेस अखबार की खबर का असर एक बार फिर देखने को मिला है।जहां खबर का संज्ञान लेते हुए जिम्मेदारो द्वारा नगर के बस स्टैंड स्थित मुलना गार्डन को सवारने का काम शुरू कर दिया गया है।जहा करीब 8 लाख रु की लागत से इसे मूलरूप देने के लिए कालम गड्ढा खोदकर गार्डन की भूमि के चारो ओर बाउंड्रीवाल बनाने का कार्य किया जा रहा है।बताया गया कि जल्द ही चारो ओर से बाउंड्रीवाल बनाकर गार्डन के भीतर पेड़ पौधे लगाकर प्राम्भिक रूप से इसे शुरू कर दिया जाएगा।वही फौव्वारा, पथ मार्ग, गड्डू, लाइटिंग सहित अन्य व्यवस्था बाद में अलग से स्टीमेट बनाकर की जाएगी।

अतिक्रमण अब भी बड़ा रोढा

भले ही नगर के बस स्टैंड स्थित मुलना गार्डन को पुन: आबाद करने का काम शुरू कर दिया गया हो लेकिन इस काम मे सबसे बड़ी अड़चन अब भी अतिक्रमण बना हुआ है।जहां मटन मार्केट की तरफ से कालम गड्ढे खोदकर बाउंड्रीवाल बनाने का काम तो शुरू हो गया है लेकिन अब तक बस स्टैंड की तरफ गार्डन भूमि पर लगाई गई अस्थाई दुकानो को नही हटाया गया है।जिसके चलते बस स्टैंड की तरफ कालम गड्ढे खोदने का काम शुरू भी नही हो पाया है।उधर नोटिस देने के बाद भी स्थानीय फुटकर दुकानदार उक्त स्थान से हटने को तैयार नही है।जिसके चलते अब तक गार्डन के चारो तरफ कालम गड्ढे भी नही खुद पाए है।

खबर प्रकाशन के बाद हरकत में आए जिम्मेदार

आपको बताए कि हाल के कुछ दिनों में हमने मुलना गार्डन की खबर का प्रमुखता से प्रकाशन किया था।जिंसमे हमने महान दानवीर के नाम से बनाया गया मुलना गार्डन बदहाल नामक शीर्षक लगाकर यहां के हालातों को बताया था।वही जिम्मेदारो को मामले से अवगत कराया गया था।उधर खबर का प्रकाशन होते ही जिम्मेदार हरकात में आए और उन्होंने खबर प्रकाशन के दूसरे दिन से ही गार्डन सवारने का काम शुरू कर दिया।वही कालम गड्ढे खोदकर बाउंड्रीवाल खड़े करने का काम किया जा रहा है।

वर्षों से अपनी बदहाली पर आंसू बहा रहा था मुलना गार्डन

आपको बताए कि नपा की उदासीनता के चलते महान दानवीर मुलना जी की स्मृति में बनाया गया मुलना गार्डन पिछले कई वर्षों से अपनी बदहाली पर आंसू बहाता नज़र आ रहा था।जहां वर्षों से उजड़े इस गार्डन पर ध्यान न देने के चलते, इस गार्डन की भूमि को लोग व्यवसायिक गतिविधि के रूप में इस्तेमाल कर रहे थे।जहां कुछ फल ,चाय, पान ठेला व्यवसायी इस गार्डन का उपयोग वाहन पार्किंग के रूप में कर रहे थे तो वहीं कुछ चाय नाश्ता की दुकान वालों ने बकायदा गार्डन के भीतर बांस बल्ली गाढ़कर अस्थाई काम चलाऊ दुकान बना ली थी।जहां वे दुकान में आने वाले ग्राहकों को बैठा कर चाय नाश्ता परोस रहे थे। इसके अलावा कुछ असामाजिक तत्व यहां रातो में बैठकर शराब का सेवन कर रहे थे।जहा अब बाउंड्रीवाल बन जाने व गार्डन का निर्माण हो जाने से इन सभी गतिविधियों पर रोक लग जाएगी।

मुलना जी की धरोहर है बालाघाट नगर

आपको बताए कि 25 अक्टूबर 1868 को जन्में मुलना जी एक उच्च शिक्षित खनिज व्यापारी थे।बहुमुखी प्रतिभा के चलते वे प्रसिद्ध वकील, सीपी लेजिस्लेटिव कॉसिंल के सदस्य, जिला पंचायत बालाघाट अध्यक्ष, नपा परिषद बालाघाट में 1914 से 1919 तक अध्यक्ष जैसे कई महत्वूपर्ण पदों पर रहे। नगर वास्तव में दीवान बहादुर मुलना की धरोहर है।उन्होंने न केवल नगर की सबसे बड़ी पेयजल सेवा नगरपालिका के माध्यम से नगरवासियो को सौंपी, बल्कि नगर का पुराना फिल्टर प्लांट, शासकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज, मुलना स्टेडियम सहित कई भवन व भूमि आज मुलना जी की ही देन हैं। उनके सार्वजनिक सेवाओं एवं निष्ठा के चलते उन्हें खान बहादुर का सम्मान प्राप्त हुआ, जो बाद में परिवर्तित होकर दीवान बहादुर हो गया। यही नहीं उन्होंने अपनी समस्त सम्पत्ति शेयर सर्टिफिकेट ट्रस्ट के रूप में बालाघाट नगर के जलप्रदाय, स्वास्थ्य, शिक्षा, एवं खेल आदि के विकास के लिए सौंपे है।ऐसे महादानी की जयंती पर उन्हें 25 अक्टूबर को प्रतिवर्ष याद कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की जाती है।लेकिन ऐसे महान दानदाता की याद में बनाया गया मुलना गार्डन पिछले कई वर्षों से उजड़ा पड़ा था।जिसे सवारने का काम एक बार फिर से शुरू कर दिया गया है।

फिलहाल बनाई जा रही बाउंड्रीवॉल, बाद में होंगा सौंदर्यीकरण- रहांगडाले

इस पूरे मामले को लेकर दूरभाष पर की गई चर्चा के दौरान नगर पालिका उद्यान प्रभारी प्रभात रहांगडाले ने बताया कि करीब 8, लाख रु की लागत से मुलना गार्डन को संवारने का काम शुरू किया गया है।जिसमें करीब 3 लाख रु, विधायक निधि से आए हैं।जिससे बाउंड्रीवॉल बनाने का कार्य किया जा रहा है। गार्डन में 2 तरफ से गेट दिए जाएंगे। बाउंड्री वॉल के बाद पेड़ पौधे लगाकर गार्डन को व्यवस्थित किया जाएगा।पाथवे ,लाइटिंग,फौव्वारा, बैठक व्यवस्था सहित अन्य सौंदर्यीकरण के लिए बजट अधिक लगेगा,जो फिलहाल नही है। इसके लिए अलग से बजट बनाकर बचे हुए अन्य अधूरे काम पूरे किए जाएंगे।उन्होंने आगे बताया कि करीब 6 फुट की बाउंड्री वॉल बनाने का काम शुरू कर दिया गया है, वही बस स्टैंड की तरफ दुकान लगाने वाले 12 से 15 दुकानदारों को अतिक्रमण स्वयं हटाने के लिए नगर पालिका द्वारा नोटिस जारी किए गए हैं। वहीं मुनादी भी कराई गई है जल्द ही उनके अतिक्रमण को हटाया जाएगा।

अमर शहीद श्रद्धांजलि ट्रॉफी फुटबॉल प्रतियोगिता

लायंस एफसी और बालाघाट टीम नही दाग सकी एक भी गोल

उधर भोपाल के मो सफीक हुसैन के गोल से सांची वारियर्स को मिली हार

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। नक्सली हमले में शहीद हुए सब इंस्पेक्टर स्वर्गीय आशीष शर्मा की याद में नगर के मुलना स्टेडियम में 16 मार्च से आयोजित अमर शहीद श्रद्धांजलि ट्रॉफी फुटबॉल प्रतियोगिता में 22 मार्च रविवार को 2 अहम मुकाबले खेले गए।मध्य प्रदेश फुटबॉल एंव जिला फुटबॉल संघ बालाघाट द्वारा आयोजित इस अंडर 15 यूथ क्लब लीग फुटबाल बॉयज प्रतियोगिता में रविवार को पहला मैच लायंस फुटबॉल एकेडमी जबलपुर बनाम द डायमंड रॉक अकैडमी के मध्य खेला गया,जो काफी रोमांचक रहा। जहां दोनों ही टीम खेल खत्म होने तक एक दूसरे के खिलाफ एक भी गोल दागने में कामयाब नहीं हो सकी ,तो वही प्रतियोगिता का दूसरा मैच भोपाल बनाम रांची वॉरियर्स के मध्य खेला गया। जहां भोपाल के खिलाड़ी मोहम्मद सफीक हुसैन ने खेल के कुछ मिनट पूर्व एक गोल दागकर प्रतियोगिता का यहां मैच अपने नाम कर लिया और सांची वॉरियर्स को करारी हार का सामना करना पड़ा।

जबलपुर बालाघाट के बीच दिखी काटे की टक्कर, उधर भोपाल ने जीता दूसरा मैच

नगर के मुलना स्टेडियम में आयोजित इस प्रतियोगिता में रविवार को दिन का पहला मैच लायंस एफसी बनाम द डायमंड रॉक बालाघाट के बीच खेला गया।जहा खेल शुरू होते ही दोनो टीम एक दूसरे के खिलाफ गोल करने का प्रयास करती रही परन्तु सफलता नहीं मिली।उधर मध्यांतर तक दोनो टीम गोल रहित बराबर पर रही। मध्यांतर के पश्चात् एक बार फिर से दोनो टीम गोल करने के लिए काफी जद्दोजहद करती रही, लेकिन खिलाडियों के बीच आपसी तालमेल न होने के कारण दोनों ही टीम को गोल करने में सफलता नही मिली। अंत में मैच गोल रहित बराबर पर रहा।जिसके चलते दोनो ही टीम को 1- 1 अंक से संतुष्ट होना पड़ा।उधर प्रतियोगिता में दिन का दूसरा व अंतिम मैच एम एम भोपाल बनाम सांची वॉरियर्स के मध्य खेला गया।जहा खेल शुरू होते ही दोनो टीम गोल करने का प्रयास करती रही परन्तु सफलता नहीं मिली। मध्यांतर तक दोनो टीम गोल रहित बराबर पर रही।वही मध्यांतर के पश्चात् दोनो टीम एक बार फिर से गोल करने करने का प्रयास करती रही परन्तु खेल के 86 मिनट तक दोनों ही टीम गोल दागने में असफल रही। इसके तुरंत बाद ही अपने खेल का उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए एम एम भोपाल के खिलाड़ी मोहम्मद सफीक हुसैन ने पहला गोल किया।उधर बचे कुछ मिनट में सांची के खिलाड़ी 1 गोल दागकर मैच को बराबर करने का प्रयास करते रहे परन्तु उन्हें सफलता नहीं मिली। अंत में एम एम एफसी भोपाल 1 गोल से विजय रही।वही सांची वारियर्स को हार का सामना करना पड़ा।

इनकी रही प्रमुख उपस्थिति

22 मार्च रविवार को खेले गए इन दोनों मैचों में मुख्य अतिथि के तौर पर जयश्री प्रकाश सोनवाने, भवानी शंकर टेकरी,दिलीप जी, मनोज शिव सागर, सरिता सोनी, व ललित जी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे तो वही शरद, अंजल ,गौरव ,नीतेश, प्रिया मुस्कान, रोहित मैच रेफरी इंचार्ज विनोद शर्मा एव मैच कमिसिनर चंद्रा मालिक ने निर्णायक की भूमिका अदा की। मैच को सफल बनाने में दिलीप राजपूत, गणेश अग्रवाल, अशीस पिल्ले, दिनेश, रुपनाथ, युवराज का सराहनीय योगदान रहा।

ट्रेनों के विलंब, नई ट्रेनों के संचालन व मुआवजा-नौकरी की मांग को लेकर ब्रॉडगेज संघर्ष समिति ने सौंपा ज्ञापन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले में रेल सेवाओं की बदहाल स्थिति के चलते यात्रियों को लगातार परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बालाघाट मार्ग से गुजरने वाली लोकल व एक्सप्रेस यात्री ट्रेनें घंटों देरी से संचालित हो रही हैं, जिससे यात्रियों का समय और सुविधा दोनों प्रभावित हो रहे हैं। पहले इस देरी का कारण गोंदिया रेलवे ओवरब्रिज को बताया जा रहा था, वहीं अब रेलवे द्वारा दोहरीकरण कार्य को वजह बताया जा रहा है। हालांकि यात्रियों का कहना है कि इस मार्ग पर यात्री ट्रेनों की अपेक्षा मालगाड़ियों का संचालन अधिक किया जा रहा है, जिससे यात्री सेवाएं प्रभावित हो रही हैं। इन्हीं समस्याओं को लेकर रविवार को ब्रॉडगेज संघर्ष समिति ने रेलवे स्टेशन प्रबंधक को डीआरएम के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में ट्रेनों को समय पर चलाने, बालाघाट मार्ग से पेंचवेली, सतपुड़ा और नर्मदा एक्सप्रेस ट्रेनों के संचालन की मांग की गई है। इसके साथ ही रेलवे लाइन विस्तार के दौरान अधिग्रहित की गई किसानों की भूमि का उचित मुआवजा और प्रभावित परिवारों के एक सदस्य को नौकरी देने की मांग भी उठाई गई।

रेल सेवाओं में लेटलतीफी को लेकर ब्रॉडगेज संघर्ष समिति का आक्रोश लगातार बढ़ता जा रहा है। समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनूपसिंह बैस, रहीम खान और इंद्रजीत गौतम ने संयुक्त रूप से आरोप लगाया कि बालाघाट से होकर गुजरने वाली मूकमाटी एक्सप्रेस और पैसेंजर ट्रेनें लगातार देरी से संचालित हो रही हैं, जिससे यात्रियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। समिति पदाधिकारियों ने आरोप लगाया कि यात्री ट्रेनों की तुलना में निजी कंपनियों, विशेषकर मालगाड़ियों को प्राथमिकता दी जा रही है, जिसके कारण नियमित रेल सेवाएं प्रभावित हो रही हैं। उनका कहना है कि जब तक यात्री ट्रेनों को प्राथमिकता नहीं दी जाएगी, तब तक आम जनता को राहत मिलना मुश्किल है। उन्होंने स्पष्ट किया कि उनकी प्रमुख मांगों में बालाघाट से भोपाल और इंदौर के लिए सीधी रेल सेवा शुरू करना शामिल है, जो लंबे समय से लंबित है। इसके साथ ही पेंचवली एक्सप्रेस को गोंदिया से प्रारंभ करने के प्रस्ताव को तत्काल लागू कर ट्रेन सेवा शुरू करने की मांग भी दोहराई गई। समिति ने जनप्रतिनिधियों, विशेषकर सांसद की भूमिका पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि रेल सुविधाओं को लेकर केवल औपचारिकता निभाई जा रही है, जबकि जमीनी स्तर पर ठोस प्रयास नजर नहीं आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि जिले की जनता की वर्षों पुरानी मांग है कि बालाघाट से प्रमुख शहरों के लिए सीधी और नियमित रेल सेवाएं उपलब्ध कराई जाएं। इसके अलावा, रेलवे लाइन विस्तार के दौरान जिन किसानों की भूमि अधिग्रहित की गई थी, उन्हें अब नौकरी नहीं मिलने पर भी नाराजगी व्यक्त की गई। पदाधिकारियों ने बताया कि कई किसानों ने अपने परिवार के सदस्य को रोजगार मिलने की उम्मीद में जमीन दी थी, लेकिन अब रेलवे द्वारा नौकरी नहीं देने की घोषणा से वे नाराज हैं। समिति ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र ही उनकी मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया, तो वे धरना-प्रदर्शन करेंगे और आंदोलन को राष्ट्रीय स्तर पर ले जाएंगे।

किरनापुर के ग्राम गोदरी में जल्द बनेगा संत भूरा भगत मंदिर के साथ शिव मंदिर

सामाजिक सदस्यों ने मंदिर निर्माण के लिए खरीदी 16 डिसमिल जमीन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। युवा कतिया समाज अध्यक्ष भूमेश्वर शिव ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि 22 मार्च 2026 को कतिया समाज किरनापुर ग्राम गोदरी के सामाजिक बंधुओं द्वारा बहुत अच्छी पहल की गई। जिसमें गोदरी के सामाजिक बंधुओं के द्वारा ग्राम में संत भूरा भगत मंदिर तथा शिव मंदिर निर्माण हेतु 16 डिसमिल भूखंड ग्राम के सामाजिक सदस्यों के सहयोग से क्रय किया गया।जिसका पंजीयन (रजिस्ट्री)करा ली गई है।जिंसमे जल्द ही भव्य मंदिर के निर्माण का कार्य शुरू किया जाएगा।इस दौरान बंशीलाल श्रीनाग, फागूलाल जी, युवा कतिया समाज के अध्यक्ष भुवनेश्वर शिव, ब्लॉक अध्यक्ष आनंद श्रीनाग, किरनापुर ब्लॉक सचिव राजा श्रीनाग तथा अन्य सामाजिक गण पंजीयन के समय जिला कलेक्टर कार्यालय में उपस्थित रहे।बताया गया कि यह कार्य किरनापुर ब्लॉक ग्राम गोदरी के सजातीय बन्धुओ द्वारा किया गया जो सराहनीय कार्य है।युवा कतिया समाज अध्यक्ष भूमेश्वर शिव ने इस पुनीत कार्य में बढ़-चढ़कर सहयोग करने वाले दानदाताओं व सभी सामाजिक बंधुओ को धन्यवाद देते हुए, मंदिर निर्माण कार्य के लिए सभी को तन मन और धन से सहयोग करने की अपील की है।

नल-जल योजना के मरम्मत कार्य पर उठे सवाल

ग्रामीणों ने बिना मरम्मत के लाखों रूपये की राशि आहरण करने का लगाया आरोप

टेंगनीखुर्द पंचायत का मामला, ग्रामीणों ने जांच कर दोषियों पर कार्यवाही की प्रशासन से की मांग

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

एक ओर सरकार घर-घर शुध्द पेयजल पहुंचाने के लिए नल-जल योजना पर करोड़ों खर्च कर रही है। वहीं दूसरी ओर जिम्मेदार जनप्रतिनिधि और अधिकारी भ्रष्टाचार के नये रास्ते खोज रहे हैं। ऐसा ही एक मामला नगर मुख्यालय से 15 किमी. दूर स्थित ग्राम पंचायत टेंगनीखुर्द का है, जहां पाइपलाइन मरम्मत सहित अन्य कार्य के नाम पर बड़ा फर्जीवाड़ा सामने आया है। वहीं ग्रामीणों ने सरपंच-सचिव पर बिना काम करवाये ही राशि आहरित कर लेने का आरोप लगाते हुए मामले की जांच कर दोषियो पर कार्यवाही करने की मांग की है।

ग्रामीणों को नही मिल रहा पानी, जिम्मेदार मौन

ग्रामीणों से प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत टेंगनीखुर्द व टेंगनीखुर्द के टेंगनीटोला में ठप पड़ी नलजल योजना को सुचारू रूप से चलाने और क्षतिग्रस्त पाइपलाइन की मरम्मत के लिए शासन स्तर से 9 लाख रूपये की राशि स्वीकृत की गई थी। नियमत: इस राशि से गांव की जर्जर पाइपों को बदला जाना था और लीकेज सुधार कर ग्रामीणों को पानी की आपूर्ति सुनिश्चित करनी थी परंतु पंचायत के द्वारा बिना किसी मरम्मत कार्य के ही मरम्मत के लिये आई 9 लाख रूपये की राशि का आहरण कर भारी भ्रष्टाचार किया गया है। ग्रामीणों का सीधा आरोप है कि पंचायत प्रशासन ने मिलीभगत कर धरातल पर एक इंच भी पाइपलाइन का काम नहीं करवाया और स्वीकृत राशि का पूरा आहरण कर लिया। वर्तमान में स्थिति यह है कि पाइपलाइन वैसी ही जर्जर अवस्था में पड़ी है और ग्रामीण बूंद-बूंद पानी के लिए तरस रहे हैं। वहीं ग्रामीणों का यह भी आरोप है कि गांव में मरम्मत का कोई काम नहीं हुआ है। पुराने पाइप अब भी क्षतिग्रस्त पड़े हैं, लेकिन सरकारी रूपये निकाल लिया गया है। यह सीधे तौर पर जनता के हक की चोरी है, इस कथित भ्रष्टाचार को लेकर टेंगनीटोला, टेंगनीखुर्द के ग्रामीणों में भारी आक्रोश व्याप्त है। ग्रामीणों का कहना है कि एक तरफ गर्मी की दस्तक के साथ पानी की किल्लत बढ़ने वाली है, वहीं दूसरी ओर योजना के नाम पर आई राशि को दुरूपयोग किया गया है। ग्रामीणों ने पाइपलाइ के लिए आई राशि का बिना काम करवाये आहरित कर लेने एवं पंचायत क्षेत्र के अन्य निर्माण कार्य में बरती जा रही अनियमितता की जांच कर दोषियों पर कार्यवाही करने की प्रशसन से मांग की है।

बिना काम करवाये लाखों रूपये की राशि का हो चुका है आहरण - ओम

ओम चौहान ने बताया कि टेंगनीटोला (टेंगनीखुर्द) में लंबे समय से नल-जल योजना का पानी नही मिल रहा है और पानी की समस्या बनी हुई है। वहीं पाइपलाइन के मरम्मत कार्य के लिए शासन से 9 लाख रूपये आया था किन्तु कुछ भी काम नही किया गया है और माँ भगवती ट्रेडर्स खैरी पलारी के नाम से बिल लगाया गया है और उसकी सीसी जारी हो चुकी है। जबकि धरातल पर कोई काम नहीं हुआ है और राशि का आहरण कर लिया गया है। इस तरह से शासकीय राशियों का दुरूपयोग सरपंच सचिव के द्वारा किया जा रहा है। साथ ही पंचायत भवन निर्माण कार्य शुरू होते ही 8 से 9 लाख रूपये की राशि निकाल ली गई है, प्रशासन से मांग है कि मामले की जांच कर दोषियों पर कार्यवाही करें।

नल घर की शोभा बढ़ा रही है - राजेश

राजेश टेंभरे ने बताया कि ग्रामीणजनों को नल-जल योजना का पानी नही मिल रहा है, ऐसी स्थिति में ग्रामीणजनों को हेंडपंप व कुएं का पानी उपयोग करना पड़ रहा है। साथ ही हेंडपंप में सुबह से ही पानी भरने वालों की भीड़ लग जाती है, दबाव अधिक होने पर दुषित पानी निकलता है। साथ ही यह भी बताया कि क्षतिग्रस्त पाइपलाइन का मरम्मत कार्य के लिए शासन से राशि पंचायत में आई थी, लेकिन कोई काम नही करवाया गया है। जिससे ग्रामीणजनों में आक्रोश व्याप्त है और नल घर की शोभा बढ़ा रही है, नल-जल योजना का लाभ नही मिल रहा है।

निर्माण कार्य में बरती गई है अनियमितता - मोहित

मोहित टेंभरे ने बताया कि पंचायत क्षेत्र में विभिन्न निर्माण कार्य के लिए लाखों रूपये की राशि आई है, लेकिन उक्त राशि से गुणवत्तापूर्ण कार्य न करवाते हुए सरपंच-सचिव के द्वारा भ्रष्टाचार किया जा रहा है, हमारी मांग है कि शासन की राशि का सही उपयोग होना चाहिए। साथ ही यह भी बताया कि नल-जल योजना की पाइपलाइन का मरम्मत कार्य, विद्युत पोल व प्रकाश व्यवस्था के कार्य पूरे नही हुए है और राशि निकाल ली गई है। इस तरह से शासकीय राशियों का पंचायत के जिम्मेदारों के द्वारा दुरूपयोग किया जा रहा है जिससे ग्रामीणों में भारी आक्रोश व्याप्त है।

सभी आरोप निराधार एवं बेबुनियाद है - अनिता

सरपंच श्रीमती अनिता राणा ने बताया कि नल-जल योजना की पाइपलाइन में खराबी आ चुकी है जिसका मरम्मत कार्य साल्हेभर्री, टेंगनीखुर्द व टेंगनीटोला में करवाया गया है और कुछ स्थानों पर बड़ी तकनीकी समस्या को दुर करने पीएचई विभाग को अवगत करवा दिया गया है जिनके द्वारा उसे जल्द दुरूस्त कर दिया जायेगा। साथ ही यह भी बताया कि पंचायत का नवीन भवन निर्माण कार्य जारी है जिसमें विभिन्न सामग्री लगना है और जो राशि आई है जिससे सामग्री खरीदी कर गुणवत्तापूर्ण कार्य करवाया जा रहा है। श्रीमती राणा ने बताया कि पंचायत क्षेत्र में जो भी काम हो रहे है सभी नियमानुसार एवं गुणवत्तापूर्ण हो रहे है। ग्रामीणों ने बिना काम करवाये राशि आहरण करने का जो आरोप लगाये है सभी आरोप निराधार एवं बेबुनियाद है।

आदिवासी बिंझवार समाज की बैठक में नवीन कार्यकारिणी का किया गया गठन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत गर्रा स्थित शहीद वीर नारायण सिंह बिंझवार मंगल भवन में रविवार को आदिवासी बिंझवार समाज की जिला स्तरीय बैठक संपन्न हुई। यह बैठक आदिवासी बिंझवार समाज के पदाधिकारियों की उपस्थिति में प्रारंभ हुई। आयोजित बैठक में जिला आदिवासी बिंझवार समाज की नवीन कार्यकारिणी का गठन, समाजोत्थान सहित अन्य बिन्दुओं पर चर्चा की गई। वहीं नवीन कार्यकारिणी का गठन कर राजकुमार सोनवाने को सर्वसम्मति से आदिवासी बिंझवार समाज का जिलाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। इसी तरह गायक गौतम, दिनेश सहारे को उपाध्यक्ष, कमलेश हटेवार को सचिव, गिरीशकुमार निलजीवार को कोषाध्यक्ष, हेमराज ठाकरे को सहसचिव नियुक्त किया गया है। चर्चा में आदिवासी बिंझवार समाज के नवनियुक्त सचिव कमलेश हटेवार ने बताया कि जो दायित्व सौंपा गया है उसका ईमानदारी से निर्वहन कर समाज के वरिष्ठजनों के मार्गदर्शन में समाजोत्थान के क्षेत्र में बेहतर काम किया जायेगा। इस अवसर पर सुखराम सहारे, श्रीपत वाघाड़े, बसंत ठाकरे, रामकिशन निकुरे, दिनेश ठाकरे सहित अन्य स्वजातीय बंधु उपस्थित रहे।

माँ कात्यायनी मंदिर में 113 मनोकामना कलश प्रज्वलित

आस्थापूर्वक मनाया जा रहा है मातारानी की आराधना का पर्व चैत्र नवरात्र

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 4 किमी. दूर ग्राम पंचायत बकोड़ा स्थित माँ कात्यायनी मंदिर में गत 19 मार्च को 113 मनोकामना कलश प्र'वलित कर चैत्र नवरात्र पर्व धार्मिक आस्था एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। इस चैत्र नवरात्र पर माँ कात्यायनी मंदिर में गत 19 मार्च की रात में माँ कात्यायनी माता की विधि-विधान से पूजा अर्चना कर 22 घी एवं 91 तेल के मनोकामना कलश प्रज्वलित कर जवारे बोये गये तत्पश्चात आरती कर प्रसादी का वितरण किया गया। साथ ही इस चैत्र नवरात्र पर्व पर नौ दिनों तक माता-रानी की आराधना भक्तजनों के द्वारा आस्थापूर्वक की जा रही है। जिसमें प्रतिदिन सुबह 8 बजे व रात 8 बजे आरती की जाती है जिसके बाद रोजाना जस का गायन किया जा रहा है और मातारानी के देवीगीतों की गुंज से पूरा ग्राम भक्तिमय हो गया है। चर्चा में मंदिर समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि यह मंदिर बहुत पुराना है और प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी भक्तिभाव एवं हर्षोल्लास के साथ मातारानी का पर्व चैत्र नवरात्र मनाया जा रहा है। साथ ही यह भी बताया कि 22 घी एवं 91 तेल इस तरह 113 मनोकामना कलश प्र'वलित किये गये है एवं सुबह-शाम आरती कर माता-रानी की आराधना की जा रही है। साथ ही जो भी भक्तजन मातारानी की सच्चे मन से पूजा अर्चना करता है उसकी मनोकामनाएं भी पूरी होती है एवं 26 मार्च को अष्टमी पर्व मनाया जायेगा। इस अवसर पर क्षेत्रीय भक्तजनों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर धर्मलाभ अर्जित करने की अपील मॉ कात्यायनी मंदिर समिति के पदाधिकारी व सदस्यों ने की है।

मिरेगांव में सामाजिक समरसता (आदिवासी गोंगो) सम्मेलन कार्यक्रम का हुआ आयोजन

प्राचीन धरोहर गोंडीदेव स्थल का जीर्णोध्दार और विकास कार्य पर दिया गया जोर

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 5 किमी. दूर ग्राम पंचायत मिरेगांव के गोंडीदेव स्थल में सामाजिक एकता और विकास की संकल्पना को साकार करने के उद्देश्य से सामाजिक समरसता सम्मेलन गोंडीदेव समिति के तत्वाधान में 22 मार्च को सामाजिक समरस्ता (आदिवासी गोंगो) सम्मेलन कार्यक्रम संपन्न हुआ। यह कार्यक्रम जनप्रतिनिधि एवं सामाजिक पदाधिकारियों के प्रमुख आतिथ्य में प्रारंभ हुआ। जिसमें सर्वप्रथम उपस्थितजनों ने गोंडीदेव स्थल में विधि-विधान से पूजा अर्चना किये तत्पश्चात मंचीय कार्यक्रम प्रारंभ हुआ। आयोजित सामाजिक समरसता सम्मेलन के अवसर पर उपस्थितजनों के द्वारा अपने-अपने विचार रखते हुए कहा कि मिरेगांव स्थित गोंडीदेव स्थल में आदिवासियों की प्राचीन धरोहर स्थापित है। लेकिन उसका जीर्णोध्दार कार्य होना चाहिए क्योंकि उस स्थान पर गोंडीदेव भगवान की मूर्ति स्थापित है इसलिए हम सभी को संगठित होकर अपने धरोहर को बचाकर उन्हे व्यवस्थित कर विकास के क्षेत्र में काम करना चाहिए। साथ ही यह भी कहा कि हमारे जो धरोहर है उन्हे सुव्यवस्थित करना हम सभी का दायित्व

है क्योंकि इस स्थल का संरक्षण न केवल हमारी आस्था से जुड़ा है बल्कि यह आने वाली पीढ़ियों को हमारी समृध्द संस्कृति से भी अवगत करवायेगा। साथ ही यह भी कहा कि किसी भी क्षेत्र का विकास तभी संभव है जब समाज में समरसता और एकजुटता हो, सामाजिक समरसता से ही हम अपनी धरोहरों को बचा सकते है और गांव को प्रगति की मुख्यधारा से जोड़ सकते है। इस सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य गांव की सांस्कृतिक पहचान एवं विकास कार्यों को गति देना है। चर्चा में अनिल उइके ने बताया कि मिरेगांव के गोंडीदेव स्थल में सामाजिक समरसता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर यह स्थापित देवी-देवताओं की गोंगो पूजा की गई तत्पश्चात कलश प्रज्वलित कर समाज की सुख-समृध्दि के लिए आराधना की गई। आगे बताया कि आयोजन का मुख्य उद्देश्य समाज में बिखराव को दूर करना और लोगों को एक सूत्र में पिरोना ही इस कार्यक्रम की मूल भावना है। जिस प्रकार धागा मोतियों को जोड़कर रखता है, उसी प्रकार यह आयोजन समाज में आपसी प्रेम और समरसता स्थापित करने का एक प्रयास है।

श्री उइके ने बताया कि स्थानीय देवस्थान के जीर्णोद्वार पर विशेष जोर दिया जा रहा है और पिछले वर्ष भी अतिथियों को इस स्थान की जर्जर स्थिति से अवगत करचाया गया था। वर्तमान में देवी-देवताओं के स्थान और परिसर के लिए एक व्यवस्थित भवन निर्माण की अत्यंत आवश्यकता है और सभी के सहयोग से यह कार्य को पूरा किया जायेगा। इस अवसर पर सामाजिक समरसता सम्मेलन गोंडीदेव समिति के पदाधिकारी, स्वजातीय बंधु बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

खारी में श्रीराम मंदिर का लोकार्पण एवं श्रीमद् भागवत महापुराण कार्यक्रम 4 अप्रैल से

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 6 किमी. दूर ग्राम पंचायत खारी में बजरंग दल समिति एवं समस्त ग्रामवासियों के तत्वाधान में आगामी 4 अप्रैल को नवनिर्मित श्री राम मंदिर का लोकार्पण, प्राण प्रतिष्ठा एवं संगीतमय श्रीमद् भागवत महापुराण का भव्य आयोजन किया गया है। चर्चा में आयोजन समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि सभी ग्रामीणजनों के सहयोग से ग्राम में भव्य श्रीराम मंदिर का निर्माण किया गया है जिसका कार्य पूर्ण हो चुका है, जिसका लोकार्पण एवं विविध धार्मिक कार्यक्रम 4 अप्रैल को आयोजित किया गया है। इस अवसर पर 4 अप्रैल को मंदिर का लोकार्पण के साथ ही 8 दिवसीय श्रीमद् भागवत महापुराण कार्यक्रम शुरू होगा। जिसमें 4 अप्रैल को भव्य कलश शोभा यात्रा निकाली जायेगी तत्पश्चात गणेश पूजन, भागवत महात्म। आगे बताया कि 8 दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा में वृंदावन की सुप्रसिध्द कथावाचिका पू'या बाल विदुषी वेदिका मिश्रा के

द्वारा प्रतिदिन भगवान श्रीकृष्ण के जीवनलीलाओं पर संगीतमय प्रवचन दिया जायेगा। जिसमें 5 अप्रैल को भक्ति ज्ञान वैराग्य, धुंधकारी उध्दार, 6 अप्रैल को भगवान श्रीराम, शिवलिंग की प्राण प्रतिष्ठा, सुखदेव राजा परीक्षिम जन्म गजेन्द्र मोक्ष, 7 अप्रैल को अजामिल उपाख्यान, ध्रुव, प्रहलाद चरित्र, वामन अवतार राम कृष्ण जन्म की कथा, 8 अप्रैल को गोवर्धन पूजन, भगवान की संपूर्ण बाल लीलायें, 9 अप्रैल को भगवान श्रीकृष्ण रूखमणी विवाह की कथा, 10 अप्रैल को उध्दव प्रसंग, कलयुग वर्णन, सुदामा चरित्र, व्यास पूजन पर कथा वाचिका द्वारा प्रवचन दिया जायेगा एवं 11 अप्रैल को हवन, कन्या पूजन, अतिथियों का सम्मान एवं महाप्रसादी वितरण के साथ ही 8 दिवसीय श्रीमद् भागवत महापुराण का समापन किया जायेगा। वहीं उक्त आयोजन को सफल बनाने के लिए आचार्य पंकज मिश्रा (वाराणसी), आचार्य आनंद तिवारी (अयोध्या) एवं पंडित अनिल तिवारी (मैहर) के साथ बजरंग दल समिति, श्री राम मंदिर महिला वाहिनी समिति और समस्त ग्रामवासी सक्रिय रूप से जुटे हुए हैं। समिति ने क्षेत्र के समस्त श्रध्दालुओं से इस पावन अवसर पर उपस्थित होकर धर्म लाभ लेने की अपील की है।

आजाद अध्यापक शिक्षक संघ ने पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल और विधायक पटेल को सौंपा ज्ञापन

शिक्षक पात्रता परीक्षा का किया विरोध

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।

न्यायालय के द्वारा पूरे प्रदेश में सेवा दे रहे शिक्षको के लिए शिक्षक पात्रता परीक्षा आयोजित करने निर्देश दिए गए। जिस पर लोक शिक्षण संचनालय के द्वारा पत्र जारी भी कर दिया गया है। जिससे शिक्षकों में आक्रोश और अपने मान सम्मान को लेकर चिंतित है जिसके लिए शिक्षक संगठन लगातार आवेदन दे रहे हैं। इसी कड़ी में आजाद अध्यापक शिक्षक संघ के द्वारा २२ मार्च को पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल एवं क्षेत्रीय विधायक विवेक पटेल के कार्यालय में सैकड़ो की संख्या में उपस्थित होकर ज्ञापन सौंपा गया। उन्होंने ज्ञापन में बताया कि उच्चतम न्यायालय के द्वारा अन्य प्रदेश के अशासकीय याचिका में परित निर्णय को लोकशिक्षण संचालनालय भोपाल के द्वारा प्रदेश के सभी शिक्षकों पर भूतलक्षीय प्रभाव से लागू करते हुये शिक्षक पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण करने की अनिवार्यता लागू की गई है। भर्ती के समय लागू सेवा शर्तों के अधीन तत्समय के प्रावधान से नियुक्त किये गये शिक्षको को ३० वर्ष की सेवा उपरांत आज सेवा में बने रहने हेतु उन पर शिक्षक पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण करने का बंधन लागू करना सेवा शर्तों का उल्लंघन है। हमारी मांग हैं की लोक शिक्षण संचालनालय के द्वारा जारी संदर्भित पत्र को निरस्त करते हुये उच्चतम न्यायालय के सिविल अपील में पारित निर्णय के विरुद्ध पुनर्विचार याचिका दाखिल की जायें। अन्यथा लोक शिक्षण संचालनालय के पत्र को तब तक स्थगित किया जायें जब तक उच्चतम न्यायालय की सिविल अपील में पारित निर्णय के विरुद्ध उ .प्र. सहित अन्य प्रदेश शासन के द्वारा दाखिल पुनर्विचार याचिका पर न्यायालय द्वारा निर्णय पारित नहीं किया जायें।

शिक्षकों में दिखा आक्रोश

करीब एक सैकड़ा शिक्षक शिक्षिकाएं रविवार को आजाद अध्यापक शिक्षक संघ के नेतृत्व में पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल को ज्ञापन देने भाजपा कार्यालय एवं विधायक विवेक पटेल को ज्ञापन देने उनके जनसंपर्क कार्यालय पहुंचे। जहां पर शिक्षक शिक्षिकाओं के अंदर आक्रोश देखने को मिला जहां उन्होंने बताया कि शासन के द्वारा शिक्षकों को सवंर्ग में बाटकर रखा वर्ष २०१८ में नया संवर्ग लाकर सभी की वरिष्ठता समास कर दी। २००४ के पहले के नियुक्त शिक्षक की वरिष्ठता समाप्त करने के साथ पेंशन व अन्य सुविधाएं से भी वंचित कर दिया गया। अब शिक्षकों को पात्रता परीक्षा देने के लिए मजबूर किया जा रहा है सभी शिक्षक १५ से २० वर्ष से अपनी सेवा दे रहे हैं। यह परीक्षा हमारे मान सम्मान और प्रतिष्ठा पर प्रश्न चिन्ह खड़ा कर रही है सहित अनेक विषय को लेकर आक्रोश व्यक्त किया जाता रहा।

अतिशीघ्र पुनर्विचार याचिका दायर करें प्रदेश सरकार-अरविन्द पारधी

अरविंद पारधी ने बताया कि आजाद अध्यापक शिक्षक संघ पूरे प्रदेश में ज्ञापन दे रहा है। अभी एक आदेश शिक्षक पात्रता परीक्षा देने जारी हुआ है जबकि उसमें अन्य राज्य सरकार पुनर्विचार याचिका में जा रही है मध्य प्रदेश लोक शिक्षण संचनालय ने आदेश जारी कर दिया है। ऐसे में मध्य प्रदेश में वर्ष १९९८ से २००९ तक लगा शिक्षक कैसे परीक्षा देगा, शिक्षक का काम परीक्षा लेना है यदि सरकार अपने आपको शिक्षको और कर्मचारी हितैषी समझती है तो वह अभिलंब यथाशीघ्र सुप्रीम कोर्ट में अन्य राज्यों की तरह पुनर्विचार याचिका दायर करें। इसी के साथ हमने पदोन्नति प्राप्त माध्यमिक शिक्षकों की लंबित क्रमोन्नति हड़ताल का लंबित वेतन और नियुक्ति दिनांक से वरिष्ठता देने की भी मांग की है।

इनका कहना हैं

आप लंबे समय से सेवा में है यह मांग जायज है अनुभव खरीद नहीं मेहनत से पाया जाता है। पुरानी पेंशन से ध्यान हटाने सरकार ने याचिका नहीं लगाई है और उनकी मंशा भी नहीं दिख रही है। विधानसभा में हम यह बात रखेंगे मैं और मेरा दल आपके समर्थन में है।

विवेक पटेल
विधायक वारासिवनी

आजाद अध्यापक शिक्षक संघ के नेतृत्व में बड़ी संख्या में शिक्षक कार्यालय में उपस्थित होकर ज्ञापन सौंपा है। उनकी भावनाओं से प्रदेश सरकार को अवगत कराने पत्र लिखा जाएगा हम शिक्षकों की भावनाओं का सम्मान करते है। साथ ही जल्द से जल्द प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से मुलाकात कर प्राथमिकता से उन्हे अवगत कराया जायेगा।

प्रदीप जायसवाल
पूर्व केबिनेट मंत्री वारासिवनी

सड़क दुर्घटना में हमेश्वर आमाडारे गंभीर घायल

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम बांसी के चौक पर मोटरसाइकिल अनियंत्रित होने से सड़क दुर्घटना में हमेश्वर आमाडारे गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल का सिविल अस्पताल में प्राथमिक उपचार कर उसे बेहतर इलाज के लिए जिला चिकित्सालय रिफर कर दिया गया हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार हमेश्वर पिता कमलेश आमाडारे उम्र २९ वर्ष तुमसर कटंगी निवासी वारासिवनी अपने किसी कार्यो से आया हुआ था। जहां से वह मोटरसाइकिल के माध्यम से अपने ग्राम कटंगी के तुमसर जाने के लिए निकला था। जो झालीवाड़ा से बांसी मार्ग के माध्यम से जा रहा था तभी ग्राम बांसी के चौक पर टर्न आते ही मोटरसाइकिल चालक हमेश्वर आमाडारे के द्वारा मोटरसाइकिल का हैंडल मोड़ने का प्रयास किया गया परंतु सामने रखे बैग के कारण हैंडल नहीं मोड पाया और यह मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर सीधे खेतों में जा घुसी। जिससे मोटरसाइकिल चालक गंभीर रूप से घायल हो गया । जिसे तत्काल उपस्थित जनों के द्वारा दौड़कर उठाया गया तो वहीं परिचित लोगों के द्वारा सिविल अस्पताल में लाकर भर्ती किया गया। जहां घायल का प्राथमिक उपचार का बेहतर इलाज के लिए जिला चिकित्सालय भेज दिया गया। इस दुर्घटना में युवक के हाथ पैर सर सहित शरीर के विभिन्न हिस्सों में अंदरूनी और बाहरी चोट आई है।

नाबालिक के साथ दुराचार के आरोपी अंकित मेश्राम को न्यायालय ने भेजा जेल

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी थाना अंतर्गत १६ वर्षीय नाबालिक ने अंकित मेश्राम पर जबरदस्ती दुराचार करने का आरोप लगाते हुए थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। मामले में गिरफ्तार अंकित मेश्राम को न्यायालय ने जेल भेज दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार वारासिवनी थाना अंतर्गत १६ वर्षीय नाबालिक बालिका को अंकेश उर्फ अंकित मेश्राम उम्र २० वर्ष लावनी थाना खैरलाँजी निवासी बहला फुसलाकर अपने साथ ले जा लिया था। जिस पर नाबालिक के पिता के द्वारा वारासिवनी थाने में लड़की के कहीं चले जाने की रिपोर्ट दर्ज करवाई गई थी। जिसमें पुलिस के द्वारा अपराध क्रमांक ७२४/२५ भारतीय न्याय संहिता की धारा १३७,२ के तहत अपराध दर्ज कर जांच की जा रही थी। जिसमें वारासिवनी पुलिस ने मुखबिर सूचना के आधार पर नाबालिक को एक युवक के साथ दस्तयाब कर थाने में लाया गया। जहां नाबालिक के द्वारा पुलिस को बताया कि उसे बहला फु सलाकर अंकित मेश्राम के द्वारा ले जा लिया गया था जहां उसके द्वारा लगातार उस पर दुराचार किया गया। मामले में पुलिस के द्वारा पूर्व में दर्ज अपराध में भारतीय न्याय संहिता की धारा ६४,२,एम ६५,१, ८७ एवं पक्सो एक्ट की धारा ५ एल,६ की वृद्धि कर अंकेश उर्फ अंकित मेश्राम उम्र २० वर्ष लावनी थाना खैरलाँजी को गिरफ्तार कर वारासिवनी न्यायालय में पेश किया गया। जहां न्यायालय ने अपराध की गंभीरता को देखते हुए आरोपी अंकित मेश्राम को जेल भेज दिया।

सरकार की वादा खिलाफी के विरोध भोपाल में करेंगे आंदोलन-संजय राणा

आजाद स्कूल अतिथि शिक्षक संघ की बैठक संपन्न

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर के टिहलीबाई शासकीय माध्यमिक शाला परिषर में २२ मार्च को आजाद स्कूल अतिथि शिक्षक संघ की आवश्यक बैठक का आयोजन किया गया। यह बैठक वारासिवनी खैरलांजी ब्लॉक अध्यक्ष संजय राणा सहित अन्य पदाधिकारी की उपस्थिति में प्रारंभ की गई। जिसमें तात्कालिन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के द्वारा दिनांक २ सितम्बर २०२३ को अतिथि शिक्षकों की महापंचायत का आयोजन किया गया था। जिसमें उनके द्वारा की गई घोषणाओं को पूरा नही करने के विरोध में भोपाल में आयोजित आंदोलन को लेकर चर्चा की गई। इसमें अतिथि शिक्षकों को उच्च शिक्षा विभाग के अनुसार प्रति वर्ष ४ अंक तथा अधिकतम २० अंक बोनस के रूप में स्कूल शिक्षा भर्ती चयन परीक्षा में दिया जायें। अतिथि शिक्षकों की विभागीय परीक्षा लेकर गुरूजी के तर्ज पर वर्ग १, वर्ग२, वर्ग ३ का चयन परीक्षा पाठ्यक्रम के आधार पर भर्ती किया जायें। अतिथि शिक्षकों के लिये की गई महापंचायत की घोषणाओं को केबिनेट की बैठक में प्रस्ताव पारित कर अतिशीघ्र अतिथि शिक्षकों के भविष्य को सुरक्षित करने जैसे विषय पर विस्तार पूर्वक जानकारी देकर भोपाल आंदोलन के लिए विचार विमर्श किया गया। वारासिवनी अतिथि शिक्षक संघ के अध्यक्ष संजय राणा ने पदमेंश से चर्चा में बताया कि अतिथि शिक्षकों के द्वारा भोपाल में २९ और ३० मार्च को भव्य आंदोलन सरकार के खिलाफहोना है। यह सरकार की वादा खिलाफी के विरोध में निर्णायक आंदोलन होना है। क्योंकि तत्कालीन मुख्यमंत्री के द्वारा अतिथि शिक्षक की महापंचायत बुलाकर अनेको घोषणाएं की गई थी। परंतु वर्तमान में प्रत्येक अतिथि शिक्षक अपने भविष्य को लेकर हैरान परेशान है। शासन प्रशासन के द्वारा इस और कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है इसी पर ध्यान आकर्षण करने के लिए भोपाल में आंदोलन आयोजित है। जिसकी जानकारी बैठक के माध्यम से समस्त लोगों को दी गई है कि संकुल स्तर पर लोगों को जाना है। हम चाहते हैं कि हरियाणा की तर्ज पर सरकार व्यवस्था करें सीधी भर्ती में बोनस अंक दे विभागीय परीक्षा ले सहित अन्य विषय है। इस अवसर पर विकासखण्ड अध्यक्ष संजय राणा ,लोपेन्द्र राहंगडाले ,प्रेमेन्द्र पारधी ,देवेन्द्र पंचेश्वर ,वर्षा घोडेश्वर ,कमलेश नगपुरे सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे।

शीतला माता मंदिर में १५१ मनोकामना ज्योति कलश हुए प्रज्वलित

भक्ति भाव के साथ मनाया जा रहा चैत्र नवरात्र पर्व

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी की ग्राम देवी के नाम से मशहूर शीतला माता मंदिर में चैत्र नवरात्र पर्व १९ मार्च से धार्मिक भक्ति भाव के साथ मनाया जा रहा है। इस दौरान १९ मार्च की रात्रि ८ बजे विधि विधान से वेद मंत्रों के उच्चारण के साथ चैत्र नवरात्र पर्व का प्रारंभ माता शीतला की पूजा अर्चना से किया गया। जिसके बाद १५१ मनोकामना ज्योति कलश प्रज्वलित किए गए तत्पश्चात माता शीतला की महाआरती की गई। जहां पर रोजाना सुबह और शाम ८.३० बजे माता शीतला की विधि विधान से पूजा अर्चना कर आरती की जा रही है। वहीं रोजाना जस भजन कीर्तन जैसे कार्यक्रम आयोजित कर चैत्र नवरात्र पर्व पूर्ण भक्ति भाव के साथ मनाया जा रहा है।

रोजाना भक्तों का लग रहा ताता

शीतला माता मंदिर नगर में एक अपना मुख्य स्थान रखता है माता शीतला नगर की ग्राम देवी है । जिसके आशीर्वाद के साथ ही नगर का प्रत्येक व्यक्ति अपने शुभ कार्यो की शुरुआत करता है। चाहे वह वैवाहिक हो या सामाजिक माता शीतला के आशीर्वाद से ही हर कार्य पूर्ण होते हैं। ऐसे में चैत्र नवरात्र पर्व प्रारंभ होने के साथ ही माता शीतला को जल चढ़ाने के लिए भक्तों की भीड़ अब मंदिरों में उमडने़ लगी है। सुबह ५ बजे से यह प्रक्रिया प्रारंभ हो जाती है जो दोपहर तक चलती है ,इस दौरान सुबह ७ बजे से ११ बजे तक भक्तों की बहुत भीड़ रहती है।

दूर दूर के लोगो के द्वारा रखे जाते हैं कलश

शीतला माता मंदिर में भक्तों की गहरी आस्था और नगर वासियों की गहरी श्रद्धा होने का ही कारण है कि दूर दूर से लोग यहां पर मनोकामना ज्योति कलश प्रज्वलित करवाते हैं। यह वही लोग है जो वारासिवनी अपनी जन्मभूमि को तो छोड़ चुके हैं परंतु माता शीतला को आज भी नहीं भूले हैं। चैत्र हो या शारदेय नवरात्र वह माता रानी के दरबार में एक बार हाजिरी लगाकर ज्योति कलश जरूर स्थापित करवाते हैं। ऐसे में वारासिवनी, बालाघाट के साथ ही बहार जा चुके लोग भी शीतला माता मंदिर में अपनी मनोकामना ज्योति कलश प्रज्वलित करवाते हैं। इस वर्ष करीब १५१ मनोकामना ज्योति कलश प्रज्वलित किए गए हैं।

वारासिवनी से भी पुराना है ग्राम देवी का मंदिर

नगर की ग्राम देवी शीतला माता का मंदिर करीब ३५० वर्षो से भी ज्यादा पुराना होने की बात कही जाती है । साथ ही बताया जाता है कि जब यह वारासिवनी नगर कस्बे के रूप में स्थापित था उसके पहले से माता शीतला माता का मंदिर अपने स्थान पर स्थापित है। यह उस समय से ग्राम देवी है वर्तमान में जो मंदिर का स्वरूप नजर आता है ,वह बाद में बनाया गया है पहले माता माई के रूप में छोटे स्तर पर मंदिर बना हुआ था। बाद में नगर विस्तार के साथ साथ मंदिर का भी विस्तार होता गया जिससे वह वर्तमान स्वरूप में है।

रामपायली में चैत्र नवरात्र महोत्सव पर्व पर हो रहे विविध कार्यक्रम आयोजित

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी/रामपायली। रामपायली में चैत्र नवरात्र महोत्सव पर्व पर आयोजित जगत जननी मां जगदंबे के नौ दिवसीय ज्वाला रोपण अखंड ज्योति कार्यक्रम का श्री गणेश हो चुका है। घरों और मंदिरों में माता के ज्योति कलश ज्वारों की स्थापना की गई है। इस नवरात्र पर्व के अवसर पर महिला ,पुरुष और बच्चे सभी मां की आराधना में प्रातः काल से जल समर्पित करने घर से निकल पड़ते हैं और मंदिरों में जाकर माता पर जल समर्पित कर विधि विधान से पूजन पाठ नियमित किया जा रहा है। चैत्र नवरात्र महोत्सव खैरलांजी ग्राम पंचायत में स्थित गायत्री शक्तिपीठ में भी मनोकामना कलश ज्योति प्रज्वलित की गई है और निमित्त रूप से जाप साधना एवं पूजन यहां किया जा रहा है। अंतिम दिन विशेष पूजा हवन एवं ज्वाला कलश ज्योति विसर्जन महाप्रसादी का आयोजन किया गया है । गायत्री परिवार ट्रस्ट खैरलाजीं के प्रबंधक बाबूलाल मसकरे ने बताया कि अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर महाप्रसादी ग्रहण करें एवं मां का पुण्य आशीर्वाद और मां के पूजन का लाभ एवं महाप्रसाद ग्रहण करें।

झुलसती प्रकृति और बेपटरी होता मौसम

विकास की जिस अंधी और चमकदार राह पर हम आज सरपट दौड़ रहे हैं, वह दरअसल कुदरत के साथ किए गए एक बहुत बड़े विश्वासघात की कीमत पर खड़ी है। हम एक ऐसे दौर में जी रहे हैं जहाँ सफलता की ऊँचाई को कंक्रीट के मीनारों से नापा जा रहा है, लेकिन उस ऊँचाई के नीचे दबती जा रही मिट्टी और सिसकता वातावरण अब किसी की प्राथमिकता में नहीं है। समस्या केवल तापमान बढ़ने की नहीं, बल्कि उस प्राकृतिक अनुशासन के पूरी तरह ध्वस्त होने की है, जो सदियों से जीवन का आधार रहा है। आज का मनुष्य अपनी कृत्रिम सुख-सुविधाओं में इतना आत्ममुग्ध है कि उसे ऊपर तने उस थके हुए आकाश की कराह सुनाई नहीं देती, जो अब और बोझ सहने की शक्ति खो चुका है। मौसम का यह बेपटरी होता मिजाज दरअसल हमारे भीतर बढ़ते उस असीमित लालच का प्रतिबिंब है, जिसे हमने प्रगति का नाम दे रखा है। जब चैत्र की शुरुआत में ही सूरज की किरणें झुलसाने लगें, तो इसे महज भौगोलिक परिवर्तन मानकर नहीं छोड़ना चाहिए। यह प्रकृति का वह मौन लेकिन तीखा विरोध है, जो वह हमारे अनियंत्रित हस्तक्षेप के खिलाफ दर्ज कर रही है। हमने विलासिता के लिए नदियों के रास्ते बदले, पहाड़ों को छलनी किया और उन जंगलों को उजाड़ दिया जो धरती के असली फेफड़े थे। आज उसी का नतीजा है कि ऋतुओं का संतुलन पूरी तरह अस्त-व्यस्त है और हम तकनीक के तमाम दावों के बावजूद प्रकृति की इस अनिश्चितता के सामने असहाय खड़े हैं। यह अनिश्चितता केवल मौसम के मिजाज तक सीमित नहीं है, बल्कि यह हमारे भविष्य की बुनियाद को भी खोखला कर रही है। जब हम कुदरत के चक्र से छेड़छाड़ करते हैं, तो हम केवल एक मौसम नहीं खोते, बल्कि उस पूरी व्यवस्था को दांव पर लगा देते हैं जो हमें भोजन और सुरक्षा प्रदान करती है। हवाओं की बदलती दिशा और बादलों का यह अनजाना व्यवहार दरअसल उस संतुलन के बिगड़ने की गवाही है, जिसे हमने अपनी महत्वाकांक्षाओं की वेदी पर चढ़ा दिया है। हम जिस धरती को अपनी जागीर समझ बैठे हैं, वह अब अपनी सहनशक्ति की अंतिम सीमा पर खड़ी होकर हमें आगाह कर रही है। गंभीरता इस बात में है कि हमने मौसम को केवल डिजिटल आंकड़ों और सैटेलाइट तस्वीरों तक सीमित कर दिया है। हमारे पास यह जानने की तकनीक तो है कि बारिश कब होगी, लेकिन यह समझने की संवेदना खत्म हो गई है कि प्रकृति ऐसा व्यवहार क्यों कर रही है। जब किसान की साल भर की मेहनत एक रात की बेमौसम ओलावृष्टि में मिट्टी हो जाती है, तो वह केवल आर्थिक नुकसान नहीं, बल्कि उस प्राचीन भरोसे का टूटना है जो मनुष्य का प्रकृति के साथ था। आधुनिक मौसम विज्ञान चेतावनी तो दे रहा है, लेकिन समाज आत्ममुग्धता की नींद में सोया है। हम अंतरिक्ष में बस्तियां बसाने के सपने देख रहे हैं, जबकि अपनी ही धरती के बढ़ते बुखार का हमारे पास कोई ईमानदार इलाज नहीं है। सबसे बड़ा नैतिक संकट उस विरासत का है, जो हम आने वाली पीढ़ियों के लिए एक ऋण के रूप में छोड़ रहे हैं। विरासत का अर्थ केवल बैंक बैलेंस नहीं होता; असली विरासत वह शुद्ध और स्वस्थ पर्यावरण है जो संतानों का जन्मसिद्ध अधिकार है। अगर हम उन्हें ऐसी दुनिया दे रहे हैं जहाँ सूरज की रोशनी जानलेवा और नदियाँ केवल गंदे नालों का अवशेष हैं, तो हमारी तमाम प्रगति एक बड़ी ऐतिहासिक असफलता ही कहलाएगी। हम आज जो संसाधन बेरहमी से उजाड़ रहे हैं, वे उन नन्हीं आंखों की अमानत हैं जिन्हें कल इसी झुलसती धरती पर बसेरा तलाशना है। क्या हम इतने स्वार्थी हो चुके हैं कि अपनी विलासिता के लिए अपने ही बच्चों का भविष्य गिरवी रख दें?

वर्ल्ड हैप्पीनेस रिपोर्ट 2026 जारी- भारत 147 देशों में 116 वें स्थान पर है

चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होने के बावजूद खुशहाली के पैमाने पर इतना पीछे क्यों है?

खुशहाली केवल आर्थिक समृद्धि का परिणाम नहीं है, बल्कि यह सामाजिक विश्वास, स्वास्थ्य, स्वतंत्रता,उदारता और जीवन संतुलन जैसे कई कारकों का सम्मिलित परिणाम है।

सरकारों द्वारा नागरिकों को भ्रष्टाचार मुक्त प्रशासनिक पारदर्शी सेवा,उच्च सामाजिक सुरक्षा, बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं, सामाजिक असमानताओं को न्यूनतम रखना, खुशहाली का मंत्र

वैश्विक स्तरपर आज के दौर में खुशी केवल एक भावनात्मक अनुभव नहीं रही, बल्कि यह एक बहुआयामी सामाजिक-आर्थिक सूचकांक बन चुकी है,जिसे वैज्ञानिक तरीके से मापा और विश्लेषित किया जाता है। वर्ल्ड हैप्पीनेस रिपोर्ट 2026 इसी सोच का प्रतिफल है, जिसे यूनाइटेड नेशन्स के समर्थन से और यूनिवर्सिटी ऑफ ऑक्सफोर्ड के वेलबीइंग रिसर्च सेंटर द्वारा तैयार किया गया है। इस रिपोर्ट ने एक बार फिर यह स्पष्ट किया है कि खुशहाली केवल आर्थिक समृद्धि का परिणाम नहीं है, बल्कि यह सामाजिक विश्वास, स्वास्थ्य,स्वतंत्रता,उदारता और जीवन संतुलन जैसे कई कारकों का सम्मिलित परिणाम है।रिपोर्ट 2026 में एक बार फिर फिनलैंड ने लगातार नौवीं बार दुनियाँ के सबसे खुशहाल देश का स्थान प्राप्त किया है। यह उपलब्धि केवल संयोग नहीं बल्कि एक मजबूत सामाजिक संरचना, पारदर्शी शासन और उच्च जीवन स्तर का परिणाम है।डेनमार्क आइसलंड ,स्वीडेन और नॉर्वे जैसे अन्य नॉर्डिक देश भी शीर्ष दस में अपनी जगह बनाए हुए हैं। इन देशों में नागरिकों को उच्च सामाजिक सुरक्षा, बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं, शिक्षा की गुणवत्ता और प्रशासनिक पारदर्शिता प्राप्त है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि इन देशों की सफलता यह दर्शाती है कि जब सरकारें नागरिकों के जीवन स्तर को प्राथमिकता देती हैं और सामाजिक असमानताओं को न्यूनतम रखती हैं, तब खुशहाली स्वत:बढ़ती है। यहां ट्रस्ट यानें सामाजिक विश्वास एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है,लोग सरकार,संस्थाओं और एक-दूसरे पर बहुत भरोसा करते हैं।

साथियों बात अगर हम भारत की स्थिति-आर्थिक शक्ति बनाम खुशहाली का विरोधाभास को समझने की करें तो भारत की स्थिति इस रिपोर्ट में चिंताजनक बनी हुई है। 10 में से 4.536 के स्कोर के साथ भारत 147 देशों में 116वें स्थान पर है। हालांकि यह पिछले वर्ष के 118वें स्थान से थोड़ा सुधार दर्शाता है, फिर भी यह नेपाल (99) और पाकिस्तान (104) जैसे पड़ोसी देशों से पीछे है।यह स्थिति एक महत्वपूर्ण प्रश्न उठाती है,जब भारत विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है,तो खुशहाली के पैमाने पर वह इतना पीछे क्यों है? इसका उत्तर रिपोर्ट के छह प्रमुख मानकों में छिपा है-प्रति व्यक्ति आय,सामाजिक समर्थन,जीवन प्रत्याशा, स्वतंत्रता उदारता और भ्रष्टाचार की धारणा।भारत में आर्थिक विकास तो हुआ है, लेकिन इसका लाभ समान रूप से सभी वर्गों तक नहीं पहुंच पाया। बढ़ती आर्थिक असमानता, बेरोजगारी, मानसिक तनाव, और कमजोर सामाजिक सुरक्षा तंत्र खुशहाली को प्रभावित कर रहे हैं। इसके अलावा, शहरी जीवनशैली में बढ़ता अकेलापन और पारिवारिक संबंधों में दूरी भी इस गिरावट का एक बड़ा कारण है।

साथियों बात अगर हम युद्धग्रस्त देशों की बेहतर रैंकिंग-एक चौंकाने वाला सच को समझने की करें तो,इस रिपोर्ट का सबसे आश्चर्यजनक पहलू यह है कि युद्ध और संघर्ष से जूझ रहे देश भी कई मामलों में भारत से आगे हैं। इजराइल शीर्ष 10 में शामिल है, जबकि यूक्रेन और रूस की रैंकिंग भी अपेक्षाकृत बेहतर है।यह स्थिति दर्शाती है कि खुशहाली केवल बाहरी परिस्थितियों पर निर्भर नहीं करती,बल्कि यह आंतरिक सामाजिक एकजुटता, राष्ट्रीय पहचान और सामुदायिक समर्थन पर भीआधारित होती है।युद्ध के समय लोगों के बीच एकजुटता और सहयोग की भावना बढ़ जाती है,जो उनके मानसिक संतोष को बनाए रखने में मदद करती है।

साथियों बात अगर हम खुशी रेटिंग में मददगार मानदंडों को समझने की करें तो -वैज्ञानिक दृष्टिकोण से मूल्यांकन रिपोर्ट में खुशी को मापने के लिए छह प्रमुख कारकों का उपयोग किया गया है, प्रति व्यक्ति जीडीपी, सामाजिक समर्थन, स्वस्थ जीवन प्रत्याशा,जीवन के निर्णय लेने की स्वतंत्रता, उदारता और भ्रष्टाचार की धारणा।इन मानकों का विश्लेषण यह स्पष्ट करता है कि केवल आर्थिक समृद्धि पर्याप्त नहीं है। उदाहरण के लिए, उच्च जीडीपी वाले देशों में भी यदि सामाजिकअसमानता अधिक है या भ्रष्टाचार व्याप्त है,तो वहां खुशहाली का स्तर कम हो सकता है।नॉर्डिक देशों ने इन सभी मानकों में संतुलन स्थापित किया है, जबकि भारत जैसे देशों में यह संतुलन अभी विकसित हो रहा है।

साथियों बात अगर हमडिजिटल युग की चुनौती-सोशल मीडिया और मानसिक स्वास्थ्य को समझने की करें तो, रिपोर्ट 2026 का एक महत्वपूर्ण निष्कर्ष डिजिटल जीवनशैली के प्रभाव से जुड़ा है। विशेष रूप से युवाओं और बच्चों पर सोशल मीडिया के नकारात्मक प्रभाव को लेकर गंभीर चिंता व्यक्त की गई है।यूनाइटेड स्टेट्स,कनाडा ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलंड जैसे देशों में युवाओं की जीवन संतुष्टि में गिरावट दर्ज की गई है। शोध के अनुसार,जो किशोर प्रतिदिन 5 घंटे या उससे अधिक समय सोशल मीडिया पर बिताते हैं, उनमें मानसिक संतुष्टि का स्तर काफी कम पाया गया है।विशेष रूप से किशोर लड़कियां इस प्रभाव के प्रति अधिक संवेदनशील पाई गई हैं। एल्गोरिदम आधारित कंटेंट, इन्फ्लुएंसर संस्कृति और लगातार तुलना की भावना मानसिक तनाव और असंतोष को बढ़ा रही है। डिजिटल संतुलन की आवश्यकता- भविष्य की नीति दिशाइस स्थिति को देखते हुए कई देश अब सोशल मीडिया उपयोग को नियंत्रित करने के उपायों पर विचार कर रहे हैं।नाबालिगों के लिए स्क्रीन टाइम सीमित करने, डेटा एल्गोरिदम को नियंत्रित करने और डिजिटल साक्षरता बढ़ाने जैसे कदम उठाए जा रहे हैं।विशेषज्ञों का मानना है कि संतुलित डिजिटल उपयोग ही दीर्घकालिक खुशहाली का सटीक रूप से आधार बन सकता है। वास्तविक जीवन के संबंधों को मजबूत करना और ऑनलाइन दुनिया के साथ स्वस्थ संतुलन बनाए रखना आवश्यक है।

साथियों बात अगर हम अमीर होना इक्वल टू खुश होना? एक मिथक का खंडन है इसको समझने की करें तो, रिपोर्ट का एक महत्वपूर्ण संदेश यह है कि अमीर होना खुशी की गारंटी नहीं देता। कई उच्च आय वाले देशों में भी मानसिक तनाव, अकेलापन और असंतोष बढ़ रहा है। यहां भारतीय दर्शन का संतोषी सदा सुखी सिद्धांत अत्यंत प्रासंगिक हो जाता है।संतोष,सामुदायिक जीवन, पारिवारिक संबंध और आध्यात्मिकता जैसे तत्व भारत की सांस्कृतिक ताकत हैं,जो खुशहाली को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।भारत के लिए सीख- इस रिपोर्ट में दर्शी गई है नीतिगत और सामाजिक सुधार की आवश्यकता को प्राथमिकता देना होगा जिसमें आरक्षण को फिर एक बार प्रश्न चिन्ह के दायरे में ला दिया है भारत के लिए इस रिपोर्ट से कई महत्वपूर्ण सीख निकलती हैं। सबसे पहले,आर्थिक विकास के साथ-साथ सामाजिक सुरक्षा और समानता पर ध्यान देना आवश्यक है।दूसरा, मानसिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता देनी होगी। स्कूलों और कॉलेजों में काउंसलिंग सेवाएं, कार्यस्थलों पर वर्क-लाइफ बैलेंस और डिजिटल डिटॉक्स जैसे उपाय अपनाने होंगे।तीसरा,सामाजिक संबंधों को मजबूतकरना जरूरी है।परिवार और समुदाय के स्तर परसहयोग और संवाद को बढ़ावा देना होगा। चौथा, भ्रष्टाचार को कम करने और प्रशासनिक पारदर्शिता बढ़ाने से लोगों का विश्वास बढ़ेगा, जो खुशहाली का एक महत्वपूर्ण कारक है।

साथियों बात अगर हम इस रिपोर्ट कोवैश्विक निष्कर्ष- खुशहाली का भविष्य कैसा होगा? इस एंगल से समझने की करें तो वर्ल्ड हैप्पीनेस रिपोर्ट केवल एक रैंकिंग नहीं है, बल्कि यह वैश्विक समाज के लिए एक दर्पण है। यह दिखाता है कि आने वाले समय में खुशहाली के लिए केवल आर्थिक विकास पर्याप्त नहीं होगा।डिजिटल युग में मानसिक स्वास्थ्य, सामाजिक संबंध और जीवन संतुलन जैसे कारक और अधिक महत्वपूर्ण हो जाएंगे। सरकारों, संस्थाओं और व्यक्तियों को मिलकर एक ऐसा समाज बनाना होगा, जहां विकास और खुशहाली दोनों साथ-साथ चलें।

अत: अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि संतुलन ही असली खुशी का आधार है इसीलिए,यह कहा जा सकता है कि खुशहाली एक जटिल लेकिन प्राप्त करने योग्य लक्ष्य है। फिनलैंड और अन्य नॉर्डिक देशों ने यह साबित कर दिया है कि सही नीतियों और सामाजिक संरचना के माध्यम से उच्च स्तर की खुशहाली प्राप्त की जा सकती है।भारत के पास भी अपनी सांस्कृतिक और सामाजिक ताकतें हैं, जिन्हें सही दिशा में उपयोग करके वह अपनी खुशहाली को बढ़ा सकता है।आवश्यकता केवल इस बात की है कि हम आर्थिक विकास के साथ-साथ मानवीय मूल्यों, सामाजिक संबंधों और मानसिक स्वास्थ्य को भी समान महत्व दें।संतोष ही सबसे बड़ा सुख है, यह प्राचीन भारतीय विचार आज के आधुनिक वैश्विक परिदृश्य में पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक हो गया है।

-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं

(23 मार्च भगत सिंह बलिदान दिवस)

अमर बलिदानी वीर भगत सिंह को शत शत नमन

प्रत्येक वर्ष 23 मार्च को स्वतंत्रता सेनानी भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु को श्रद्धांजलि देने के लिये शहीद दिवस के रूप में मनाया जाता है।भगत सिंह का जन्म 27 सितंबर, 1907 को लायलपुर ज़िले के बंगा में हुआ था, जो अब पाकिस्तान में है। उनका पैतृक गांव खट्कड़ कलां है जो पंजाब, भारत में है। उनके जन्म के समय उनके पिता

किशन सिंह, चाचा अजित और स्वरण सिंह जेल में थे।भगत सिंह को भारतीय राष्ट्रवादी आंदोलन के सबसे प्रभावशाली क्रांतिकारियों में से एक माना जाता है। वो कई क्रन्तिकारी संगठनों के साथ मिले और उन्होंने भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन में अपना बहुत बड़ा योगदान दिया था। जिनकी शिक्षाएँ भारत के लोगों को प्रेरित करती हैं। उनकी जयंती राष्ट्रीय नायक के रूप में मनाई जाती है, जिन्होंने साहस और बलिदान के साथ ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन के विरुद्ध देश की आज़ादी के लिये अपना जीवन समर्पित कर दिया था। भगत सिंह कौन थे? जन्म भगत सिंह का जन्म 28 सितंबर, 1907 को बंगा, पंजाब, ब्रिटिश भारत (अब पाकिस्तान में) में हुआ था। वे एक सिख परिवार से थे जो उपनिवेशवाद विरोधी गतिविधियों में सक्रिय रूप से शामिल थे, उनके पिता किशन सिंह और चाचा अजीत सिंह प्रमुख स्वतंत्रता सेनानी थे। प्रारंभिक जीवन- जब वह बारह वर्ष के थे, तब उन्होंने जलियाँवाला बाग में हुए नरसंहार को देखा, जिससे उनमें देशभक्ति की भावना प्रबल हुई और उन्हें भारत की स्वतंत्रता के लिये लड़ने की प्रेरणा मिली। शिक्षा- उन्होंने लाहौर में लाला लाजपत राय द्वारा स्थापित नेशनल कॉलेज में दाखिला लिया, जिसने स्वदेशी आंदोलन को बल मिलने के साथ क्रांतिकारी विचारों के प्रसार हेतु एक मंच प्राप्त हुआ। क्रांतिकारी संगठन- भगत सिंह वर्ष 1924 में हिंदुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन के सदस्य बने, बाद में वर्ष 1928 में इसका नाम बदलकर हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन कर दिया गया। नौजवान भारत सभा की स्थापना वर्ष 1926 में भगत सिंह ने की थी, जिसका उद्देश्य स्वतंत्रता संग्राम के लिये युवाओं को संगठित करना था। प्रमुख कार्य- भगत सिंह पुलिस की बर्बरता के कारण लाला लाजपत राय की मृत्यु के प्रतिशोध के रूप में वर्ष 1928 में पुलिस अधिकारी जेपी सॉन्डर्स की हत्या (लाहौर षडयंत्र केस) में शामिल थे। उन्होंने 18 अप्रैल, 1929 को बी.के. दत्त के साथ मिलकर दमनकारी ब्रिटिश कानूनों के विरोध में केंद्रीय विधान सभा में बम फेंका। गिरफ्तारी और मुकदमा- वर्ष 1929 में उन्हें बम कांड के लिये गिरफ्तार किया गया साथ ही लाहौर षडयंत्र मामले में हत्या के आरोप मे उन पर मुकदमा चला, जिसमे उन्हें दोषी ठहराया गया तथा मृत्यु दंड की सजा सुनाई गई। 23 मार्च, 1931 को साथी क्रांतिकारी सुखदेव और राजगुरु के साथ लाहौर में उन्हें फाँसी दे दी गई। भगत सिंह को शहीद-ए-आज़म के नाम से जाना जाता है। साहित्यिक योगदान- उनकी महत्त्वपूर्ण कृतियों में मैं नास्तिक क्यों हूँ, जेल डायरी' और अन्य कृतियाँ, समाजवाद तथा क्रांति का समर्थन करने वाले कई राजनीतिक घोषणा-पत्र शामिल हैं। अपनी प्रारंभिक रचना विश्व प्रेम में भगत सिंह ने समानता के महत्त्व पर जोर दिया। उन्होंने भूख और युद्ध से मुक्त एक ऐसे विश्व की परिकल्पना की, जो मानव जाति और राष्ट्रीयता की सीमाओं से परे हो। विचारधाराएँ- उन्होंने मार्क्सवादी और समाजवादी विचारधाराओं का समर्थन किया, तर्कवाद, समानता और न्याय पर ?ेर दिया। संगठित धर्म, जिसे मानसिक एवं शारीरिक गुलामी के रूप में देखा जाता था, की आलोचना की। विरासत- भारत के स्वतंत्रता संग्राम में उनके योगदान को याद करने के लिये प्रत्येक वर्ष उनके जन्मदिन और उनकी फाँसी के दिन को याद किया जाता है। उन्हें एक राष्ट्रीय नायक और शहीद के रूप में जाना जाता है। उन्हें 1906 में लागू किये हुए औपनिवेशीकरण विधेयक के खिलाफ प्रदर्शन करने के जुल्म में जेल में डाल दिया गया था। उनकी माता का नाम विद्यावती था। भगत सिंह का परिवार एक आर्य-समाजी सिख परिवार था। भगत सिंह करतार सिंह सराभा और लाला लाजपत राय से अत्याधिक प्रभावित रहे।

उनके एक चाचा, सरदार अजित सिंह ने भारतीय देशभक्त संघ की स्थापना की थी। उनके एक मित्र सैयद हैदर रजा ने उनका अच्छा समर्थन किया और चिनाब नहर कॉलोनी बिल के खिलाफ किसानों को आयोजित किया। अजित सिंह के खिलाफ 22 मामले दर्ज हो चुके थे जिसके कारण वो ईरान पलायन के लिए मजबूर हो गए। उनके परिवार ग़दर पार्टी के समर्थक थे और इसी कारण से बचपन से ही भगत सिंह के दिल में देश भक्ति की भावना उत्पन्न हो गयी।

भगत सिंह ने अपनी 5वीं तक की पढाई गांव में की और उसके बाद उनके पिता किशन सिंह ने दयानंद एंग्लो वैदिक हाई स्कूल, लाहौर में उनका दाखिला करवाया। बहुत ही छोटी उम्र में भगत सिंह, महात्मा गांधी जी के असहयोग आन्दोलन से जुड़ गए और बहुत ही बहादुरी से उन्होंने ब्रिटिश सेना को ललकारा।जलियांवाला कांड ने डाला भगत के बाल मन पर प्रभाव डाला.13 अप्रैल 1919 को जलियांवाला बाग हत्याकांड ने भगत सिंह के बाल मन पर बड़ा गहरा प्रभाव डाला। उनका मन इस अमानवीय कृत्य को देख देश को स्वतंत्र करवाने की सोचने लगा। भगत सिंह ने चंद्रशेखर आज़ाद के साथ मिलकर क्रांतिकारी संगठन तैयार किया।

लाहौर षड़यंत्र मामले में भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरू को फांसी की सज़ा सुनाई गई और बटुकेश्वर दत्त को आजीवन कारावास दिया गया। भगत सिंह को 23 मार्च, 1931 की शाम सात बजे सुखदेव और राजगुरू के साथ फांसी पर लटका दिया गया। तीनों ने हंसते-हँसते देश के लिए अपना जीवन बलिदान कर दियाभगत सिंह जी की मृत्यु 23 वर्ष की आयु में हुई जब उन्हें ब्रिटिश सरकार ने फांसी पर चढ़ा दिया।ऐसे वीर शहीद को शत शत नमन!

-संजय गोस्वामी

धर्मक्रांति का विलक्षण प्रयोग है योगक्षेम वर्ष

आज का युग विज्ञान, तकनीक और भौतिक प्रगति का युग माना जाता है, लेकिन इसी के साथ यह युग तनाव, असंतोष, हिंसा, युद्ध और मानसिक अशांति का भी युग बन गया है। मनुष्य ने बाहर की दुनिया को जीत लिया, लेकिन अपने भीतर की दुनिया को जीत नहीं पाया। उसने साधन बना लिये, लेकिन साधना भूल गया; उसने सुविधा पा ली, लेकिन शांति खो दी। ऐसे समय में यदि कोई आध्यात्मिक आंदोलन मनुष्य को अपने भीतर की ओर लौटने का मार्ग दिखाता है, तो वह केवल धार्मिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि धर्म क्रांति का आधार बन जाता है। इसी संदर्भ में जैन धर्म एवं दर्शन की तप, त्याग, साधना और अहिंसा की महान परंपरा में एवं महान् संत आचार्य श्री महाश्रमण के सान्निध्य में मनाया जा रहा योगक्षेम वर्ष वास्तव में धर्म क्रांति के नए अध्याय का आधार बनता दिखाई देता है। भारत की धरती पर यह एक ऐसा वर्ष मनाया जा रहा है, जो न संयुक्तराष्ट्र संघ द्वारा घोषित है न किसी राजनीतिक संगठन द्वारा प्रेरित है और न किसी महान पुरुष की स्मृति से जुड़ा हुआ है, इस वर्ष को मनाने का उद्देश्य है सर्वांगीण व्यक्तित्व-निर्माण।

मेरी दो दिन की लाडनूं यात्रा एवं योगक्षेम वर्ष में सहभागिता का सार है कि योगक्षेम वर्ष एक बार फिर धर्मसंघ के अभ्युदय का स्वर्णिम अवसर बन रहा है। जिसका उद्देश्य है अप्राप्त की प्राप्ति एवं प्राप्त का संरक्षण। यह अवसर दृष्टि एवं सोच में बदलाव का माध्यम होगा। जो ज्ञान, दर्शन और चारित्र की साधना में गति प्रदान करेगा। अनेक नवीन एवं पुरातन विषयों का तलस्पर्शी ज्ञान, जिससे वक्तृत्व में गंभीरता आएगी। आधुनिक दुनिया में धर्म को विशेषत: जैन धर्म को युगानुरूप प्रस्तुति देने का यह माध्यम बनेगा। योगक्षेम वर्ष के साथ विकास के तीन अर्थ हैं- आगे बढ़ना, रूकना और पीछे मुड़कर देखना। आगे बढ़ना यानी दुनिया के नवीनतम धर्म दर्शनों को आत्मसात करना। रूकना यानी अपनी विरासत को खगोलना। पीछे मुड़कर देखना यानी अपनी परम्परा और दर्शन को जीवंत करना। निश्चित तौर पर जैन धर्म के महान तपस्वी, अनुशासनप्रिय, दूरदर्शी और तेजस्वी आचार्य महाश्रमण के सान्निध्य में आध्यात्मिकता और आधुनिकता का अद्भुत संगम बनी जैन विश्व भारती में आज एक नया आध्यात्मिक इतिहास रचा जा रहा है, आध्यात्मिक प्रशिक्षण की एक नई परंपरा विकसित की जा रही है। यह वास्तव में जैन धर्म का एक अनूठा और संभवत: पहला ऐसा व्यापक प्रयोग है, जिसमें वर्षभर तक साधु-साध्वियों के साथ-साथ श्रावक समाज को भी गहन एवं व्यवस्थित रूप से जैन एवं तेरापंथ दर्शन, अध्यात्म, योग, ध्यान, स्वाध्याय, संयम और जीवन मूल्यों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

जैन, बौद्ध और वैदिक तीनों ही परंपराओं में योगक्षेम शब्द प्रयुक्त हुआ है। यह विशेष अर्थवत्ता का संवाहक है। तेरापंथ धर्मसंघ ने इसे नया संदर्भ दिया है। प्रज्ञा या अन्तर्दृष्टि के जागरण से अनुबंधित किया है। योगक्षेम वर्ष का अर्थ भी अत्यंत गहरा और व्यापक है। योग का अर्थ केवल योगासन या शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि आत्मसंयम, ध्यान, साधना, तप, स्वाध्याय, अनुशासन और आत्मजागरण है। क्षेम का अर्थ है आत्मकल्याण, मानसिक शांति, संतुलन, सुरक्षा और आध्यात्मिक उन्नति। इस प्रकार योगक्षेम वर्ष का उद्देश्य है-व्यक्ति के भीतर योग अर्थात् आत्मसंयम और साधना का विकास हो तथा उसके जीवन में क्षेम अर्थात् शांति, संतोष और आध्यात्मिक कल्याण स्थापित हो। जब व्यक्ति का जीवन संतुलित और शांत होगा, तभी समाज में शांति आएगी और जब समाज शांत होगा, तभी विश्व में शांति संभव होगी। आचार्य तुलसी के समय में भी साधना, योग और आध्यात्मिक जागरण से जुड़े इस योगक्षेम वर्ष की विशेष आयोजना हुई थी। उस समय के प्रयोगों की सफलता और सार्थकता को देखते हुए अब उसी परंपरा को नए स्वरूप में पुन: प्रारंभ किया गया है। यह परंपरा और नवाचार का सुंदर समन्वय है, जहाँ पुरानी साधना परंपरा आधुनिक धर्म-समाज की आवश्यकताओं के अनुसार नए रूप में सामने आ रही है। यही जीवंत धर्म की पहचान है कि वह समय के साथ अपने स्वरूप को समाज के हित में विकसित करता रहे।

आज विश्व जिस दौर से गुजर रहा है, वह अत्यंत चिंताजनक है। दुनिया के अनेक हिस्सों में युद्ध, आतंकवाद, हिंसा, असहिष्णुता, मानसिक तनाव, अवसाद, पारिवारिक विघटन और पर्यावरण संकट जैसी समस्याएँ बढ़ती जा रही हैं। विज्ञान और तकनीक इन समस्याओं का पूर्ण समाधान नहीं दे सकते, क्योंकि ये समस्याएँ बाहरी नहीं, बल्कि मनुष्य के मन से जुड़ी हुई हैं। जब तक मनुष्य के भीतर शांति नहीं होगी, तब तक बाहर शांति संभव नहीं है। इसलिए आज दुनिया को हथियारों से ज्यादा ध्यान की जरूरत है, प्रतिस्पर्धा से ज्यादा करुणा की जरूरत है, और भौतिकता से ज्यादा आध्यात्मिकता की जरूरत है। योगक्षेम वर्ष इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो मनुष्य को अपने भीतर की यात्रा करने के लिए प्रेरित करता है। योगक्षेम वर्ष के माध्यम से संदेश दिया जा रहा है कि धर्म केवल सुनने की चीज नहीं, बल्कि जीवन में धारण करने एवं जीवन को बदलने की चीज है; धर्म केवल मानने की चीज नहीं, बल्कि जीने की चीज है। यदि व्यक्ति अपने जीवन में थोड़ा संयम, थोड़ा ध्यान, थोड़ा स्वाध्याय, थोड़ा त्याग और थोड़ा प्रेम जोड़ ले, तो उसका जीवन स्वयं बदल सकता है। यही छोटा परिवर्तन आगे चलकर समाज में बड़ा परिवर्तन ला सकता है। इसलिए योगक्षेम वर्ष वास्तव में व्यक्ति परिवर्तन से समाज परिवर्तन और समाज परिवर्तन से राष्ट्र एवं विश्व परिवर्तन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

योगक्षेम वर्ष के कार्यक्रमों को 'प्रज्ञापर्व' नाम से अभिहित किया गया क्योंकि प्रज्ञा का जागरण इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य था। 'पण्णा समिक्खए' इस आगम सूक्त को प्रतीक के रूप में रखा गया। इस विलक्षण प्रयोग एवं प्रशिक्षण के पीछे पूज्य आचार्य श्री महाश्रमण का लक्ष्य या संकल्प है-'चतुर्विध धर्मसंघ के व्यक्तित्व का निर्माण करना, उनकी बौद्धिक क्षमता को बढ़ाना, भावनात्मक विकास करना, स्वभाव-परिवर्तन की कला सिखाना और प्रायोगिक जीवन जीना सिखाना, एक वाक्य में कहा जाए तो आध्यात्मिक वैज्ञानिक व्यक्तित्व का निर्माण करना।' पूरे वर्ष प्रशिक्षणार्थी को अनेक विषयों के ज्ञान के साथ योगासन, ध्यान, कायोत्सर्ग, जप, अनुप्रेक्षा, मंत्र साधना आदि के प्रयोग भी कराए जा रहे हैं। यदि मनुष्य अहिंसा को अपनाए, तो युद्ध समाप्त हो सकते हैं; यदि अनेकांत को अपनाए, तो विवाद समाप्त हो सकते हैं; यदि अपरिग्रह को अपनाए, तो आर्थिक और पर्यावरण संकट कम हो सकते हैं। इस प्रकार जैन धर्म का दर्शन केवल धार्मिक दर्शन नहीं, बल्कि विश्व शांति का दर्शन है, और योगक्षेम वर्ष उसी दर्शन को व्यवहार में उतारने का प्रयास है।

आचार्य श्री महाश्रमण की दूरदर्शी सोच, उनका अनुशासन, उनका साधना-प्रधान जीवन और समाज को आध्यात्मिक दिशा देने का उनका प्रयास वास्तव में अद्वितीय है। उन्होंने धर्म को केवल परंपरा तक सीमित नहीं रखा, बल्कि उसे जीवन और समाज से जोड़ा। समय को बांधने की अद्भुत खूबी है उनमें। कम समय में अधिक काम। वह भी इतनी सहजता और निर्भरता से सम्पादित कर लेने की सामर्थ्य, उनकी कार्य व्यस्तता कभी व्यग्रता में नहीं बदलती। यह सब इसीलिए हो सकता है कि उनकी प्रत्येक प्रवृत्ति निवृत्ति से निथर कर आती है। उनकी क्रियाशीलता आंतरिक स्थिरता स्थितप्रज्ञता से अभिनि:सृत होती है। उन्होंने साधना को केवल साधु-साध्वियों तक सीमित नहीं रखा, बल्कि श्रावक समाज तक पहुँचाने का प्रयास किया। योगक्षेम वर्ष उसी दूरदृष्टि और आध्यात्मिक सोच का परिणाम है, जो आने वाले समय में जैन धर्म ही नहीं, बल्कि पूरे समाज के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण सिद्ध हो सकता है। वास्तव में योगक्षेम वर्ष को जैन धर्म के इतिहास में एक स्वर्णिम दौर की शुरुआत के रूप में देखा जा सकता है। यह वर्ष साधना का वर्ष है, आत्मजागरण का वर्ष है, संयम का वर्ष है, चरित्र निर्माण का वर्ष है, और सबसे बढ़कर यह धर्म क्रांति का वर्ष है। यदि इस वर्ष का संदेश जन-जन तक पहुँचे, लोग योग, ध्यान, संयम, अहिंसा, शांति और प्रेम को अपने जीवन में अपनाएँ, तो समाज में एक नया परिवर्तन आ सकता है। तब धर्म केवल मंदिरों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में दिखाई देगा।

साररूप में यही कहा जा सकता है कि योगक्षेम वर्ष केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि एक विचार है; केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि एक आंदोलन है; केवल एक वर्ष नहीं, बल्कि एक युग परिवर्तन की शुरुआत है। यह वास्तव में धर्म क्रांति के नए अध्याय का आधार है, जो मनुष्य को बाहर से भीतर की यात्रा की ओर ले जाने का प्रयास कर रहा है। आचार्य श्री महाश्रमण एवं साध्वीप्रमुखा विश्रुतविभा के संचेतन पुरुषार्थ की सार्थकता इसी में है कि इनके मार्गदर्शन में हम प्रगति की महती मंजिलें तय करते हुए चैतन्य जागरण के नये आयाम में प्रवेश करें। यदि यह प्रयास सफल होता है, तो निश्चित रूप से आने वाला समय आध्यात्मिक जागरण, अहिंसा, शांति और प्रेम का समय होगा, और यही इस योगक्षेम वर्ष की सबसे बड़ी सार्थकता और सफलता होगी।

-ललित गर्ग

पश्चिम एशिया संघर्ष, रुपये में गिरावट से भारत में खाद्य तेल-तिलहन बाजार में तेजी

नई दिल्ली। एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और डॉलर के मुकाबले रुपये की गिरावट ने भारत के खाद्य तेल-तिलहन बाजार में तेजी ला दी है। बीते सप्ताह सरसों, सोयाबीन, मूंगफली, बिनौला और पाम तेल की कीमतों में मजबूती देखने को मिली। बाजार जानकारों का कहना है कि वैश्विक आपूर्ति में बाधा, महंगी आयात लागत और घरेलू आवक में कमी ने कीमतों को प्रभावित किया है। युद्ध से पहले सोयाबीन डीगम तेल की कीमत लगभग 1,200 डॉलर प्रति टन थी, जो अब 1,325-1,330 डालर प्रति टन तक पहुंच गई है। डॉलर के मुकाबले रुपये के 93.53 प्रति डॉलर तक गिरने से आयात महंगा हुआ। अर्जेंटीना से माल का भाड़ा युद्ध से पहले 70-75 डॉलर प्रति टन था, अब लगभग 140 डॉलर प्रति टन हो गया। साथ ही बीमा लागत भी बढ़ी, जिससे कुल आयात और महंगा हुआ। बीते सप्ताह सरसों की आवक 14 लाख बोरी से घटकर लगभग 10 लाख बोरी रह गई। किसान न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) से भी अधिक मूल्य पा रहे हैं, इसलिए माल रोक-रोक कर बेच रहे हैं। इसने घरेलू बाजार में कीमतों को और बढ़ावा दिया। सूत्रों ने बताया कि बीते सप्ताह सरसों दाना 250 रुपये के सुधार के साथ 6,950-6,975 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। दादरी मंडी में बिकने वाला सरसों तेल 700 रुपये के सुधार के साथ 14,600 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमश- 80-80 रुपये के सुधार के साथ क्रमश- 2,430-2,530 रुपये और 2,430-2,575 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाने और सोयाबीन लूज के थोक भाव क्रमश- 50-150 रुपये की तेजी के साथ क्रमश- 5,700-5,750 रुपये और 5,300-5,450 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुए। इसी प्रकार, दिल्ली में सोयाबीन तेल 750 रुपये के सुधार के साथ 16,300 रुपये प्रति क्विंटल, इंदौर में सोयाबीन तेल 800 रुपये के सुधार के साथ 15,700 रुपये और सोयाबीन डीगम तेल का दाम 1,250 रुपये के सुधार के साथ 13,200 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।मूंगफली तिलहन का दाम भी 250 रुपये के सुधार के साथ 7,250-7,725 रुपये क्विंटल, मूंगफली तेल गुजरात 650 रुपये के सुधार के साथ 17,550 रुपये क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल 90 रुपये के सुधार के साथ 2,770-3,070 रुपये प्रति टिन पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में कारोबारी धारणा में आम मजबूती के रुख के अनुरूप, सीपीओ तेल का दाम 550 रुपये के उछाल के साथ 13,600 रुपये प्रति क्विंटल, पामोलीन दिल्ली का भाव 650 रुपये के उछाल के साथ 15,400 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल का भाव भी 650 रुपये की बढ़ोतरी के साथ 14,350 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। तेजी के आम रुख के अनुरूप, बिनौला तेल का दाम 650 रुपये की मजबूती दर्शाता 14,700 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

एआईडीए की 20 फीसदी से अधिक एथनॉल मिश्रण आपूर्ति की पेशकश

नई दिल्ली। एजेंसी। ऑल इंडिया डिस्टिलर्स एसोसिएशन (एआईडीए) ने भारत सरकार को पत्र लिखकर पेट्रोल में 20 प्रतिशत से अधिक एथनॉल (ई20 से ऊपर) मिलाने की अपनी आपूर्ति की पेशकश की है। संघ का मानना है कि इससे देश की कच्चे तेल पर निर्भरता कम होगी और तेल की बढ़ती कीमतों से उत्पन्न आर्थिक दबाव को कम किया जा सकेगा। एआईडकि की एक वरिष्ट अधिकारी ने पत्र में बताया कि भारत ने अपना ई 20 एथनॉल मिश्रण लक्ष्य 2025 से पहले ही पूरा कर लिया है। यह लक्ष्य प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार द्वारा तय किया गया था, ताकि ईंधन आयात बिल घटाया जा सके और वातावरण में उत्सर्जन कम किया जा सके। संघ ने सरकार से आग्रह किया है कि एथनॉल मिश्रण की जरूरत को धीरे-धीरे 20 से 30 प्रतिशत तक बढ़ाया जाए। इससे देश के पेट्रोल पर निर्भरता और आर्थिक दबाव दोनों में कमी आएगी। एआईडीए ने यह भी कहा कि भारत ब्राजील की तरह फ्लेक्स-ईंधन वाहन लाने पर विचार करे। साथ ही घरेलू और वाणिज्यिक उपयोग के लिए एथनॉल आधारित कुकिंग स्टोव को बढ़ावा दिया जाए और डीजल में एथनॉल मिश्रण के विकल्प तलाशे जाएं।

श्री राम नवमी समेत इस हफ्ते 4 दिन बैंक रहेंगे बंद

नई दिल्ली। एजेंसी। इस सप्ताह बैंक सेवाओं में छुट्टियों का असर देखने को मिलेगा। श्री राम नवमी जैसे त्योहारों के कारण कई शहरों में बैंक बंद रहेंगे। साथ ही शनिवार और रविवार भी होने से कुल 4 दिन बैंकिंग सेवाएं प्रभावित होंगी। 26 मार्च गुरुवार को श्री राम नवमी पर अहमदाबाद, बेलापुर, चंडीगढ़, देहरादून, जयपुर, कानपुर, कोलकाता, लखनऊ, मुंबई, नागपुर, रांची, शिमला में बैंक बंद। 27 मार्च शुक्रवार राम नवमी (चैते दशैन) ङ्क भोपाल, भुवनेश्वर, गंगटोक, हैदराबाद, पटना, विजयवाड़ा में बैंक बंद। 28-29 मार्च को चौथा शनिवार और साप्ताहिक रविवार अवकाश। 31 मार्च को महावीर जयंती के अवसर पर बैंक बंद रहेंगे। 1 अप्रैल को कुछ शाखाओं में कामकाज नहीं होगा। 3 अप्रैल शुक्रवार को गुड फ्राइडे पर अहमदाबाद, बेंगलुरू, भोपाल, चेन्नई, कोलकाता, लखनऊ, मुंबई सहित कई शहरों में बैंक बंद रहेंगे 14 अप्रैल को बाबा साहेब अंबेडकर जयंती, तमिल न्यू ईयर और बैसाखी के कारण कई शहरों में छुट्टी रहेगी।

बीजिंग-दिल्ली सीधी उड़ानें फिर शुरू, भारत-चीन संबंधों में सुधार की उम्मीद

मुंबई। एजेंसी। एयर चाइना ने बीजिंग और दिल्ली के बीच सीधी उड़ान सेवा फिर से शुरू कर दी है। कोविड-19 महामारी और 2020 के गलवान वेली संघर्ष के बाद ये उड़ानें बंद थीं। इसके साथ ही इंडिगो ने भी अपनी सेवाएं बहाल करने की घोषणा की थी। चीन के दूतावास ने कहा कि यह कदम केवल यात्रा तक सीमित नहीं है। इससे दोनों देशों के बीच व्यापार, पर्यटन और आपसी भरोसा बढ़ेगा। साथ ही, संघई कारपोरेशन आरगनाइजेशन और ब्रिक्स जैसे अंतरराष्ट्रीय मंचों पर सहयोग को भी मजबूती मिलेगी। 2020 के झगड़े के बाद भारत-चीन संबंध तनावपूर्ण बने रहे। 2024 में सीमा पर गश्त को लेकर समझौता हुआ, जिससे हालात धीरे-धीरे सुधरने लगे। 2025 में उड़ानों की बहाली शुरू हुई और अब दोनों देशों के बीच लोगों का आना-जाना फिर से बढ़ेगा।

भारतीय शेयर बाजार पर पश्चिम एशिया संकट का असर जारी रहेगा

मुंबई। एजेंसी। बीते सप्ताह मामूली बदलाव के बाद आने वाले सप्ताह में भारतीय शेयर बाजार पर वैश्विक कारकों का दबाव जारी रहने की संभावना है। निवेशक पश्चिम एशिया संकट और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों पर नजर रखेंगे। इसके अलावा, घरेलू अर्थव्यवस्था पर इन घटनाओं के प्रभाव का भी आंकलन किया जा रहा है। पश्चिम एशिया में ईरान और इजरायल के बीच तनाव बढ़ा हुआ है। निवेशक इस युद्ध और उससे जुड़े जोखिमों को लेकर सतर्क रहेंगे। ऐसे समय में शेयर बाजार में रिस्क-ऑफ माहौल पैदा होता है, जिससे बिकवाली का दबाव बढ़ सकता है। युद्ध और आपूर्ति बाधाओं के कारण कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि हुई है। इससे न सिर्फ महंगाई पर असर पड़ेगा, बल्कि तेल पर निर्भर कंपनियों के लाभ मार्जिन पर भी दबाव बन सकता है।

निवेशक इन बदलावों को ध्यान में रखते हुए अपनी रणनीति बदल सकते हैं। फरवरी में आठ प्रमुख उद्योगों का उत्पादन धीमा रहा, जो पहले से ही चिंताजनक संकेत है। धीमी उत्पादन दर घरेलू मांग और आर्थिक गतिविधियों पर असर डाल सकती है। निवेशक इसे बाजार की धारणा और शेयरों की कीमतों पर नकारात्मक प्रभाव वाला मान रहे हैं। पिछले सप्ताह की मामूली गिरावट के बाद इस सप्ताह बाजार में धिक उतार-चढ़ाव की संभावना है। निवेशक जोखिम कम करने के लिए सतर्क कदम रखेंगे। भारतीय शेयर बाजार पर भू-राजनीतिक तनाव और तेल की बढ़ती कीमतों का प्रमुख असर रहेगा। निवेशक सतर्क रहेंगे और संभावित उतार-चढ़ाव के हिसाब से रणनीति अपनाएंगे। विशेष ध्यान उन सेक्टर्स पर रहेगा, जिनका तेल की कीमतों और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला पर अधिक असर पड़ता है।

एलएनजी आपूर्ति बाधित, देश के यूरिया संयंत्र आधी क्षमता पर परिचालन

नई दिल्ली। एजेंसी। पश्चिम एशिया संकट के बीच, पेट्रोनेट एलएनजी लिमिटेड ने अपने टर्मिनल पर अपरिहार्य स्थिति घोषित की है। आपूर्तिकर्ताओं ने जलडमरूमध्य में व्यवधान के कारण अनुबंधित मात्रा में गैस की आपूर्ति नहीं कर पाने की जानकारी दी। यह कदम सरकारी गैस वितरक कंपनियों गेल (इंडिया) लिमिटेड, इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन और भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड को आपूर्ति घटाने के लिए मजबूर कर रहा है। उद्योग सूत्रों के अनुसार, गैस आपूर्ति को सामान्य स्तर से घटाकर 60-65 प्रतिशत तक कर दिया गया है। कुछ संयंत्रों में यह 50 प्रतिशत से भी नीचे है। इसका प्रत्यक्ष असर यूरिया उत्पादन पर पड़ा है, जिससे कई संयंत्रों में उत्पादन लगभग आधा रह गया है। संयंत्रों की बड़ी अमोनिया-यूरिया ट्रेनें अचानक उत्पादन घटाने या बढ़ाने के लिए डिज़ाइन नहीं की गई हैं। कम लोड पर चलने के कारण ऊर्जा दक्षता में गिरावट आई और ऊर्जा की खपत 40 प्रतिशत तक बढ़ गई। इससे संयंत्रों को उत्पादन कम करने के बावजूद अधिक लागत का सामना करना पड़ रहा है। परिचालन में समन्वय टूटने के कारण स्थिति और जटिल हो गई है। विश्लेषकों का कहना है कि भारत दुनिया के सबसे बड़े यूरिया उपभोक्ताओं में से एक है। घरेलू कमी आने वाले खरीफ बुवाई सत्र से पहले उर्वरक की उपलब्धता पर असर डाल सकती है। हालांकि, 19 मार्च तक देश का कुल यूरिया भंडार 61.14 लाख टन था, जो पिछले साल इसी अवधि के 55.22 लाख टन से अधिक है।

1 अप्रैल से लागू होगा नए आयकर अधिनियम

नए टैक्स सिस्टम को ज्यादा सरल, पारदर्शी और विवाद-मुक्त बनाया जाएगा

नई दिल्ली। एजेंसी। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने आयकर नियम, 2026 को अधिसूचित किया है, जो नए आयकर अधिनियम 2025 के तहत 1 अप्रैल 2026 से लागू होगा। यह नया कानून 64 साल पुराने आयकर अधिनियम 1961 की जगह लेगा। केंद्र सरकार का कहना है कि इससे टैक्स सिस्टम को ज्यादा सरल, पारदर्शी और विवाद-मुक्त बनाया जाएगा। हालांकि टैक्स दरों या स्लैब में कोई बदलाव नहीं हुआ है, लेकिन नियमों में कई अहम बदलाव किए गए हैं, जिनका असर नौकरीपेशा लोगों, निवेशकों और व्यवसायियों पर पड़ेगा। देशव्यापी जागरूकता अभियान प्रारंभ 2026 के लांच के दौरान वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि यह नया टैक्स ढांचा छोटे करदाताओं के लिए अनुपालन को काफी आसान और मुकदमेबाजी को कम करने में मदद करेगा। उन्होंने कहा कि भारत के छोटे कारोबारी और पेशेवर अर्थव्यवस्था की असली ताकत हैं। वित्त मंत्री ने बताया कि नया कानून इस तरह तैयार किया गया है कि इससे त्रुटियां, विवाद और अनुपालन लागत कम हो और लोगों का व्यवहार कन्फ्यूजन से कंप्लायंस की ओर बदले। उन्होंने कहा कि मुकदमेबाजी को कम करना इस नए ढांचे का प्रमुख उद्देश्य होना चाहिए। नए अधिसूचित नियमों में सैलरी पर टैक्स, अनुपालन रिपोर्टिंग, ट्रांसफर प्राइसिंग और विदेशी टैक्स क्रेडिट से जुड़े कई बदलाव शामिल हैं। नए नियमों के तहत अब फाइनेंशियल और असेसमेंट ईयर की जगह सिर्फ एक ही टैक्स ईयर होगा। इससे टैक्स भरने की प्रक्रिया आसान और लोगों को अलग-अलग टर्म समझने की जरूरत नहीं पड़ेगी। साथ ही रिटर्न फाइल करने की समयसीमा भी तय की गई है, जिसमें साधारण आईटीआर के लिए 31 जुलाई, बिजनेस और प्रोफेशन वालों के लिए 31 अगस्त, जबकि ऑडिट वाले मामलों में 31 अक्टूबर तक रिटर्न भरना होगा। खास परिस्थितियों में यह समयसीमा 30 नवंबर तक बढ़ सकती है। इसके अलावा अब टैक्स ईयर खत्म होने के 12 महीने तक संशोधित रिटर्न फाइल हो सकता है। हाउस रेंट अलाउंस (एचआरए) को लेकर नए नियम लागू हुए हैं। अब कर्मचारियों को छूट पाने के लिए मकान मालिक और किरायेदार के संबंध की जानकारी देना होगा।

मेष- आज का दिन आपके लिए परोपकार और सेवा के कार्यों से जुड़कर सम्मान और पहचान दिलाने वाला रहेगा। आप कुछ नया और अलग करने की सोच में लगे रहेंगे और साथ ही अपने पुराने अधूरे कामों को भी पूरा करने का प्रयास करेंगे। संतान की संगति पर विशेष ध्यान देना जरूरी होगा, क्योंकि सही मार्गदर्शन इस समय उनके भविष्य को मजबूत बना सकता है।

वृषभ- आज का दिन आपके लिए अचानक लाभ के अवसर लेकर आ सकता है। यदि किसी बात को लेकर विवाद चल रहा था, तो उसे बातचीत और समझदारी से सुलझाने का प्रयास करें। आपका थोड़ा मनमौजी स्वभाव कभी-कभी कामों में गड़बड़ी भी कर सकता है, इसलिए ध्यान से निर्णय लें। यदि आप किसी यात्रा पर जाने की योजना बना रहे हैं, तो परिवार के सदस्यों को साथ लेकर जाना आपके रिश्तों को और मजबूत करेगा।

मिथुन- आज का दिन आपके लिए सामान्य रहेगा, लेकिन कुछ मामलों में सावधानी बरतनी जरूरी होगी। व्यापार करने वाले लोगों को किसी बड़े या प्रभावशाली व्यक्ति से मिलने का मौका मिल सकता है, जिससे भविष्य में लाभ के रास्ते खुल सकते हैं। आपकी कोई पुरानी गलती सामने आ सकती है, इसलिए सतर्क रहें। धन के लेन-देन में बिना सोचे-समझे कदम न उठाएं, वरना पैसा फंस सकता है।

कर्क- आज का दिन आपके लिए मिला-जुला परिणाम देने वाला रहेगा। यदि कोई व्यापारिक डील लंबे समय से रुकी हुई थी, तो उसके फाइनल होने की संभावना बन रही है। डिजाइनिंग या क्रिएटिव क्षेत्र से जुड़े लोगों को अच्छा अवसर मिल सकता है। आप अपने व्यापार को बेहतर तरीके से संभालने में लगे रहेंगे। हालांकि पिताजी से किसी बात को लेकर हल्की नोकझोंक हो सकती है, इसलिए अपनी वाणी और व्यवहार में मधुरता बनाए रखें।

सिंह- आज आपकी नेतृत्व क्षमता और प्रभाव में वृद्धि देखने को मिलेगी। संतान को नौकरी से जुड़े किसी काम के लिए घर से बाहर जाना पड़ सकता है। भाई-बहनों का सहयोग आपके लिए मजबूती का कारण बनेगा। यदि आप किसी यात्रा पर जाएं तो वाहन का प्रयोग सावधानी से करें। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत को देखते हुए आपको सम्मान या पुरस्कार भी मिल सकता है।

कन्या- आज का दिन आपके लिए व्यस्तता से भरा रहने वाला है। छोटी-छोटी बातों में उलझने से बचें और अपनी ऊर्जा को सही दिशा में लगाएं। सेहत को लेकर लापरवाही बिल्कुल न करें। जो लोग सिंगल हैं, उनकी अपने मनपसंद साथी से मुलाकात हो सकती है। परिवार में कुछ पुरानी समस्याएं फिर से सामने आ सकती हैं, लेकिन मिलजुलकर काम करने से समाधान भी निकल आएगा।

तुला- आज का दिन आपके लिए मिला-जुला रहेगा। दिन की शुरुआत थोड़ी कमजोर हो सकती है, लेकिन धीरे-धीरे स्थितियां बेहतर होंगी। पारिवारिक मामलों को मिल बैठकर सुलझाना ही आपके लिए बेहतर रहेगा। किसी से बातचीत करते समय शब्दों का चयन सोच-समझकर करें। घर में किसी अतिथि का आगमन हो सकता है, जिससे माहौल खुशनुमा रहेगा।

वृश्चिक- आज का दिन आपके लिए थोड़ा चुनौतीपूर्ण हो सकता है, इसलिए हर काम सोच-समझकर करें। छोटी-छोटी बातों पर क्रोध करने से बचें। आपको किसी जरूरतमंद व्यक्ति की मदद करने का अवसर मिल सकता है, जिससे मन को संतोष मिलेगा। यात्रा या घूमने-फिरने के दौरान कोई महत्वपूर्ण जानकारी भी मिल सकती है। माता-पिता के आशीर्वाद से आपका कोई रुका हुआ कार्य पूरा होने की संभावना है।

धनु- आज का दिन आपके लिए कुछ खास करने की प्रेरणा लेकर आएगा। आप किसी लंबी दूरी की यात्रा की योजना बना सकते हैं। कार्यक्षेत्र में आपको नए अनुभवों से सीखने का मौका मिलेगा। पढ़ाई और आध्यात्म के प्रति आपकी रुचि बढ़ेगी। पारिवारिक मामलों को मिलजुलकर सुलझाने का प्रयास करें। विद्यार्थियों को पढ़ाई में लापरवाही से बचना होगा।

मकर- आज का दिन आपको अपने खर्चों पर नियंत्रण रखने की सलाह देता है। किसी भी काम में जल्दबाजी से बचें और सोच-समझकर निर्णय लें। माता-पिता के आशीर्वाद से आपका कोई रुका हुआ काम पूरा हो सकता है। कुछ नए विरोधी सामने आ सकते हैं, इसलिए सतर्क रहें। किसी अजनबी पर जल्दी भरोसा न करें। यदि आप काम के लिए लोन लेना चाहते थे तो उसमें सफलता मिल सकती है।

कुंभ- आज का दिन आपके लिए मिला-जुला परिणाम देने वाला रहेगा। आपको अपने कामों को लेकर कई नए और अच्छे आइडिया आएंगे, जिन्हें आप अपने व्यवसाय में लागू कर सकते हैं। यदि सेहत से जुड़ी कोई समस्या चल रही है तो उसे नजरअंदाज न करें, वरना परेशानी बढ़ सकती है।

मीन- आज का दिन नौकरी की तलाश कर रहे लोगों के लिए बेहतर अवसर लेकर आ सकता है। आपको अपने रिश्तों में संतुलन और समानता बनाए रखने की कोशिश करनी होगी। यदि किसी काम को पूरा करने में पहले कठिनाई आ रही थी तो अब उसका समाधान निकलता दिखाई देगा। अनजान लोगों से दूरी बनाए रखें। कार्यक्षेत्र में आपको टीमवर्क के साथ काम करने का अवसर मिलेगा। हालांकि कुछ विरोधी आपके काम में बाधा डालने की कोशिश कर सकते हैं, इसलिए सतर्क रहना जरूरी होगा।

शब्दजाल - 8206

शब्द जाल में निर्वाचित 10 लोकसभा अध्यक्षों के नाम ढूंढिए. नाम उपर से नीचे एवं तिरछे भी हो सकते हैं.

गणेश मावलनकर, हुकुम सिंह, नीलम संजीव रेड्डी, बलिराम भगत, रवि राय, पी.ए. संगमा, शिवराज पाटिल, जी. बालयोगी, मनोहर जोशी, सोमनाथ चटर्जी

ग	हु	मे	रि	सो	म	ना	थ	च	ट	र्जी
णे	खु	कु	प	इं	जी	ने	शि	या	ड़	नी
श	पी	जा	म	र	ग	बा	द	ह	प	ल
मा	ग	ए	पा	सिं	दू	स	ल	ह	लि	म
व	र	अ	सं	न	ह	ला	कि	यो	प	सं
ल	इ	वि	मो	ग	प	वा	शी	ह	गी	जी
न	जी	ल	रा	व	मा	जो	न	व	प	व
क	रि	भा	र	य	र	स	रा	ल	वि	रे
र	या	बा	तें	ह	न	ज	जी	शा	जू	ड्डी
र	ग	ल	नो	शि	व	रा	ज	पा	टि	ल
बां	स	म	प	ब	लि	रा	म	भ	ग	त

शब्दजाल - 8205 का हल

स	रा	जें	द्र	कु	मा	री	वा	ज	पे	यी
द	स	ल	प्रे	व	जी	स	द	ह	कां	रा
वि	स	रो	म	र	ज	नी	पा	ल	ख	म
शा	स	स	जि	दि	वा	स	ध	चं	श	दु
र	आ	र	ग	नी	ज	ना	तू	द्रा	झ	ला
दा	ल	ला	र	दि	ना	उ	ती	व	घ	री
मु	व	ग्रे	मी	या	प	य	ज	ती	व	सि
ख	एं	वा	ई	द	ब	क	डू	ए	श	न्हा
र्जी	ड	ल	कु	म	द	बे	न	जो	शी	आ
क	गॉ	ल	प	लि	जी	शी	ला	कौ	ल	द
वि	ज	य	ल	क्ष्मी	पं	डि	त	ब	प	म

Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 7150

1		2	3		4		5	6	
		7							
	8						9		10
11		12		13		14			
				15	16		17	18	
19	20		21			22			
	23					24			25
26			27	28					
		29				30	31		
32				33					

बायें से दायें:-

१. अजय, सुनील शेट्टी, प्रियंका, दीया की 'जाना नहीं था' गीत वाली फिल्म-२,२
५. अनिल, अक्षय, मनोज, करीना की 'मेरा दिल जिस' गीत वाली फिल्म-३
७. 'चाँद को क्या मालूम' गीत वाली पृथ्वीराज, शेख मुख्तार की फिल्म-२,३
९. सनी देओल, अमीषा पटेल की 'मुसाफिर जाने वाले' गीत वाली फिल्म-३
११. 'जाओ जाओ हमसे क्या' गीत वाली जैकी श्रॉफ अमृतासिंह की फिल्म-२,३
१४. राजेश खन्ना, बबीता की 'अकेले हैं चले आओ' गीत वाली फिल्म-२
१५. गुड्डू धनोआ निर्देशित इमरान खान, शाहबाज खान, तब्बू की फिल्म-२
१७. करण दीवान, वैजयंतीमाला की 'दुनिया का मजा लेलो' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'तुम मुझे भूल भी जाओ' गीत वाली सुनीलदत्त, वहीदा रहमान की फिल्म-२
२१. जीतेंद्र, रेखा की 'गाँव में होते हँसते रोते' गीत वाली फिल्म-४
२३. प्रकाश झा निर्देशित मनोहरसिंह, अन्नूकपूर, सरला, दीप्ति नवल की फिल्म-३
२४. शशिकपूर, शर्मिला टैगोर की 'जिक्र होता है जब कयामत का' गीत वाली फिल्म-२,२
२६. 'दिल में जागी धड़कन ऐसे' गीत वाली लक्की अली, गौरी कार्णिक की फिल्म-२
२७. प्रशांत, संध्या की 'पंख होते तो उड़ आती रे' गीत वाली फिल्म-३
३०. फिल्म 'जबर्दस्त' में सनी देओल के साथ नायिक कौन थी-४
३२. जैकी, अमरीश, डिम्पल की 'हम न समझे थे' गीत वाली फिल्म-३
३३. 'सपने में मिलती है' गीत वाली डी. चक्रवर्ती, मनोज वाजपेयी, उर्मिला मातोंडकर की फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. रानी ने इसमें अंधी एवं गूंगी-बहरी लड़की की भूमिका की है-२
२. फिरोज, संजय खान, मुमताज की फिल्म-२
३. 'आज गालो मुस्करालो' गीत वाली फिल्म-४
४. शम्मीकपूर, सायरा की एक फिल्म-३
६. 'सनम तुम हम पे मरते' गीत वाली फिल्म-३
८. 'मैं तुझसे मिलने आई' गीत वाली सुनीलदत्त, आशा पारेख की फिल्म-२
९. धर्मेन्द्र, रेखा की 'ऐ हवा ये बता' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'संसार है एक नदिया' गीत वाली विनोद मेहरा, डैनी, मौसमी चटर्जी की फिल्म-३
११. 'तुम तो परदेसी हो' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'ना सतरा से ऊपर ना सोला से कम' गीत वाली नवीन निश्चल, रेखा की फिल्म-२
१३. अशोककुमार, मधुबाला की 'आयेगा आने वाला' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'मैं इश्क उसका' गीत वाली फिल्म-२
१८. जिमी शेरगिल, इरफान, ऋषिता भट्ट की 'अब घर आजा' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'गोरी कँवारी सी हसीना का' गीत वाली अक्षयकुमार, करिश्मा की फिल्म-३
२१. शाहरूख, मनीषा, प्रीति की फिल्म-२,१
२२.फिल्म 'आरम्भ' में राकेश के साथ नायिका-२
२५. राजनीकांत, पद्मिनी, विजेयता की फिल्म-४
२६. 'ऐ यार सुन यारी' गीत वाली अमिताभ, शशिकपूरस रेखा, परवीन बाबी की फिल्म-३
२८. शॉवरअली, तरूण, मेघना नायडू कीफिल्म-३
२९. 'सुबह सुबह जब' गीत वाली फिल्म-२
३१. ऋतिक रोशन, करीना कपूर की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 7149

बा	ग	बा	न		खु		स	ल	मा
गी		द		आ	शी	र्वा	द		लि
	स	ल	मा	न			मा	शू	क
खौ	फ		या		वा	दा		ल	
	र	न		पा	प		भू		प
का		या	दे		स	पू	त		ग
म	नो	ज		जों		र्णि		छा	या
चो		मा	चि	स		मा	ला		ध
र	वी	ना			ब्लै		ड़		न
	रू		न	म	क	ह	ला	ल	

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

23 मार्च 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ	समय
सूर्य	मीन में	मेष	07.11 बजे से
चंद्र	वृष में	वृष	08.51 बजे से
मंगल	कुंभ में	मिथुन	10.49 बजे से
बुध	कुंभ में	कर्क	13.03 बजे से
गुरु	मिथुन में	सिंह	15.19 बजे से
शुक्र	मीन में	कन्या	17.31 बजे से
शनि	मीन में	तुला	19.42 बजे से
राहु	कुंभ में	वृश्चिक	21.56 ब.से
केतु	सिंह में	धनु	00.12 बजे से
राहुकाल 7.30 से 9.00 बजे तक		मकर	02.17 बजे से
		कुंभ	04.04 बजे से
		मीन	05.37 बजे से

सोमवार 2026 वर्ष का 82 वा दिन **दिशाशूल** पूर्व **ऋतु** बसंत। **विक्रम संवत्** 2083 **शक संवत्** 1948 **मास** चैत्र **पक्ष** शुक्ल **तिथि** पंचमी 18.39 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** कृत्तिका 20.50 बजे को समाप्त। **योग** विष्कुम्भ 12.22 बजे को समाप्त। **करण** बव 07.57 बजे, बालव 18.39 बजे तदनन्तर कौलव 05.22 बजे प्रात: को समाप्त। **चन्द्रायु** 3.9 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 00° 57' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872657 **जूलियन दिन** 2461122.5 **कलियुग संवत्** 5128 **कल्पारंभ संवत्** 1972949128 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885128 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1447 **महीना** सव्वाल **तारीख** 03 **विशेष** लक्ष्मी पंचमी, गुरु हरगोविंद पुण्यतिथि, भगतसिंह, सुखदेव, राजगुरु शहीद दिवस।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः कर्म का पाठ

दो भाई एक ज्योतिषी के पास गए। ज्योतिषी बड़ा अनुभवी था। उसने छोटे भाई से कहा, 'तुम्हें जल्दी ही राजगद्दी मिलने वाली है। तुम राजा बनोगे।' बड़े भाई से ज्योतिषी ने कहा, 'सावधान रहना। कोई बड़ी आफ्त आने वाली है।' एक बहुत खुश हुआ, दूसरा उदास हो गया। दोनों घर आ गए। बड़े भाई ने सोचा कि अगर विपत्ति आने वाली है तो क्यों न मैं पहले से ही संभल जाऊं। वह पूरी तरह जागरूक हो गया। छोटे भाई ने सोचा, 'अब चिंता की क्या बात है। राजगद्दी मिलने वाली है।' जिंदगी में जितने व्यसन थे, उसने उसमें और इजाफ कर दिया। बुरे कामों पर धन लुटाना शुरू कर दिया। वह दिन-रात नशे में धुत रहने लगा। अचानक एक दिन उस राज्य के राजा का पुत्र चल बसा। उसका कोई वारिस नहीं था। राजा ने सोचा कि वह चूंकि बूढ़ा हो चुका है, इसलिए भविष्य की कोई व्यवस्था करनी चाहिए। राजा ने योग्य उत्तराधिकारी की परीक्षा करने के लिए ढिंढोरा पिटवाया। दोनों भाई भी परीक्षा में शामिल हुए। परीक्षा में बड़ा भाई उत्तीर्ण हो गया। जब बड़ा भाई राजा बना तो छोटे को यह बात बड़ी अजीब लगी। वह भागा-भागा ज्योतिषी के पास आया। उसने कहा, 'आपने तो उलटी बात बता दी।' ज्योतिषी ने कहा, 'मैंने उलटी बात नहीं बताई थी। ठीक बताई थी। मुझे बताओ कि मेरी भविष्यवाणी के बाद तुम दोनों ने क्या-क्या किया?' बड़े भाई ने दोनों की राम कहानी सुनाई। ज्योतिषी ने कहा, 'अब बताओ इसमें मेरी भविष्यवाणी का क्या दोष? मैंने अपने आकलन के आधार पर जो ठीक समझा वह बताया। तुम ने बुरा आचरण किया। तुम्हें राज्य मिलने वाला था, किंतु बुरे आचरण के कारण स्थितियां बदल गईं। तुम्हारे बड़े भाई पर विपत्ति आने वाली थी किंतु इसने इतना अच्छा आचरण किया तो विपत्ति समाप्त हो गई और इसने राजा का पद प्राप्त किया। जैसा बोओगे वैसा ही काटोगे। भाग्य उन्हीं का साथ देता है जो अच्छे कर्म करते हैं।'

सूडोकु नवताल- 7459

★★★★☆ मध्यम

		8				1	5	
2					1	8		
3			4		6	7		9
5					9			
	9		2	3	4		7	
			1					8
4		7	6		5			1
		6	7					4
	5	3				2		

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7458 का हल

3	9	7	5	2	1	4	8	6
5	4	2	9	6	8	7	1	3
8	6	1	3	7	4	9	5	2
2	8	9	1	5	3	6	4	7
4	7	3	2	8	6	5	9	1
6	1	5	4	9	7	2	3	8
9	3	4	7	1	2	8	6	5
7	5	6	8	3	9	1	2	4
1	2	8	6	4	5	3	7	9

शब्द पहेली - 8674

1	2		3		4		5	
6							7	8
		9		10				
11						12		
		13			14			
15				16		17		18
			19		20			
21	22						23	
	24				25			

बाएँ से दाएँ

1. कलाकार, अदाकार-4
4. फूलों की छोटी माला, वेणी-3
6. पैर, पांव-2
7. अधिकार-2
9. खानाबदोश, बंजारा-4
11. राशन, खाद्य सामग्री-3
12. टेसू के फूल-3
13. कपोल, रुखसार-2
14. विजय-2
15. डोली उठाने वाले-3
17. जल प्रपात-3
18. गठबंधन-4
21. पानी, जल-2
23. नौका-2
24. देह, काया, शरीर-3
25. अगुवा, राह दिखाने वाला-4

ऊपर से नीचे

1. उपवास का खाना-4
2. झुका हुआ-2
3. व्यवहार-3
4. समयघोष-3
5. मार्ग, पथ-2
8. गागर, घड़ा, घट-3
9. स्मारक-4
10. हत्या, कत्ल-2
12. पत्तों के गिरने का मौसम-4
15. कथा, गाथा-3
16. अष्टम-2
18. नामचीन-4
19. रवाना होना-3
20. विदूषक, मसखरा-3
22. ईश्वर, भगवान-2
23. बटन, स्विच-2

शब्द पहेली -8673 का हल

	र	ह	म	त		म		
	ह		द		प	न	घ	ट
स	ब	ल		वी	रा	न		क
	र	की	ब		या		ना	रा
स		र	ज	त	प	ट		व
र	वि		ब		न	ह	र	
ह		म	जा	क		नी	बा	ला
द	फ	ना	ना		सा		य	
		ही		ग	फ	ल	त	

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

जनपद पंचायत के द्वारा नियमों को ताक पर रख जनपद कॉम्प्लेक्स एवं सुलभ शौचालय का किया जा रहा निर्माण कार्य

पद्मेश न्यूज। लांजी। लांजी जनपद पंचायत के द्वारा नगर बस स्टैण्ड स्थित सराय काम्प्लेक्स का पून- निर्माण कार्य किया जा रहा है जो कि विभाग के द्वारा बिना किसी अनुमति के नियमों को ताक पर रख निर्माण किये जाने की बात सामने आ रही है। सराय कॉम्प्लेक्स में निर्मित लगभग 15 से 20 दुकानों का निर्माण कार्य किया जाना प्रस्तावित है जिस हेतु विभाग के द्वारा सुलभ शौचालय का भी निर्माण इन्ही काम्प्लेक्स के साथ किया जा रहा है लेकिन बिना किसी अनुमति या स्वीकृत प्लान के यह निर्माण कार्य किया जा रहा है। इस संबध कलेक्टर बालाघाट, एसडीएम लांजी, जनपद पंचायत लांजी, नगर परिषद लांजी को एक लिखित शिकायत प्रस्तुत की गई है जिसमें बताया गया कि जो सुलभ शौचालय का निर्माण किया जा रहा है वह एक निजी घर से लगकर निर्मित हो रहा है क्योंकि इस स्थान पर घर का पेयजल हेतु बोरवेल स्थित है और इसी से लगकर जनपद पंचायत लांजी सुलभ शौचालय का निर्माण कार्य कर रही है। जबकि नियमानुसार भारत सरकार के सीपीएचईईओ के मैन्यूअल ऑन सिवरेज एण्ड सिवेज ट्रीटमेंट के अनुसार सैप्टिक टैंक या सोकपीट को किसी भी पेयजल स्त्रोत कुंआ/ट्यूबवेल/ बोरवेल से कम से कम 15 मीटर लगभग 50 फीट दुरी पर होना चाहिये इसी प्रकार तकनीकी दिशा निर्देशो में भी सोकपीट को पेयजल स्त्रोत से कम से कम 10 मीटर लगभग 33 फीट की दुरी पर रखने का प्रावधान है। लेकिन वर्तमान स्थिती में प्रस्तावित निर्माण स्थल एवं बोरवेल

की बीच की दुरी लगभग 10-15 फीट ही है जो उपरोक्त तकनीकी मानको के विपरित है इससे भू-जल प्रदुषित होने एवं सार्वजनिक स्वास्थ्य पर प्रतिकुल प्रभाव पडने की संभावना है। विदित हो कि इसी प्रकार इन्दौर में एक बडी घटना घटित हुई थी जिसमें पेयजल स्त्रोत में सिवेज का पानी मिलने से कई जाने गई थी। इस प्रकार की घटना या अनदेखी, लापरवाही दोबारा घटित ना हो जिस हेतु शासन प्रशासन को उक्त विषय को अतिशिघ्र संज्ञान में लेकर उक्त प्रस्तावित निर्माण कार्य को रोका जाकर अन्यत्र सुलभ शौचालय का निर्माण कार्य किया जाना चाहिये। इसके अलावा उक्त निर्माण कार्य कि तत्काल तकनीकी जांच कराई जाये तथा जांच पूर्ण होने तक निर्माण कार्य पर रोक लगाई जानी चाहिये। स्वीकृत नक्शा, तकनीकी स्वीकृति तथा पेयजल स्त्रोत से दुरी के नियमो की जांच की जाये। यदि नियमों का उल्लंघन पाया जाता है तो निर्माण स्थल को अन्य किसी उपयुक्त स्थान पर स्थानांतरित किया जाकर जनहित एवं पेयजल सुरक्षा को दृष्टिगत रखते हुये आवश्यक कार्यवाही की जाये।

शासकीय महाविद्यालय में कल से 3 दिवसीय वार्षिक स्नेह सम्मेलन का आयोजन

पद्मेश न्यूज। लांजी। प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी शासकीय महाविद्यालय लांजी में कल 24 मार्च से 3 दिवसीय वार्षिक स्नेह सम्मेलन का आयोजन महाविद्यालय परिवार के द्वारा किया गया है। वार्षिक स्नेह सम्मेलन का शुभारंभ 24 मार्च को तथा समापन 26 मार्च को किया जायेगा। कार्यक्रम के प्रथम दिन 24 मार्च को उद्घाटन एवं ललित कलाऐं सुबह 10 बजे से कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सुश्री हिना लिखीराम कावरे पूर्व विधायक लांजी, कार्यक्रम अध्यक्ष डॉ गौतमा कठाने प्राचार्य शासकीय महाविद्यालय लांजी, विशिष्ट अतिथि आर आर सोनवाने पूर्व प्राचार्य, अर्चना खोंगल जनपद अध्यक्ष लांजी, अजय अवसरे जनपद उपाध्यक्ष, ज्योति उमरे जिपस, मोनू पशीने पार्षद, युगेश रामटेक्कर अध्यक्ष जनभागीदारी समिति लांजी, उज्जवल श्रीवास्तव विधायक प्रतिनिधि शा. महा. वि. लांजी। 25 मार्च को सांस्कृतिक कार्यक्रम, नृत्य, गायन, लोकगायन, लोकनृत्य, एवं सभी प्रकार के सांस्कृतिक आयोजन जिसमें बतौर मुख्य अतिथि विधायक राजकुमार कर्राहे, विशिष्ट अतिथि रमेश भटेरे पूर्व विधायक, दुलीचंद राजनीरे जिपस, श्रीमती रेखा ताराचंद कालबेले अध्यक्ष नप लांजी, युगेश रामटेक्कर अध्यक्ष जनभागीदारी समिति, मोना कौर सिद्धू विधायक प्रतिनिधि, भाजपा जिला मंत्री, विजय मस्करे सदस्य, कैलाशपुरी गोस्वामी विधायक प्रतिनिधि, उज्जवल श्रीवास्तव विधायक प्रतिनिधि, आलोक चौरसिया भाजपा मण्डल अध्यक्ष लांजी, देवेश ऐडे अध्यक्ष मण्डल बिसोनी, गौरव बैस विधायक

प्रतिनिधि, राकेश रामटेक्कर सांसद प्रतिनिधि के आतिथ्य में आयोजित होगा। तथा स्नेह सम्मेलन का समापन एवं पारितोषिक वितरण 26 मार्च को बतौर मुख्य अतिथि कमलचंद सिंहसार एसडीएम लांजी, संतोष पटेल डीएसपी हॉक, रामगोपाल यादव सीईओ जनपद लांजी, खुदीराम सनोडिया एसडीओ कृषि विभाग लांजी, मयूर वाहने सीएमओ नगर परिषद लांजी, के आतिथ्य में आयोजित होगा। संपूर्ण आयोजन महाविद्यालय परिसर में संचालित किया जायेगा। आयोजन समिति के द्वारा समस्त छात्र छात्राओ से उक्त आयोजन में भागीदारी कर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की गई है।

लांजी के युवा वैज्ञानिक ने हासिल की बड़ी उपलब्धि

अपशिष्ट जल शुद्धिकरण में नवीन शोध पर की पीएचडी प्राप्त

पद्मेश न्यूज। लांजी। लांजी क्षेत्र के युवा केमिकल इंजीनियर डॉ. प्रदीप कुमार रामटेके ने 17 मार्च 2026 को विश्वेश्वरैया राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान नागपुर से केमिकल इंजीनियरिंग में डॉक्टरेट (पीएचडी) की उपाधि सफलतापूर्वक प्राप्त की है।

उनका शोध विषय अपशिष्ट जल को शुद्ध करने के लिए झिल्ली प्रौद्योगिकी (Membrane Technology) का निर्माण और अनुप्रयोग रहा, जो पर्यावरण संरक्षण और औद्योगिक अपशिष्ट जल प्रबंधन के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण योगदान है। डॉ. रामटेके ने अपने शोध में सिरेमिक एवं पॉलिमरिक झिल्लियों की तैयारी, उनकी विशेषताओं का मूल्यांकन और टेक्सटाइल तथा अन्य औद्योगिक अपशिष्ट जल के उपचार में इनके प्रभावी उपयोग पर काम किया। इस शोध की सराहना प्रोफेसर अनिल वर्मा (आईआईटी दिल्ली) ने की, जिन्होंने मूल्यांकन के दौरान इसकी नवीनता और शहरों तथा ग्रामीण क्षेत्रों में व्यावहारिक उपयोग की क्षमता पर विशेष जोर दिया। शोध कार्य उनके सुपरवाइजर डॉ. अजीत पी. राठौड़ (एसोसिएट प्रोफेसर, केमिकल इंजीनियरिंग विभाग, VNIT नागपुर) के मार्गदर्शन में पूर्ण हुआ। डॉ. रामटेके ने डॉ. राठौड़ के अटूट सहयोग, विशेषज्ञता और निरंतर प्रेरणा के लिए गहन कृतज्ञता व्यक्त की है। आपने शैक्षणिक योग्यता- बी.ई. (केमिकल इंजीनियरिंग) – जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर (मध्य प्रदेश), एम.टेक (केमिकल इंजीनियरिंग) ङ्क आईआईटी गुवाहाटी से प्राप्त की। वर्तमान में डॉ. प्रदीप रामटेके श्री गुरु गोविंद सिंहजी इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी नांदेड़ में असिस्टेंट प्रोफेसर के पद पर कार्यरत हैं। इस उपलब्धि के लिए उन्होंने अपनी प्रेरणा के स्त्रोत के रूप में तथागत गौतम बुद्ध, डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर तथा विभिन्न संत-महापुरुषों का उल्लेख किया। परिवार के प्रति भावुक आभार व्यक्त करते हुए डॉ. रामटेके ने कहा कि उनकी माता श्रीमती उमाचरण रामटेके और पिता हंसराज रामटेके के त्याग, प्रेम और अथक सहयोग के बिना यह सफलता संभव नहीं होती। उन्होंने अपनी पूरी पीएचडी यात्रा को माता-पिता को समर्पित किया। साथ ही बड़े भाई अजीत रामटेके, बहन पूनम सुदेश मेश्राम, दोस्त प्रेरणा, बड़ी मम्मी लक्ष्मी रामटेके, बड़े मामा जे. डी. शेंडे, अनिल शेंडे और चेतन शेंडे का भी हृदय से धन्यवाद किया। अंत में उन्होंने गुरुदेव संत 1008 श्री महंत बापूदास जी महाराज के दिव्य आशीर्वाद का विशेष उल्लेख किया, जिनके आशीष से यह संपूर्ण सफर सुगम रहा। यह उपलब्धि न केवल लांजी-बालाघाट क्षेत्र बल्कि पूरे मध्य प्रदेश के युवाओं के लिए प्रेरणास्त्रोत बनेगी। अपशिष्ट जल शुद्धिकरण जैसी पर्यावरणीय चुनौतियों के समाधान में डॉ. रामटेके का यह शोध भविष्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

आज पंचमी पर्व पर विशेष पूजा-अर्चना कर मंदिरों में चढ़ाई जाएगी ध्वजा

पद्मेश न्यूज। लांजी। नगर के प्रमुख देवी मंदिरों में चैत्र नवरात्र पर्व पर विशेष रौनक देखने को मिल रही है। सभी प्रमुख माता मंदिरो में को मनोकामना ज्योति कलश की स्थापना की गई है। जिसमें मां शीलता माता मंदिर में 108 ज्योति कलश, मां लंजकाई मंदिर में 558 ज्योति कलश, मां गायत्री शक्तिपीठ में 67 ज्योति कलश, मां दुर्गा मंदिर निमटोला में 77 ज्योति कलश, माता मंदिर निमटोला में 42 ज्योति कलश, मां दुर्गा मंदिर बोलेगांव में 51 ज्योति कलश, शीतला मंदिर बोलेगांव में 133 ज्योति कलश, भाडरासूर देवी मंदिर में भी 33 ज्योति कलश स्थापित किए गए हैं। इसके अलावा, मां काली मंदिर, त्रिशक्ति दुर्गा मंदिर (मरार मोहल्ला) और माताघाट में ज्योति कलशों की स्थापना की गई है। इन मंदिरों में भक्तों द्वारा भजन-कीर्तन, जस गायन और पूजा-अर्चना का दौर जारी है। भक्त सुबह-शाम माता रानी के दर्शन के लिए उमड़ रहे हैं और मंदिरों में माता के जयकारों से माहौल भक्तिमय बना हुआ है।

पंढरीपाठ धाम में 2575 ज्योति कलशों की भव्य स्थापना

क्षेत्र के प्रसिद्ध धार्मिक और पर्यटन स्थल वारी खराडी जलाशय के तट पर स्थित पंढरीपाठ धाम में चैत्र नवरात्र का उत्सव विशेष रूप से मनाया जा रहा है। यहां माता रानी के मंदिर में 2575 ज्योति कलशों की भव्य स्थापना की गई है, जो इस पर्व की भव्यता को और बढ़ा रही है। आज पंचमी पर्व पर भक्तों द्वारा माता रानी का विशेष पूजन और श्रृंगार किया जाएगा। माता को चुनरी अर्पित की जाएगी और मंदिर में ध्वजा चढ़ाई जाएगी। मंदिर में प्रतिदिन जागरण, भक्ति गीत, और अन्य धार्मिक आयोजनों का दौर चल रहा है, जिससे माता रानी का दरबार भक्ति के रंग में रंगा हुआ है।

भक्तों में उत्साह, जस भजन और जयकारों से गूंज रहे मंदिर

नवरात्र के इस पावन अवसर पर नगर और ग्रामीण क्षेत्रों में भक्तों का उत्साह चरम पर है। मंदिरों में सुबह-शाम होने वाली आरती में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ रही है। भक्त माता रानी के चरणों में जल, फूल, और प्रसाद अर्पित कर अपनी मनोकामनाएं मांग रहे हैं। जस भजन और भक्ति गीतों के माध्यम से माता की स्तुति की जा रही है, और मंदिरों में माता रानी के जयकारों से वातावरण गुंजायमान है।

नवरात्र के आगामी दिनों में भी उत्साह बरकरार

नवरात्र के शेष दिनों में भी मंदिरों में भक्ति का यह सिलसिला अनवरत जारी रहेगा। भक्तों द्वारा माता रानी की विशेष पूजा, जागरण, और भजन-कीर्तन के आयोजन किए जाएंगे। पंढरीपाठ धाम में होने वाले धार्मिक आयोजनों में दूर-दूर से भक्त शामिल हो रहे हैं, और माता रानी के दर्शन के लिए भक्तों का तांता लगा हुआ है। लांजी और आसपास के क्षेत्रों में चैत्र नवरात्र का यह पर्व भक्ति, आस्था, और उत्साह का अनूठा संगम बन गया है। माता रानी की कृपा से सभी भक्तों के जीवन में सुख-शांति और समृद्धि की कामना की जा रही है।

घोटी के सार्वजनिक देवी दुर्गा मंदिर में माता-रानी की आराधना जारी

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 5 किमी. दूर ग्राम पंचायत घोटी के सार्वजनिक देवी दुर्गा मंदिर में गत दिवस 'योति कलश एवं जवारे बोकर चैत्त नवरात्त पर्व भक्तिभाव के साथ मनाया जा रहा है और माता-रानी की आराधना की जा रही है। चर्चा में मंदिर समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी चैत्त नवरात्त पर्व भक्तिभाव के साथ मनाया जा रहा है।

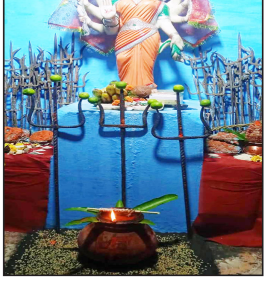

जिसमें गत दिवस ग्राम के सार्वजनिक देवी दुर्गा मंदिर में विधि-विधान से पूजा अर्चना कर जवारे बोकर, 'योति कलश प्र'वलित किये गये। साथ ही सुबह-शाम आरती कर माता रानी की आराधना की जा रही है। साथ ही यह भी बताया कि माता रानी के जयकारों एवं देवी गीतों की गुंज से पूरे ग्राम का माहौल भक्तिमय हो गया है। साथ ही रोजाना विविध धार्मिक कार्यक्रम भी आयोजित किये जा रहे है। इस अवसर पर क्षेत्तीयजनों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर धर्मलाभ अर्जित करने की अपील समिति के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने की है।

पश्चिम बंगाल चुनाव- सुरक्षा के कड़े इंतजाम, वेबकास्टिंग बाधित होने पर होगा पुनर्मतदान

कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं और चुनाव आयोग ने निष्पक्ष व शांतिपूर्ण मतदान सुनिश्चित करने के लिए सख्त कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। पूरे राज्य में केंद्रीय बलों की व्यापक तैनाती की जा रही है और चुनाव ड्यूटी में लगे अधिकारियों के साथ तालमेल मजबूत करने के लिए मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) कार्यालय में लगातार बैठकों का दौर जारी है। रविवार को भी बलों की तैनाती को लेकर एक आपात बैठक बुलाई गई, जिसमें सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने पर चर्चा हुई।

चुनाव आयोग ने स्पष्ट कर दिया है कि किसी भी मतदान केंद्र पर यदि वेबकास्टिंग 30 मिनट से अधिक समय तक बाधित रहती है तो वहां दोबारा मतदान कराया जाएगा। इस सख्त निर्देश का उद्देश्य मतदान प्रक्रिया की पारदर्शिता बनाए रखना और किसी भी तरह की गड़बड़ी को रोकना है। चुनावों की औपचारिक घोषणा से पहले ही केंद्रीय बलों की 480 कंपनियां राज्य में पहुंच चुकी हैं और फिलहाल गश्ती अभियान जारी है।

सूत्रों के अनुसार, चरणबद्ध तरीके से करीब 2,000 और कंपनियां राज्य में तैनात की जाएंगी, जिससे कुल केंद्रीय बलों की संख्या लगभग ढाई लाख तक पहुंच सकती है। चुनाव कार्यक्रम घोषित होते ही आयोग ने राज्य पुलिस और प्रशासनिक ढांचे में बड़े स्तर पर फेरबदल भी शुरू कर दिया है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने राज्य पुलिस महानिदेशक, कोलकाता पुलिस आयुक्त और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक कर एकीकृत कमान और नियंत्रण प्रणाली बनाने पर जोर दिया है। यह प्रणाली मुख्य निर्वाचन अधिकारी को जिला मजिस्ट्रेटों और अन्य एजेंसियों से सीधे जोड़ेगी और चौबीसों घंटे निगरानी सुनिश्चित करेगी।

इस बार चुनाव में तकनीक का भी व्यापक उपयोग किया जा रहा है। राज्य के सभी 80,719 मतदान केंद्रों पर 100 प्रतिशत वेबकास्टिंग की व्यवस्था होगी और लगभग दो लाख सीसीटीवी कैमरों व वेबकैम के जरिए निगरानी की जाएगी। जरूरत पड़ने पर ड्रोन भी तैनात किए जाएंगे। इसके अलावा फ्लाइंग स्क्वाड और क्विक रिस्पॉन्स टीमों के वाहनों में 360 डिग्री कैमरों से लाइव स्ट्रीमिंग होगी, जबकि केंद्रीय बलों के जवानों को बॉडी-वॉर्न कैमरे दिए जाएंगे। आयोग ने जिला चुनाव अधिकारियों और पुलिस अधीक्षकों को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा है कि यदि मतदाताओं को डराने-धमकाने या मतदान से रोकने की शिकायत मिलती है, तो संबंधित अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी, जिसमें पद से हटाना या निलंबन भी शामिल है। इन सभी कदमों से साफ है कि इस बार पश्चिम बंगाल में चुनाव प्रक्रिया को पूरी तरह पारदर्शी और सुरक्षित बनाने पर विशेष जोर दिया जा रहा है।

लिटिल इंडिया शहर पर ईरान ने मारी मिसाइल, यहां रहते हैं भारतीय मूल के यहूदी

नई दिल्ली। इजराइल और ईरान के बीच जारी युद्ध ने शनिवार शाम एक भयावह मोड़ ले लिया जब ईरान की एक बैलिस्टिक मिसाइल दक्षिण इजराइल के शहर डिमोना पर दागी। यह शहर न केवल इजराइल के परमाणु रिएक्टर है, बल्कि अपनी विशाल भारतीय आबादी के कारण लिटिल इंडिया के नाम से भी मशहूर है। स्थानीय लोगों के मुताबिक मिसाइल एक कम्युनिटी बिल्डिंग पर गिरी, जिससे आसपास के पुराने मकान भी क्षतिग्रस्त हो गए। ज्यादातर लोग समय रहते शेल्टर में पहुंच गए थे, जिससे बड़ा नुकसान टल गया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक डिमोना की करीब 30 फीसदी आबादी भारतीय मूल के यहूदियों की है, जिनमें से ज्यादातर महाराष्ट्र के हैं। यहां क्रिकेट भी काफी लोकप्रिय है और भारतीय मिठाइयां व स्नैक्स स्थानीय बाजारों में आसानी से मिल जाते हैं। यहां की गलियों में मराठी और भारतीय स्वाद रचे-बसे हैं। हमले के बाद पूरे समुदाय में डर का माहौल है। इजराइली रक्षा बल ने स्वीकार किया है कि उनका एयर डिफेंस सिस्टम इस मिसाइल को इंटरसेप्ट करने में नाकाम रहा। ईरान ने इस हमले को अपने नतांज परमाणु केंद्र पर हुए हमले का बदला बताया है। हालांकि अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी ने साफ किया है कि डिमोना स्थित परमाणु अनुसंधान केंद्र सुरक्षित है और वहां किसी नुकसान के संकेत नहीं मिले हैं।

लांजी में ''पद्मेश''
इंटरनेट (ब्राडबेंड)
कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कलेक्टर सीधी और गुना एसपी को हटाने के दिये निर्देश

जिला सहकारी बैंक के महाप्रबंधक को किया निलंबित

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रविवार को सीधी जिले में अचानक पहुंचकर स्थानीय नागरिकों से सीधा संवाद कर प्रशासनिक व्यवस्था और योजनाओं के मैदानी क्रियान्वयन की स्थिति जानी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जनसंवाद के दौरान आमजन और जनप्रतिनिधियों द्वारा विभिन्न मुद्दों पर की गई शिकायतों और जिला प्रशासन एवं विभिन्न विभागों की कार्य प्रणाली पर विस्तार से समीक्षा एवं फीडबैक लिया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्राप्त शिकायतों के दृष्टिगत सीधी कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी को तत्काल प्रभाव से हटाने और जिला सहकारी बैंक के महाप्रबंधक पी.एस. धनवाल को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने के निर्देश दिये।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गुना जिले में तलाशी के दौरान मिली नगद राशि में हेरफेर के मामले में पुलिस अधीक्षक गुना अंकित सोनी की भूमिका को यथोचित न मानते हुए पुलिस अधीक्षक पद से हटाने के निर्देश भी दिये।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि नागरिकों से प्राप्त शिकायतों के संदर्भ में शासन स्तर पर आवश्यक कदम भी उठाये जायेंगे। प्रदेश में सुशासन की व्यवस्था के चलते अधिकारी-कर्मचारियों द्वारा की गई लापरवाही किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं की जायेगी। उन्होंने कहा कि जनकल्याण राज्य सरकार की प्राथमिकता है। आमजन की समस्याओं के निराकरण के लिये प्रदेश में अभियान के साथ शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में शिविर भी आयोजित किये जाते हैं। अधिकारी-कर्मचारियों को यह संदेश देना चाहता हूँ कि यदि वे फील्ड में रहकर आमजन की समस्याओं का निराकरण नहीं कर सकते तो उन्हें फील्ड में रहने का कोई अधिकार नहीं है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जनसंवाद के दौरान नागरिकों की समस्याएं सुनी और उनके त्वरित और प्रभावी निराकरण के लिये अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा है कि प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक शासन की योजनाओं का लाभ समयबद्ध और पारदर्शिता के साथ पहुँचे। उन्होंने मैदानी अधिकारियों को निर्देश दिये कि वे संवेदनशीलता, जवाबदेही और प्रतिबद्धता के साथ कार्य करें। किसी भी प्रकार की लापरवाही या उदासीनता को गंभीरता से लिया जाकर कठोर एवं प्रभावी कार्रवाई की जायेगी। मुख्यमंत्री ने सीधी में निर्माणाधीन कलेक्ट्रेट भवन की धीमी प्रगति पर नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने कहा कि कलेक्ट्रेट भवन निर्माण में तेजी लाते हुये निर्धारित समय सीमा में गुणवत्ता के साथ कार्य पूर्ण किया जाये। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सीधी में औचक निरीक्षण के बाद स्थानीय सर्किट हाउस में आमजन एवं जनप्रतिनिधियों के साथ संवाद भी किया। इस दौरान सांसद राजेश मिश्रा, विधायक सिंहावल विश्वामित्र पाठक, विधायक श्रीमती रीति पाठक के साथ ही अन्य जन प्रतिनिधि और प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित थे।

गुना एसपी अंकित सोनी को तत्काल प्रभाव से हटाया

सीएम डॉ. मोहन यादव ने गुना हवालाकांड के बाद एसपी अंकित सोनी को तत्काल प्रभाव से हटा दिया गया है। वहीं जनप्रतिनिधियों से मिली शिकायतों के बाद सीधी कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी को भी हटाने के निर्देश दिए। यह दोनो फैसले रविवार शाम को लिये गये। जानकारी के अनुसार सीएम डॉ. मोहन यादव मिर्जापुर से सीधे सीधी पहुंचे थे। यहां स्थानीय लोगों और जनप्रतिनिधियों से मुलाकात के दौरान उन्हें कई शिकायतें मिलीं। जिसके बाद उन्होंने यह एक्शन लिया।

विकास मिश्रा होंगे सीधी के नए कलेक्टर, स्वरोचिष सोमवंशी को मिली बड़ी जिम्मेदारी

भोपाल। मध्य प्रदेश शासन के सामान्य प्रशासन विभाग ने आज, 22 मार्च 2026 को भारतीय प्रशासनिक सेवा (IAS) के अधिकारियों के तबादला आदेश जारी किए हैं। इस प्रशासनिक बदलाव के तहत सीधी जिले में नए कलेक्टर की नियुक्ति की गई है।

विकास मिश्रा (IAS 2013)- वर्तमान में मुख्यमंत्री के अपर सचिव तथा आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग के आयुक्त के रूप में कार्यरत श्री विकास मिश्रा को अब सीधी जिले का नया कलेक्टर बनाया गया है।

स्वरोचिष सोमवंशी (IAS 2012)- सीधी जिले के वर्तमान कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी का तबादला भोपाल कर दिया गया है। वे अब आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग में आयुक्त के साथ-साथ राज्य सांख्यिकी आयोग के सचिव (अतिरिक्त प्रभार) और मध्य प्रदेश शासन के अपर सचिव की जिम्मेदारी संभालेंगे।

3500 करोड़ का होगा भोपाल निगम का बजट

गोमांस, लोकायुक्त-नई बिल्डिंग पर घिर सकती है 'शहर सरकार'

भोपाल। नगर निगम परिषद की बजट बैठक सोमवार को होगी। इसमें शहर सरकार बजट भी पेश करेगी। इस बार यह बजट 3500 करोड़ रुपए तक पहुंचने का अनुमान। वहीं, मंत्री-विधायकों की आपत्ति के बाद प्रॉपर्टी या जल कर बढ़ाने की संभावना कम ही है। पिछली बार कुल 3611 करोड़ रुपए का बजट पेश किया गया था।

इधर बजट बैठक में गोमांस, नई बिल्डिंग और लोकायुक्त की हाल ही हुई कार्रवाई का मुद्दा भी उठेगा। निगम के स्लॉटर हाउस में 26 टन गोमांस मिलने के मामले में पिछली बैठक में भी कांग्रेस ने जमकर हंगामा किया था। वहीं, लिंक रोड नंबर-2 पर 40 करोड़ रुपए से बनी नई बिल्डिंग की अधूरी तैयारियों के बीच शुरुआत होने, बिल्डिंग से गिरकर एक बुजुर्ग की मौत होने का मामला भी गरमाएगा।

145 वाहनों को कंडम करने की तैयारी

आदमपुर खंती में जमा पुराने कचरे यानी लीगेसी वेस्ट के निपटारे का प्रस्ताव भी बैठक में रखा जाएगा। इस कार्य पर करीब 55.54 करोड़ रुपए खर्च होने का अनुमान है। नगर निगम की ओर से इसे शहर की स्वच्छता के लिहाज से महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। निगम के पुराने और अनुपयोगी वाहनों को भी हटाने की तैयारी है। करीब 145 वाहनों को कंडम घोषित करने का प्रस्ताव परिषद में रखा जाएगा, जिसे मेयर इन काउंसिल से मंजूरी पहले ही मिल चुकी है।

पार्किंग का मुद्दा भी छाएगा

बैठक में 14 नई पार्किंग को लेकर प्रस्ताव आएगा। इनमें से 5 पार्किंग मेट्रो स्टेशन के नीचे प्रस्तावित की गई है। जहां 40 फोर व्हीलर और 250 टू व्हीलर्स खड़े किए जा सकेंगे। 16 मार्च को हुई मेयर इन कौंसिल की बैठक में इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गई थी। अब परिषद में यह प्रस्ताव आएगा। पार्किंग को लेकर निगम ने पुलिस की भी सहमति ली है। इसके साथ ही लेगेसी वेस्ट के निपटारे का प्रस्ताव आएगा परिषद की बैठक में आदमपुर खंती लीगेसी वेस्ट के निपटान के लिए प्रस्ताव भी आएगा। दो दिन पहले एमआईसी ने इसे परिषद में लाने का निर्णय लिया था। इसमें 55.54 करोड़ रुपए खर्च होंगे।

मेट्रो स्टेशन पर पार्किंग का विचार

बता दें कि भोपाल मेट्रो की ऑरेंज लाइन का प्रायोरिटी कॉरिडोर 6.22 किलोमीटर लंबा है। इसमें कुल 8 स्टेशन- सुभाष नगर, केंद्रीय स्कूल, डीबी मॉल, एमपी नगर, रानी कमलापति, डीआरएम तिराहा, अलकापुरी और एम्स शामिल हैं। इनमें से एक भी स्टेशन पर पार्किंग की व्यवस्था नहीं होने से यात्रियों को अपनी गाड़ियां खड़ी करने के लिए, मुश्किलें झेलनी पड़ रही है। मेट्रो स्टेशनों पर सिर्फ पिक एंड ड्रॉप की व्यवस्था ही है। यानी, यात्री किसी गाड़ी से उतर और चढ़ तो रहे हैं, लेकिन वे अपने वाहन यहां खड़ा नहीं कर सकते। इस मुद्दे पर मेट्रो अफसर दो महीने से पार्किंग के लिए व्यवस्था कर रहे हैं। नगर निगम ने इस समस्या का हल निकाला है। इन जगहों पर पार्किंग रहेगी सुभाषनगर मेट्रो स्टेशन के दोनों गेट, केंद्रीय स्कूल, डीबी मॉल, डीआरएम ऑफिस और अलकापुरी मेट्रो स्टेशन के नीचे पार्किंग बनेगी। एमपी नगर, रानी कमलापति और एम्स स्टेशन के नीचे फिलहाल को लेकर कोई निर्णय नहीं लिया गया है।

170 करोड़ की लागत से बदलेगा भोपाल जंक्शन का चेहरा

- फ्री वाई-फाई और मल्टी लेवल पार्किंग की सुविधा मिलेगी

भोपाल। शहर के यात्रियों के लिए बड़ी राहत और सुविधाओं का नया दौर शुरू होने जा रहा है। रानी कमलापति रेलवे स्टेशन की तर्ज पर अब भोपाल रेलवे स्टेशन को 170 करोड़ रुपए की लागत से आधुनिक रूप दिया जाएगा, जो 2028 तक तैयार होगा। इसके बाद यात्रियों को रूफटॉप स्टेशन, स्काईवाक के जरिए निशातपुरा रेलवे स्टेशन तक सीधी कनेक्टिविटी, बेहतर प्लेटफॉर्म और हाईटेक सुविधाएं मिलेंगी, जिससे समय और खर्च दोनों की बचत होगी। वहीं बीना जंक्शन रेलवे स्टेशन पर करीब 98 करोड़ रुपए की लागत से री-डेवलपमेंट किया जाएगा। टेंडर प्रक्रिया अंतिम चरण में है और कार्य जल्द शुरू होगा। 2028 तक यहां भी आधुनिक सुविधाएं शुरू होने से यात्रियों को बेहतर और आरामदायक यात्रा अनुभव मिलेगा।

भोपाल जंक्शन रेलवे स्टेशन को आधुनिक बनाने के तहत रूफटॉप प्लेटफॉर्म विकसित किया जाएगा, जहां मल्टीकुजीन रेस्टोरेंट और आईपाड होटल खोले जाएंगे। यात्रियों को फ्री वाई-फाई और मल्टी लेवल पार्किंग जैसी सुविधाएं भी मिलेंगी। स्काईवाक के जरिए स्टेशन को निशातपुरा रेलवे स्टेशन से जोड़ा जाएगा, जिससे इंदौर रूट के यात्रियों को सीधी कनेक्टिविटी मिलेगी और उन्हें सड़क मार्ग की परेशानी से राहत मिलेगी।

भोपाल जंक्शन के कार्य

भोपाल रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास के तहत कई महत्वपूर्ण कार्य किए जाएंगे। इसमें दो आगमन ब्लॉक और दो फुट ओवर ब्रिज का निर्माण शामिल है। 36 मीटर चौड़ा फूड प्लाजा, मल्टी लेवल कार पार्किंग और दो कमर्शियल ब्लॉक बनाए जाएंगे। नया स्टेशन भवन और प्रवेश पोर्च तैयार होगा, साथ ही सर्कुलेटिंग एरिया का विस्तार किया जाएगा। प्लेटफार्म 1 से 6 तक की सतह में सुधार, शौचालय ब्लॉक, वेटिंग हाल और टिकट काउंटर क्षेत्र का उन्नयन किया जाएगा। दिव्यांगजन के लिए सुविधाएं बढ़ाई जाएंगी तथा एस्केलेटर और लिफ्ट की भी व्यवस्था की जाएगी, जिससे यात्रियों को बेहतर सुविधा मिलेगी।

बीना जंक्शन के कार्य

बीना रेलवे स्टेशन पर री-डेवलपमेंट के तहत नया स्टेशन भवन और फुट ओवर ब्रिज बनाया जाएगा। यात्रियों की सुविधा के लिए छह लिफ्ट और छह एस्केलेटर लगाए जाएंगे। एयर कानकोर्स का निर्माण किया जाएगा, जिससे आवागमन आसान होगा। प्लेटफार्म का नवीनीकरण, प्रवेश पोर्च का सुधार और सर्कुलेटिंग एरिया का विस्तार किया जाएगा। साथ ही करीब 2800 वर्ग मीटर में पार्किंग सुविधा विकसित की जाएगी, जिससे यात्रियों को बेहतर और आधुनिक सुविधाएं मिल सकेंगी। भोपाल और बीना रेलवे स्टेशनों का बड़े स्तर पर री-डेवलपमेंट किया जा रहा है। इस योजना के तहत आधुनिक सुविधाएं, बेहतर कनेक्टिविटी और यात्री सुविधाओं में सुधार किया जाएगा। प्रोजेक्ट पूरा होने के बाद यात्रियों को आसान, सुरक्षित और आरामदायक यात्रा का अनुभव मिलेगा।

श्री अन्न प्रोत्साहन योजना में सामने आया घोटाला

कोदा-कुटकी खरीदा नहीं, फिर भी क्रय कर लिए 50 लाख के पीपी बैग!

भोपाल। प्रदेश में श्री अन्न (कोदो-कुटकी) प्रोत्साहन योजना में घोटाले का मामला सामने आया है। आदिवासी किसानों से कोदो-कुटकी की खरीदी हुई नहीं, जबकि 50 लाख रुपये के पीपी बैग खरीद लिए गए। अब इस मामले में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से शिकायत की गई है। बता दें, प्रदेश में किसान कल्याण एवं कृषि विकास विभाग के अंतर्गत रानी दुर्गावती श्री अन्न प्रोत्साहन योजना लागू है, जिसके तहत करीब 105 करोड़ रुपये की राशि निर्धारित की गई। पूर्व विधायक पारस सकलेचा ने आरोप लगाया कि इसके बावजूद पिछले दो वर्षों से किसानों से ना तो फसल खरीदी गई और ना ही उन्हें किसी प्रकार का भुगतान किया गया। वहीं, उन्होंने आरोप लगाया कि श्री अन्न प्रोत्साहन फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी (फेडरेशन) द्वारा खरीदी प्रक्रिया में अनियमितताएं की जा रही हैं। बिना किसी स्पष्ट खरीदी प्रक्रिया के करीब 50 लाख रुपये के पीपी बैग मनमाने दामों पर खरीदे गए। शिकायतकर्ताओं ने मांग की है कि इस खरीदी प्रक्रिया की निष्पक्ष जांच कराई जाए, जिसमें निविदा प्रक्रिया, प्राप्त आवेदनों और चयनित सप्लायर की जानकारी सार्वजनिक की जाए। श्री अन्न प्रोत्साहन फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी (फेडरेशन) को करीब 30,000 मीट्रिक टन मोटे अनाज खरीदी का लक्ष्य तय दिया गया था। इसमें बताया गया कि कुटकी की प्रति क्विंटल कीमत 3,500 रुपये और कोदो की प्रति क्विंटल कीमत 2,500 रुपये तय की गई है। साथ ही योजना के तहत पंजीयन के बाद 1000 रुपये प्रति क्विंटल बोनस देने का प्रावधान है। हद तो यह है कि रीवा सहित कई जिलों में किसानों से पंजीयन के नाम पर 300 रुपये वसूले गए। इस संबंध में सीएम हेल्पलाइन पर शिकायत के बावजूद अब तक कार्रवाई नहीं की गई। शिकायत में कंपनी के मुख्य कार्यपालन अधिकारी पर भी गंभीर आरोप लगाए गए हैं। उन पर नियुक्ति शर्तों का उल्लंघन और मानदेय भी बिना किसी निर्धारित प्रक्रिया के सलाहकार समिति की अनुशंसा के बढ़ाया गया है। पूर्व विधायक सकलेचा ने बताया कि उन्होंने मामले में मुख्यमंत्री और कृषि विभाग के सचिव को शिकायत की है। इसमें पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच कराने और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है, ताकि आदिवासी किसानों को उनका उचित हक मिल सके।

एमपी पुलिस का ऑपरेशन प्रहार

- 7 दिनों में 5 जिलों से 56 आरोपी गिरफ्तार 86 लाख की संपत्ति जब्त

भोपाल। मध्य प्रदेश पुलिस के ऑपरेशन प्रहार के तहत पुलिस टीमों ने पिछले 7 दिनों में 5 जिलों में ताबड़तोड़ अभियान चलाकर जुए के अड्डों पर रेड मारते हुए 56 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। वहीं कार्यवाही के दौरान विभिन्न स्थानों से नगदी, मोबाइल, वाहन समेत 86 लाख रुपये से अधिक की संपत्ति जब्त की गई। ऑपरेशन प्रहार के तहत पुलिस जिलों के अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने और इसमें संलिप्त आरोपियों के खिलाफ अभियान चला रही है। जानकारी के अनुसर जबलपुर जिले के क्राइम ब्रांच, थाना कैंट, सिविल लाइन और बेलबाग पुलिस की संयुक्त टीम ने 6 आरोपियों को गिरफ्तार कर 31 हजार 640 रुपये नगद जब्त किए। वहीं थाना शहपुरा पुलिस ने जुए की फड़ पर छापा मारकर 11 जुआरियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 40 हजार 500 रुपये नगद और 11 मोबाइल फोन जब्त किए। छिंदवाड़ा जिले के थाना चांद पुलिस ने ग्राम मेघदौन में दबिश देकर 11 आरोपियों को गिरफ्तार कर 51 हजार से अधिक की नगदी, 12 मोबाइल फोन 2 मोटरसाइकिल सहित करीब 2 लाख 20 हजार रुपये की संपत्ति जब्त की। आरोपियों के खिलाफ जुआ एक्ट के तहत कार्यवाही की गई है। वहीं मुरैना जिले के थाना जौरा पुलिस ने ग्राम अलापुर में कार्रवाई करते हुए 18 आरोपियों को गिरफ्तार कर 1 लाख 41 हजार की रकम और ताश की गड्डियां जब्त की है।

भोपाल को मिलेगा पीएम ईबस योजना से बड़ा तोहफा

भोपाल। राजधानी शहरवासियों के लिए खुशखबरी हैं। शहर के सार्वजनिक परिवहन को आधुनिक और अधिक सुविधाजन बनाने के लिए जल्द ही शहर में नई 100 इलेक्ट्रिक बसें शुरू की जाएंगी। ये सभी बसें पीएम ईबस योजना के तहत चलेंगी और इनमें आईटीएमएस और पीआईएस सिस्टम लगे होंगे, जिससे इनकी लाइव मॉनिटरिंग की जा सकेगी। इन बसों के शुरु हो जाने से शहर में यातायात को नई ऊंचाईयां मिलेगी साथ ही रोज सफर करने वाले लोगों को राहत भी मिलेगी।

पहले चरण में 60 बसें आएंगी, जबकि बाकी 40 बसें दूसरे चरण में बेड़े में शामिल होंगी। ये 9 मीटर लंबी मिडी बसें एक बार पूरी तरह चार्ज होने पर 180 किलोमीटर तक का सफर तय कर सकेंगी। शहर में दस रूट निर्धारित किए गए हैं। ये बसें एक बार चार्ज करने पर लगभग 180 किलोमीटर तक चल सकेंगी। पहले चरण में 60 बसें शुरू की जाएंगी, जिसके बाद दूसरे चरण में 40 बसें चलाई जाएंगी। इस सेवा के मई-जून 2026 तक शुरू होने की उम्मीद है।

इस बसों में क्या सुविधाएं मिलेंगी

ये बसें सीसीटीवी, पैनिक बटन और डिजिटल डिस्प्ले जैसी आधुनिक सुविधाओं से लैस होंगी। निगम द्वारा पीथमपुर, धार में पहले ही बसों का निरीक्षण किया जा चुका है। जिस इलाके से ये बस गुजर रही होगी उससे जुड़ी जानकारी बस के अंदर लगी स्क्रीन पर यात्रियों को दिखाई देगी।

अब एआई करेगा काउंसलरों का मूल्यांकन

भोपाल। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने शिक्षा को आधुनिक बनाने और छात्रों के कल्याण के लिए, एक नए पहल की शुरुआत की है। बोर्ड ने स्कूल काउंसलरों और वेलनेस शिक्षकों के लिए एआई की मदद से ऑनलाइन मूल्यांकन शुरू किया है, जिसे घर बैठे भी दिया जा सकता है। यह पहल काउंसलरों की क्षमता बढ़ाने और उनके काम की गुणवत्ता सुधारने के लिए की गई है। इसका उद्देश्य स्कूलों में बच्चों के लिए, बेहतर काउंसलिंग सिस्टम तैयार करना है। बता दें कि यह परीक्षा सीबीएसई के क्षमता विकास कार्यक्रम का हिस्सा है, जिसके जरिए ये जांचा जाएगा कि काउंसलर बच्चों की मानसिक और भावनात्मक परेशानियों को समझने और उन्हें संभालने में कितने सक्षम हैं। इस प्रक्रिया के तहत कुल 10,000 काउंसलर शामिल होंगे और इसे अलग-अलग चरणों में आयोजित किया जाएगा।

इस एग्जाम के लिए पहला बैच फरवरी 2026 से शुरू हो चुका है। इस परीक्षा की सबसे खास बात यह है कि इसमें केवल किताबी नॉलेज नहीं बल्कि काउंसलर के व्यवहार, स्किल और स्कूल के माहौल में उनके काम करने के तरीके को भी परखा जाएगा। मतलब साफ है कि ये देखा जाएगा कि वो असल जिंदगी की स्थितियों को कैसे संभालते हैं और किस तरह छात्रों की मदद करते हैं। सीबीएसई ने स्कूल काउंसलरों और वेलनेस टीचर्स के लिए एक नया ऑनलाइन टेस्ट शुरू किया है, जिसमें एआई की मदद से निगरानी की जाती है। यह टेस्ट डीआईजीआई-एक्जाम प्लेटफॉर्म पर होता है और फरवरी 2026 से शुरू होकर करीब 10,000 काउंसलरों का धीरे-धीरे आकलन किया जा रहा है। यह परीक्षा सिर्फ पढ़ाई नहीं, बल्कि असली काम पर ध्यान देती है, जैसे- काउंसलिंग सही तरीके से करना, सही और नैतिक फैसले लेना, छात्रों की मानसिक और भावनात्मक समस्याओं को समझना। इसका उद्देश्य सिर्फ सर्टिफिकेट देना नहीं है, बल्कि काउंसलरों को बेहतर बनाना और उनकी काम करने की गुणवत्ता बढ़ाना है। बोर्ड की यह एआई आधारित परीक्षा खास लोगों के लिए है। इसके लिए जो लोग पात्र हैं-स्कूल काउंसलर और वेलनेस टीचर्स, सामाजिक और भावनात्मक काउंसलिंग करने वाले लोग और सीबीएसई से जुड़े स्कूलों में काम कर रहे प्रोफेशनल्स शामिल हैं। वहीं, अगर चयन की बात करें, तो इसके लिए सीबीएसई को ओर से नाम भेजा जाता है या स्कूल पोर्टल पर काउंसलरों का डेटा अपलोड करते हैं। स्कूल को यह डेटा हमेशा अपडेट रखना होता है ताकि कोई गलती न हो और सही लोगों को ही परीक्षा में शामिल होने का मौका मिले।

अब 45 दिन में मिलेगा एलपीजी सिलेंडर

- ऑनलाइन सिस्टम ने बढ़ाई उपभोक्ताओं की मुसीबत, रसोई पर मंडराया संकट

भोपाल। अंतराष्ट्रीय स्तर पर जारी ईरान-अमेरिका युद्ध के हालातों का सीधा असर अब आम आदमी की रसोई तक पहुंच गया है। राजधानी समेत पूरे प्रदेश में पेट्रोल-डीजल के साथ रसोई गैस की भारी किल्लत देखी जा रही है। प्रशासन भले ही व्यवस्था सुचारु होने का दावा कर रहा हो, लेकिन गैस एजेंसियों पर लगी उपभोक्ताओं की लंबी कतारें स्थिति की गंभीरता बयां कर रही हैं। उधर, नया नियम लागू होने के बाद अब उपभोक्ताओं को 45 दिन में केवल एक बार ही गैस सिलेंडर मिल सकेगा, जबकि पहले यह अवधि 25 दिन की थी। गैस एजेंसी संचालकों का कहना है कि ऑनलाइन सिस्टम अब 45 दिन बाद ही अगली रिफिलिंग की तारीख तय कर रहा है।

इस आदेश से आम लोग बेहद परेशान हैं और घंटों कतारों में खड़े रहने को मजबूर हैं। पूर्व में घर बैठे आसानी से मिलने वाले सिलेंडर के लिए अब उपभोक्ताओं को भारी जद्दोजहद करनी पड़ रही है।

बोर्ड परीक्षाओं में उलझा शिक्षकों का ग्रीष्मकालीन अवकाश

- मई-जून में होंगी 10वीं व 12वीं की द्वितीय बोर्ड परीक्षा

भोपाल। प्रदेश के सरकारी स्कूलों के शिक्षकों को इस साल मई माह में मिलने वाला ग्रीष्मावकाश नहीं मिल पाएगा। माध्यमिक शिक्षा मंडल (माशिमं) भोपाल ने इस दौरान 10वीं व 12वीं की द्वितीय बोर्ड परीक्षा प्रस्तावित की हैं। वहीं स्कूल शिक्षा विभाग ने शिक्षकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम भी इसी दौरान निर्धारित किए हैं। ऐसे में शिक्षक इस बार मई-जून में पूरी तरह से व्यस्त रहने वाले हैं।

शिक्षक संगठनों ने इस स्थिति पर आपत्ति जताई है। दरअसल, माशिमं द्वारा 10वीं और 12वीं की द्वितीय बोर्ड परीक्षा सात मई से आयोजित की जानी हैं। जारी समय-सारिणी के अनुसार 12वीं की परीक्षा सात मई को बायोटेक्नोलॉजी विषय से शुरू होकर 25 मई तक चलेगी, वहीं 10वीं की परीक्षा सात मई से 19 मई तक चलेगी। इसके अलावा 5वीं और 8वीं कक्षा की पुनः परीक्षाएं मई माह में और 9वीं-11वीं की द्वितीय वार्षिक परीक्षाएं तीन जून से 13 जून तक प्रस्तावित हैं। बता दें कि पूर्व वर्षों में शिक्षकों को एक मई से नौ जून तक करीब एक माह नौ दिन का ग्रीष्मावकाश मिलता था, लेकिन इस साल पूरे एक माह का ग्रीष्मावकाश घोषित किया गया है। अब परीक्षा और प्रशिक्षण के चलते यह अवकाश लगभग समाप्त हो गया है।

प्रशिक्षण व मूल्यांकन कार्यों की दोहरी जिम्मेदारी

प्रशिक्षण व मूल्यांकन में लगना होगा परीक्षाओं के बीच विभाग ने मई माह में शिक्षकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम भी निर्धारित किए हैं। ऐसे में शिक्षकों को अवकाश के दौरान भी स्कूल संबंधी कार्यों में व्यस्त रहना पड़ेगा। इसके अलावा सभी परीक्षाओं का मूल्यांकन कार्य में भी शिक्षकों को लगाया जाएगा। शिक्षक संगठन ने लिखा पत्र शिक्षक संगठनों का कहना है कि अवकाश अवधि में ही सभी परीक्षाएं और कार्यक्रम रखे जा रहे हैं, जिससे शिक्षकों को मानसिक और शारीरिक विश्राम का अवसर नहीं मिल पा रहा। उन्होंने निर्णय पर पुनर्विचार नहीं किए जाने पर आंदोलन की चेतावनी दी है। मप्र शिक्षक संघ के प्रांताध्यक्ष डा. क्षत्रवीर सिंह राठौर ने इस संबंध में शासन-प्रशासन को पत्र लिखकर सभी परीक्षाएं और प्रशिक्षण कार्यक्रम जून में कराने की मांग की है।

10 साल में 1110 करोड़ रुपए की संपत्तियां बिकी

- मध्य प्रदेश पर 5 लाख करोड़ का कर्ज

भोपाल। मध्य प्रदेश सरकार हर साल हजारों करोड़ रुपए का लोन लेती है। मध्य प्रदेश शासन पर लिए गए ऋण की किस्त और ब्याज का बोझ लगातार बढ़ता चला जा रहा है। मध्य प्रदेश सरकार अपनी अनुपयोगी संपत्तियों को बेचकर धन जुटाने का जो प्रयास कर रहा है। उसमे पिछले 10 वर्षों में मात्र 101 लोक संपत्तियां ही नीलाम हो पाई हैं। इसमें मध्य प्रदेश सरकार को केवल 1110 करोड़ रुपए संपत्ति बेचने से प्राप्त हुए हैं। विधानसभा मे एक प्रश्न के जवाब में सरकार ने बताया है। सरकारी संपत्तियों का विक्रय करने के लिए लोक परिसंपत्ति प्रबंधन विभाग बनाया गया है। इसके माध्यम से संपत्तियों को नीलामी के माध्यम से विक्रय किया जा रहा है। मध्य प्रदेश सरकार के लोक संपत्ति प्रबंधन विभाग द्वारा जो संपत्ति नीलाम की गई है उसमें बस डिपो, सहकारी कारखाने इत्यादि की जमीने नीलामी के जरिए बेची हैं। जो संपत्ति बिकी है उसमें मुरैना का बस डिपो, शहडोल का बस डिपो, ब्यावर का बस डिपो, तराना बस डिपो, अलीराजपुर महिदपुर के बस डिपो तथा सहकारिता विभाग के अंतर्गत तिलहन संघ का जरेरुआ स्थित संयंत्र, खरगोन का पुराना जेल,पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस, इटारसी का सोयाबीन संयंत्र नागझिरी बिका है।

आईपीएल में अब तक विकेटकीपर के तौर पर संगकारा का रिकार्ड बरकरार

मुम्बई। इस माह के अंत में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) का 19 सत्र शुरु होगा। जिससे भी नये-नये रिकार्ड बनेंगे। अब तक हुए सत्रों में कई ऐसे रिकार्ड बने हैं जो अब तक कोई नहीं तोड़ पाया है। अब देखना है कि वह रिकार्ड इस सत्र में टूटता है या नहीं ये रिकार्ड है। विकेट के पीछ पांच शिकार करन का जो श्रीलंका के दिग्गज विकेटकीपर बल्लेबाज कुमार संगकारा के नाम है। यहां तक कि महेन्द्र सिंह धोनी भी इस रिकार्ड तक नहीं पहुंच पाये हैं। संगाकारा ने आईपीएल के चौथे सत्र में ये रिकार्ड बनाया था। तब साल 2011 में डेक्कन चार्जर्स का मुकाबला रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) से था। वहीं डेक्कन चार्जर्स की कप्तानी और विकेटकीपिंग कुमार संगाकारा कर रहे थे। उस मैच में संगाकारा ने विकेटों के पीछे से एक के बाद एक बेहतरीन कैच लेकर रिकॉर्ड बना दिया। उन्होंने 5 कैच लिए। संगाकारा के लिए यह उपलब्धि इसलिए भी अहम है, क्योंकि उन्होंने तिलकरत्ने दिलशान, विराट कोहली और एबी डीविलियर्स जैसे दिग्गजों के खिलाफ ये रिकार्ड बनाया था। चेन्नई सुपरकिंग्स के विकेटकीपर धोनी को दुनिया का सबसे तेज विकेटकीपर माना जाता है, जिनके नाम 0.08 सेकंड में स्टंपिंग करने का विश्व रिकॉर्ड है। धोनी ने आईपीएल करियर में कई बार एक मैच में 4 खिलाड़ियों को पेवेलियन भेजा है पर पांच शिकार उन्होंने नहीं किये हैं। संगाकारा ने तिलकरत्ने दिलशान, एबी डिविलियर्स, सौरभ तिवारी, जोहान वैन डेर वाथ और रायन निनन के विकेट लिए। संगाकारा की बेहतरीन विकेटकीपिंग के कारण चार्जर्स ने मुकाबला 33 रन से जीता। हैदराबाद के राजीव गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम में खेले गए आईपीएल 2011 के 11वें मुकाबले में डेक्कन चार्जर्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 5 विकेट खोकर 175 रन बनाए थे। भरत चिप्ली ने 35 गेंदों में नाबाद 61 रन की पारी खेली। उनके अलावा सनी सोहेल ने 38 रन और कुमार संगाकारा ने 36 रन का बनाये। जेपी ड्यूमिनी ने 22 रन बनाए। वहीं विरोधी टीम की ओर से जहीर खान ने सर्वाधिक 3 विकेट लिए जबकि जोहान वैन डेर वाथ और रायन निनन ने 1-1 विकेट अपने नाम किया। इसके जवाब में आरसीबी निर्धारित ओवरों में 9 विकेट खोकर 142 रन ही बना सकी।

वार्न सहित ये क्रिकेटर अपने करियर में नहीं बना पाये कोई शतक

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज स्पिनर शेन वार्न एक गेंदबाज होने के साथ ही निचले क्रम पर अच्छी बल्लेबाजी भी करते थे पर अपने करियर में वह एक भी टेस्ट शतक नहीं लगा पाये। एक बार वह शतक के बेहद करीब आ गये थे पर लगा नहीं पाये और 99 रनों पर आउट हो गये। वार्न सहित पांच क्रिकेटर ऐसे हैं जो अपने करियर में काफी रन बनाने के बाद भी शतक नहीं लगा पाये। इनमें श्रीलंका के निराशन डिकवेला, मिचेल स्टार्क, न्यूजीलैंड के टिम साउदी और भारत के चेतन चौहान है।

वॉर्न को दुनिया के महानतम लेग-स्पिनर के रूप में जाना जाता है पर वह निचले क्रम के एक बेहद उपयोगी और आक्रामक बल्लेबाज भी रहे थे। इस बात का पता इससे चलता है कि वॉर्न ने अपने करियर में 145 टेस्ट मैचों में 12 अर्धशतक लगाकर 3154 रन बनाये हैं हालांकि वह एक बार भी शतक पूरा नहीं कर पाये। विश्व का कोई दूसरा स्पिनर इतने रन नहीं बना पाया है। वॉर्न साल 2001 में न्यूजीलैंड के खिलाफ पर्थ टेस्ट में शतक के बेहद करीब पहुंचे थे। तब वॉर्न ने जबरदस्त बल्लेबाजी करते हुए 99 रन बना लिए थे पर डेनियल विटोरी की गेंद पर एक बड़ा शॉट खेलने की कोशिश में कैच हो गये थे। बाद में रिप्ले में देखा गया कि वह गेंद 'नो-बॉल' थी, लेकिन उस समय तकनीक अच्छी न होने से वॉर्न को रिव्यू नहीं मिला। वॉर्न उस पारी में ऑस्ट्रेलिया के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज थे। आठवें नंबर पर खेली वॉर्न की इस पारी से टीम हार से बच गयी थी। टेस्ट में बिना शतक सबसे ज्यादा रन बनाने वाले 5 बल्लेबाजों में दूसरे नंबर पर श्रीलंका के निरोशन डिकवेला हैं। डिकवेला ने अपने करियर में 2757 रन बनाये हैं और उनका सबसे अधिक स्कोर 96 रन रहा है। वहीं तीसरे नंबर पर ऑस्ट्रेलिया के मिचेल स्टार्क ने ड्ड 2478 रन बनाये हैं। उनका सबसे अधिक स्कोर 99 रन रहा है। वहीं न्यूजीलैंड के टिम साउदी ने 2245 जबकि भारत के चेतन चौहान के नाम 2084 रन हैं। वहीं गेंदबाजी में कई ऐसे रिकॉर्ड हैं, जिन्हें तोड़ना आज के दौर में लगभग नामुमकिन लगता है। वॉर्न के नाम टेस्ट क्रिकेट में सबसे अधिक 708 विकेट हैं। मुथैया मुरलीधरन (800) के बाद वे दुनिया के दूसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। वे 700 विकेट का आंकड़ा छूने वाले दुनिया के पहले गेंदबाज थे। साल 2005 में वॉर्न ने टेस्ट क्रिकेट में एक साल में 96 विकेट लिए थे. यह आज भी एक कैलेंडर वर्ष में किसी भी गेंदबाज द्वारा लिए गए सबसे ज्यादा टेस्ट विकेट का वर्ल्ड रिकॉर्ड है। टेस्ट और वनडे मिलाकर वॉर्न के नाम कुल 1001 विकेट हैं।

आईपीएल के एक सत्र में सबसे अधिक विकेट लेने का रिकार्ड है हर्षल और ब्रेवो के नाम

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 19वें सीजन इस माह के अंत में शुरु हो रहा है। ऐसे में अब तक हुए आईपीएल मुकाबलों और उनमें बने रिकार्डों को लेकर चर्चाएं होती रहती हैं। इसी में से एक रिकार्ड है सबसे अधिक विकेट का। अब तक कई गेंदबाजों ने आईपीएल में काफी विकेट लिए हैं पर किसी एक सत्र में सबसे अधिक विकेट की बात की जाये तो वह रिकाड अबतक संयुक्त रुप से दो गेंदबाजों हर्षल पटेल और ड्वेन ब्रावो नाम है। आरसीबी के हर्षल ने साल 2021 में बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए 15 मुकाबलों में कुल 32 विकेट लिए थे। उनका ये रिकार्ड अब तक कायम है अब देखना है कि इस सत्र में कोई गेंदबाज इसे तोड़ पाता है या नहीं। हर्षल ने आईपीएल 2021 में आरसीबी की ओर से खेलते हुए 15 मुकाबलों में 32 विकेट लिए थे। इस सत्र उन्होंने एक मुकाबले में 5 विकेट लिए थे। वहीं ड्वेन ब्रावो- ने आईपीएल 2013 में चेन्नई सुपर किंग्स की तरफ से खेलते हुए 32 विकेट निकाले थे। ब्रावो ने 18 मुकाबलों में केवल 7.95 की इकोनॉमी से रन दिये किए थे। ब्रावो की बेहतरीन गेंदबाजी के बल पर चेन्नई सुपर किंग्स फाइनल तक पहुंचने में सफल रही थी। हालांकि, खिताबी मुकाबले में टीम को मुंबई इंडियंस के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था।इसके अलावा दिल्ली कैपिटल्स की तरफ से खेलते हुए आईपीएल 2020 में कगिसो रबाडा ने 17 मुकाबलों में कुल 30 विकेट लिए थे ओर वह इस प्रकार दूसरे नंबर पर हैं। रबाडा ने इस सत्र में 2 मुकाबलों में 4 विकेट लेने का कारनामा किया था।लसिथ मलिंगा ने आईपीएल 2011 में मुंबई इंडियंस की ओर से खेलते हुए लसिथ मलिंगा ने 16 मुकाबलों में कुल 28 विकेट लिए थे और वह तीसरे नंबर पर हैं। इस सीजन 13 रन देकर 5 विकेट मलिंगा का बेस्ट प्रदर्शन रहा था। जेम्स फॉकनर ने राजस्थान रॉयल्स की तरफ से खेलते हुए जेम्स फॉकनर आईपीएल 2013 में सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे थे। फॉकनर ने इस सीजन 16 मुकाबलों में सिर्फ 6.75 की इकोनॉमी से रन देते हुए 28 विकेट लिए थे। वहीं मोहम्मद शमी ने गुजरात टाइटंस की ओर से खेलते हुए 17 मुकाबलों में 28 विकेट का रिकार्ड है।

न्यूजीलैंड के नये टी20 कप्तान बने नीशम

ऑकलैंड । न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड ने ऑलराउंडर जेम्स नीशम को अस्थायी रुप से टी20 टीम का नया कप्तान बनाया है। अब नीशम दक्षिण् अफ्रीका के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज के चौथे मुकाबले में टीम की कप्तानी करेंगे। ये पहली बार होगा जब नीशम टी20 अंतरराष्ट्रीय में कप्तानी करते दिखेंगे। न्यूजीलैंड बोर्ड के अनुसार वह चौथे टी20 मैच में टीम को नेतृत्व करेंगे। बोर्ड ने लिखा है, ऑलराउंडर जेम्स नीशम दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ कप्तान के तौर पर उतरने के साथ ही कप्तानी करने वाले 12वें खिलाड़ी बन जाएंगे। न्यूजीलैंड के लिए स्टीफन फ्लेमिंग सहित अब तक 11 कप्तानों ने टी20 अंतराष्ट्रीय क्रिकेट में कप्तानी की है। इसमें फ्लेमिंग सबसे पहले कप्तान बने। उसके बाद डेनिल विटोरी और ब्रैंडन मैकुलम और उसके बाद केन विलियमसन कप्तान बने। इसके अलावा काइल मिल्स और टिम साउदी व मिचेल सैंटनर ने भी टीम की कप्तानी संभाली। टॉम लैथम और माइकल ब्रेववेल भी इसके बाद कप्तान रहे। डेरिल मिचेल ने इस साल की शुरुआत से कप्तानी की है।

फिटनेस टेस्ट पास करने वालों को ही आईपीएल में खेलने के लिए एनओसी देंगे - श्रीलंकाई बोर्ड

कोलंबो। श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड ने कहा है कि जो भी खिलाड़ी आईपीएल के खेलने के लिए नो-ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट (एनओसी) चाहते हैं उन्हें पहले अपनी फिटनेस साबित करनी होगी। इसके बाद ही बोर्ड उन्हें एनओसी देखा। श्रीलंका के वानिंदु हसरंगा, मथीशा पथिराना सहित कई खिलाड़ी आईपीएल टीम से अनुबंधित हैं। अब इन खिलाड़ियों को आईपीएल से पहले अपनी देश में फिटनेस टेस्ट पास करना होगा। वहीं दुष्मंथा चमीरा, पथुम निसांका और कामिंदु मेंडिस जैसे खिलाड़ी फिटनेस जांच में पास को गये हैं और इन्हें आईपीएल में खेलने की अनुमति मिल गयी है।

वहीं बोर्ड ने कहा, आईपीएल में भाग लेने के लिए नुवान थुशारा, वानिंदु हसरंगा, ईशान मलिंगा और मथीशा पथिराना को फिजिकल परफॉर्मेंस टेस्ट पास करना होगा। इसका कारण है कि ये खिलाड़ी अभी भी अपनी चोटों से पूरी तरह नहीं उबरे हैं और रिहैब के दौर से गुजर रहे हैं। इन तीनों खिलाड़ियों को टी-20 विश्व कप के दौरान चोट लगी थी। वहीं पथिराना आईपीएल सत्र के शुरुआती मुकाबले नहीं खेल पायेंगे और अगले माह अप्रैल से ही खेलने तैयार होंगे।पाएंगे।

चयन समिति के नये अध्यक्ष प्रमोदया विक्रमसिंघे के पद संभालने के बाद से ही फिटनेस पर अधिक ज़ोर दिया जाने लगा है। टीम को मई के अंत तक कोई और अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेलना है, इसलिए इस समय को ट्रेनिंग और फिटनेस हासिल करने के लिए एक अवसर की तरह देखा जा रहा है। इसी को देखते हुए बोर्ड चाहता है इस समय का बेहतर उपयोग किया जाये। बोर्ड ने इसी को देखते हुए कहा है कि राष्ट्रीय अनुबंध प्राप्त सभी खिलाड़ियों के लिए आठ सप्ताह का एक खास फिजिकल ट्रेनिंग कार्यक्रम चलाया जा रहा है। इसका लक्ष्य आगामी अंतरराष्ट्रीय मैचों के लिए खिलाड़ियों को तैयार करना है। इस कार्यक्रम के साथ-साथ ही खिलाड़ियों के लिए फिजिकल परफॉर्मेंस टेस्ट रखा जा गया है जो सभी को पास करना होगा। यह एक नियमित प्रक्रिया का हिस्सा है, जिसका पालन खिलाड़ियों की फिटनेस के स्तर को जांचने के लिए किया जाता है। जा खिलाड़ी पूरी तरह से फिट होंगे उन्हें ही खेलने की अनुमति मिलेगी।

सुनील नरेन के खिलाफ वार्नर ने बनाये हैं सबसे अधिक रन

नई दिल्ली। आईपीएल में मिस्ट्री स्पिनर सुनील नरेन अपनी घातक गेंदबाजी के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने इस लीग में अब तक 192 विकेट लिए हैं। ये किसी भी गेंदबाज द्वारा आईपीएल में लिए गए सबसे अधिक विकेट हैं। उनकी गेंदबाजी केवल है डेविड वॉर्नर के खिलाफ सफल नहीं रही।

आईपीएल के नरेन के खिलाफ सबसे अधिक रन डेविड वॉर्नर ने बनाये हैं। जहां बाकी बल्लेबाज नरेन की गेंदबाजी पर बड़े शॉट्स खेलने से बचते रहे हैं, वहीं वॉर्नर ने नरेन के खिलाफ 97.5 की औसत और 158.5 के स्ट्राइक रेट के साथ सबसे अधिक 195 रन बनाए हैं। वहीं विराट कोहली आईपीएल में रवींद्र जडेजा और आर अश्विन जैसे अनभवी भारतीय स्पिनरों के खिलाफ काफी रन बनाये हैं। कोहली ने अश्विन के खिलाफ 181 जबकि जडेजा के खिलाफ 179 रन बनाए हैं।

वहीं रोहित शर्मा ने अनुभवी उमेश यादव के खिलाफ जमकर रन बनाये हैं। रोहित ने उमेश के खिलाफ 170 रन बनाए हैं। इस लिस्ट में रोहित के ऊपर मिस्टर आईपीएल सुरेश रैना का भी नाम है।

भारत की मेजबानी करने बांग्लादेश ने आयरलैंड दौरा रद्द किया

ढ़ाका। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने भारतीय टीम के खिलाफ सीरीज खेलने के लिए आयरलैंड का अपना दौरा स्थगित कर दिया है। ये वही सीरीज है जो पिछले साल बांग्लादेश में हालात ठीक नहीं होने के कारण सथगित कर दी गयी थी। अब बांग्लादेश की टीम भारत के खिलाफ उस सीरीज को खेलना चाहती है। वहीं इसी दौरान आयरलैंड दौरा बीच में आ गया इसी कारण बीसीबी ने इसे रद्द कर दिया है।

एक रिपोर्ट के अनुसार बांग्लादेश ने इसको लेकर पहले ही आयरलैंड बोर्ड बो बता दिया था और उसे किसी और समय सीरीज रखने का कहा था पर मगर आयरलैंड ने इससे इंकार कर दिया।

धोनी बोले आईपीएल में हैरान कर सकता है युवा ऑलराउंडर प्रशांत वीर

चेन्नई। चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी ने युवा ऑलराउंडर प्रशांत वीर की जमकर प्रशंसा की है। प्रशांत को सीएसके ने आईपीएल नीलामी में 14.2 करोड़ रुपये में खरीदा था। इसी का एक वीडियो सीएसके ने जारी किया है। इस वीडियो में धोनी युवा ऑलराउंडर प्रशांत की प्रशंसा करते हुए कहते हैं ये ऑलरांउडर लीग में अपने प्रदर्शन से सभी को हैरान कर सकता है। धोनी कभी कभार ही किसी खिलाड़ी की तारीफ करते हैं, इसलिए उनकी बात को काफी महत्व दिया जाता है। अभ्यास सत्र में जब प्रशांत वीर बल्लेबाजी कर रहे थे तब विकेट के पीछे से धोनी उनपर नजर रखे थे। वीर ने ऑफ साइड में शानदार शॉट लगाया, जिस पर धोनी ने तुरंत तारीफ करते दिखे। इसके बाद वीर ने एक शानदार स्कूप शॉट खेला, जिस पर भी धोनी ने बाउंड्री होने का इशारा किया। इसके बाद प्रशांत ने सीधा स्ट्रेट ड्राइव खेला, जिसे देखने के बाद धोनी ने उनकी जमकर सराहना की। इसका एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर आया है। प्रशंसकों ने भी इस युवा खिलाड़ी की जमकर प्रशंसा की है। सीएसके के खेमें में भी इससे उत्साह छाया हुआ है।

प्रशांत वीर उत्तर प्रदेश के युवा ऑलराउंडर हैं, जो बाएं हाथ के बल्लेबाज और स्पिन गेंदबाज हैं। वह आमतौर पर निचले मुध्यक्रम में बल्लेबाजी करते हैं। घरेलू क्रिकेट में अ अच्छे प्रदर्शन के बाद आईपीएल में उन्हें अवसर मिला है। मिनी ऑक्शन में वह 14.20 करोड़ में बिके थे। इस प्रकार वह आईपीएल इतिहास के सबसे महंगे अनकैप्ड खिलाड़ियों में आ गये थे। प्राशांत ने अंडर-23 टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया था। उन्होंने 7 मैचों में 376 रन बनाए, जिसमें उनका औसत 94 और स्ट्राइक रेट 128.76 रहा।

केकेआर के तेज गेंदबाज आकाशदीप आईपीएल से बाहर हुए

मधवाल को मिल सकता है अवसर

कोलकाता । कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के तेज गेंदबाज आकाश दीप चोटिल होने के कारण इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 से बाहर हो गये हैं। ऐसे में केकेआर की मुश्किलें बढ़ गयी हैं। आकाशदीप जैसे बेहतरीन गेंदबाज की कमी पूरी करना आसान नहीं है। इसी कारण अब टीम प्रबंधन नए विकल्प तलाशने में लग गयी है। इसी कारण अब उसकी नजरें तेज गेंदबाज़ आकाश मधवाल को शामिल करने पर लगी हैं। आकाश ने पूर्व में मुम्बई इंडियंस की ओर से खेला है। आकाश दीप को केकेआर ने प्रमुख ने तेज़ गेंदबाज़ के तौर पर रखा था पर वह फिट नहीं होने से लीग से बाहर हो गये हैं। वह पीठ के निचले हिस्से में खिंचाव से परेशान हैं। इसी कारण उन्हें करीब तीन महीने तक खेल से दूर रहना पड़ेगा। इससे साफ हो गया है कि वह इस पूरे सत्र में नहीं खेलेंगे।

केकोर का को इस प्रकार दूसरा झटका लगा है। इससे पहले उनके तेज़ गेंदबाज़ हर्षित राणा भी चोटिल होने के कारण सत्र से बाहर हो गये थे। अपने दो प्रमुख गेंदबाजों के खोने का प्रभाव मैच में नजर आयेगा। राणा को विश्वकप से पहले ही अभ्यास मैच के दौरान चोट लगी थी, जिसके बाद से ही वह टीम से बाहर हैं। दो तेज गेंदबाजों के बाहर होने से केकेआर की गेंदबाजी इकाई काफी कमजोर नजर आ रही है। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार केकेआर अब मधवाल को आकाश दीप के विकल्प के तौर पर टीम में शामिल करने की योजना बना रही है। मधवाल पहले मुंबई इंडियंस का हिस्सा रहे हैं और आईपीएल में अपने प्रदर्शन से पहचान बना चुके हैं। खासकर 2023 के एलिमिनेटर मैच में लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ उन्होंने शानदार गेंदबाजी की थी। विकेट लेने की क्षमता इस गेंदबाज को विशेष बनाती है।

वहीं इसके अलावा केकेआर युवा आरएस अंबरीश को भी टीम में शामिल करने पर विचार कर रही है। अंबरीश हाल ही में अंडर-19 विश्व कप जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा थे और उन्होंने टूर्नामेंट में 11 विकेट लेकर अपनी क्षमता साबित की थी। टीम ने पहले ही लीग से हटाये गये बांग्लादेशी गेंदबाज मुस्तफिज़ुर रहमान की जगह जिम्बाब्वे के ब्लेसिंग मुज़रबानी को शामिल किया था।

ईद पर सेवइयां और शीर खुरमा बनाते दिखे बाबर

लाहौर । पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान बाबर आजम को ईद के अवसर पर अपने घर में सेवइयां और शीर खुरमा बनाते देखा गया। बाबर का ये अंदाज देखकर उनके प्रशंसक भी उत्साहित दिखे। मैदान पर रन बनाने के लिए मशहूर बाबर इस बार किचन में पकवान बनाते दिखे। इसका एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर आया है। इसमें देखा गया कि ईद के खास मौके पर बाबर ने अपने घर में सेवइयां और शीर खुरमा तैयार किया। उन्होंने इसे अपनी 'ईद की मीठी पहचान' बताया और प्रशंसकों को अपनी निजी जिंदगी की झलक दिखाई। वीडियो में बाबर बेहद ध्यान से पकवान बनाते नजर आए, जिसने प्रशंसक हैरान रह गये।क्रिकेट के मैदान से अलग हटकर दिखा यह अंदाज़ लोगों को काफी पसंद आया और सभी ने सोशल मीडिया पर इसकी प्रशंसा की। जहां एक तरफ बाबर का यह वीडियो वायरल हो रहा था, वहीं दूसरी ओर उनकी फिटनेस और खराब प्रदर्शन को लेकर बहस जारी है। एक रिपोर्ट्स के अनुसार फखर जमान और बाबर ने पूरी तरह से फिट नहीं होने के बाद भी विश्वकप में खेला था। इस बात के सामने आने के बाद कई पूर्व क्रिकेटरों ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड पर सवाल उठाये हैं। उनका कहना है कि अनफिट खिलाड़ी को किस प्रकार टीम में जगह मिल गयी।

आईपीएल में वापसी के लिए श्रेयस को बढ़ाना पड़ा वजन

मोहाली। पंजाब किंग्स टीम के कप्तान श्रेयस अय्यर ने कहा है कि वह आईपीएल सत्र के लिए तैयार हैं। श्रेयस ने कहा कि कि वह अपनी चोट से उबर गये हैं और नए सत्र के लिए तैयार हैं। इस दौरान श्रेयस ने उस समय को याद किया जब ऑस्ट्रेलिया में लगी चोट के कारण उनका वजन भी काफी कम हो गया था। जिसे फिर से बढ़ाने के लिए उन्हें कड़ी मेहनत करनी पड़ी है। श्रेयस को अक्टूबर में भारत की ऑस्ट्रेलिया के बीच हुई एकदिवसीय सीरीज के दौरान पेट में गंभीर चोट लग गई थी। जिसके बाद उन्हें आईसीयू में भी रहना पड़ा था। इसी कारण वह कई हफ्तों तक टीम से बाहर रहे और उन्हें रिहैब से भी गुजरना पड़ा। वहीं अब श्रेयस ने कहा है कि वह दौर उनके लिए काफी कठिन था। साथ ही कहा, चोट के बाद वापसी करना हमेशा ही कठिन होता है। मेरा वजन भी तकरीबन 7 किलो कम हो गया था पर राहत की बात ये रही कि दो माह बाद मैं फिर से फिट हो गया।

इस बल्लेबाज ने कहा, 7 किलो वजन दोबारा बढ़ाना उनके लिए काफी कठिन काम था। मुझे चुनौतियां पसंद हैं और ये भी एक बड़ी चुनौती थी जिसे निकलना था। मैं खुश हूं कि उस दौर से निकलकर अब फिर से अपनी टीम से खेलने तैयार हूं। श्रेयस को अक्टूबर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे एकदिवसीय के दौरान चोट लगी थी। अय्यर ने इस साल की शुरुआत में वापसी की थी, इससे उन्हें आईपीएल की तैयारी करने का अवसर मिल गया। इस खिलाड़ी का कहना है कि अब उनका लक्ष्य बेहतर प्रदर्शन कर अपनी टीम को ट्रॉफी जिताना रहेगा।

सनराइजर्स की गेंदबाजी है कमजोर - आकाश चोपड़ा

नई दिल्ली । पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने कहा है कि आईपीएल टीम सनराइजर्स हैदराबाद के पास कई आक्रामक बल्लेबाज है, इससे वह बड़े स्कार बना सकती है पर टीम के पास अच्छे गेंदबाज नहीं है जो उसका कमजोर पक्ष हैं। ऐसे में अगर ये टीम 250 से अधिक रन बना सकती है तो भी उसकी जीत तय नहीं है क्योंकि उसे गेंदबाज इतने रन लुटा देंगे। सनराइजर्स को अपने पहले मुकाबले में 28 मार्च को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु का सामना करना है। उनके शुरुआती कुछ मैचों के लिए नियमित कप्तान और तेज गेंदबाज पैट कमिंस उपलब्ध नहीं होंगे, वहीं कुछ और खिलाड़ियों की चोट से भी टीम की गेंदबाजी कमजोर हुई है। चोपड़ा के अनुसार कमिंस और ईशान मलिंगा टूर्नामेंट की शुरुआत में नहीं रहेंगे। वहीं जैक एडवर्ड्स भी बाहर हो गये हैं। आकाश ने कहा, चुनौतियां तो होंगी, क्योंकि गेंदबाजी को एक बड़ा झटका लगा है। पैट कमिंस तो पहले से ही टीम में नहीं थे। इसलिए गेंदबाजी पहले से ही थोड़ी कमजोर थी, और अगर ईशान मलिंगा भी नहीं खेलते हैं, तो इसका मतलब है कि आपको ब्रायडन कार्स को खिलाना पड़ेगा। उन्होंने आगे कहा, जब मैं उनकी गेंदबाजी देखता हूं, तो उसमें अमित कुमार, प्रफुल हिंगे, साकिब हुसैन, ओंकार तरमाले, जयदेव उनादकट, जीशान अंसारी, हर्षल पटेल, शिवम मावी, शिवांग कुमार और हर्ष दुबे जैसे नये खिलाड़ी हैं जिनमें अनुभवी की कमी है।

पीएम मोदी ने रचा इतिहास

भारत में सबसे लंबे समय तक सरकार चलाने वाले नेता बने

नई दिल्ली। भारत की राजनीति में एक बड़ा इतिहास रचते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अब देश के सबसे लंबे समय तक सरकार चलाने वाले नेता बन गए हैं। उन्होंने सिक्किम के पूर्व मुख्यमंत्री पवन कुमार चामलिंग का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। देखा जाए तो यह उपलब्धि केवल आंकड़ों का खेल नहीं, बल्कि दशकों तक लगातार नेतृत्व, जनसमर्थन और राजनीतिक स्थिरता की कहानी भी है। पीएम मोदी अब तक कुल 8931 दिन सरकार के मुखिया (हेड ऑफ गवर्नमेंट) के रूप में काम कर चुके हैं।

इसमें उनका गुजरात के मुख्यमंत्री और भारत के प्रधानमंत्री के रूप में कार्यकाल शामिल है। इससे पहले यह रिकॉर्ड पवन कुमार चामलिंग के नाम था, जिन्होंने 8930 दिन तक सिक्किम के मुख्यमंत्री के तौर पर यह जिम्मेदारी संभाली थी। पीएम मोदी की यह उपलब्धि भारत के राजनीतिक इतिहास में एक बड़ा मील का पत्थर मानी जा रही है।

गुजरात के लंबे समय तक सीएम रहे, फिर बने पीएम

बता दें कि पीएम नरेंद्र मोदी ने 7 अक्तूबर 2001 को गुजरात के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी। वह लंबे समय तक इस पद पर बने रहे और अपने कार्यकाल में कभी चुनाव नहीं हारे। साल 2014 में प्रधानमंत्री पद के लिए नाम सामने आने के बाद उन्होंने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया। गुजरात के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद पीएम नरेंद्र मोदी ने 2014 में लोकसभा चुनाव में बड़ी जीत हासिल कर प्रधानमंत्री पद संभाला। इसके बाद 2019 और 2024 में भी उन्होंने लगातार जीत दर्ज की। खास बात यह है कि अपने पूरे राजनीतिक करियर में उन्होंने अब तक कोई बड़ा चुनाव नहीं हारा है।

जमीन बचाने के लिए क्या किया...

- बारिश की कमी वाले कच्छ के रण में घास लगाकर जमीन को मरूस्थली बनने से रोका
- लैंड रिस्टोरेशन के लिए सेंटर फॉर एक्सीलेंस तैयार किया, सहयोगी देशों की मदद की
- 2030 तक 26 लाख हेक्टेयर जमीन को हराभरा बनाने का लक्ष्य तय किया है

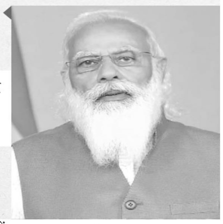

पीएम मोदी ने अपने सफर को किया याद

न्यूज एजेंसी एएनआई के मुताबिक पीएम मोदी ने अपने सफर को याद करते हुए बताया कि जब उन्होंने 2001 में गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में काम शुरू किया, तब राज्य कई बड़ी मुश्किलों से गुजर रहा था। गुजरात भूकंप, चक्रवात, सूखा और राजनीतिक अस्थिरता जैसी समस्याओं से जूझ रहा था। उन्होंने कहा कि इन चुनौतियों ने उन्हें और मजबूत बनाया और उन्होंने राज्य को आगे बढ़ाने के लिए पूरी ताकत लगा दी। उन्होंने अपनी मां की एक सीख का भी जिक्र किया, गरीबों के लिए काम करना और कभी रिश्वत न लेना, जैसी सीख को उन्होंने अपने जीवन का मार्गदर्शन बताया।

पीएम मोदी ने बताई गुजरात की बात

पीएम मोदी के अनुसार, उनके कार्यकाल में गुजरात ने कृषि, उद्योग और इंफ्रास्ट्रक्चर में काफी तरक्की की और एक मजबूत राज्य के रूप में उभरा। उन्होंने यह भी कहा कि 2014 में जब उन्हें प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार बनाया गया, तब देश में भरोसे का संकट था, लेकिन जनता ने उन्हें मजबूत समर्थन दिया।

प्रधानमंत्री के तौर पर पीएम मोदी

इसके साथ ही पीएम मोदी ने दावा किया कि पिछले 11 वर्षों में 25 करोड़ से ज्यादा लोग गरीबी से बाहर आए हैं और भारत दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में एक मजबूत देश बनकर उभरा है। पीएम मोदी ने महिलाओं (नारी शक्ति), युवाओं और किसानों के सशक्तिकरण पर जोर देते हुए कहा कि देश की सेवा करना उनके लिए सबसे बड़ा सम्मान है। उन्होंने विकसित भारत के लक्ष्य को पूरा करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को ऐतिहासिक उपलब्धि पर देशभर से बधाइयाँ

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को स्वतंत्र भारत के इतिहास में सरकार के प्रमुख के रूप में सबसे लंबे समय तक सेवा करने का नया कीर्तिमान स्थापित करने पर देशभर से बधाइयाँ मिल रही हैं। इस उपलब्धि के बाद विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्रियों और भाजपा नेताओं ने उन्हें शुभकामनाएं दीं और उनके नेतृत्व की सराहना की। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का 8931 दिनों का सार्वजनिक जीवन केवल एक राजनीतिक यात्रा नहीं, बल्कि निरंतर तप, त्याग और राष्ट्रसेवा का प्रतीक है।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए प्रधानमंत्री को इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि उनके कुशल मार्गदर्शन में देश विकसित भारत के संकल्प की ओर लगातार आगे बढ़ रहा है। रेखा गुप्ता ने यह भी लिखा कि गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में विकास की नई दिशा देने से लेकर प्रधानमंत्री के रूप में भारत को वैश्विक स्तर पर नई पहचान दिलाने तक उनकी यात्रा राष्ट्र प्रथम और अंत्योदय के सिद्धांतों को साकार करती है।

प्रेग्नेंट महिला को अमेरिकी कंपनी ने वर्क-फ्रॉम होम नहीं दिया

जन्म के बाद नवजात की मौत, 200 करोड़ जुर्माना

वॉशिंगटन। अमेरिका के ओहायो में एक कंपनी को करीब 200 करोड़ रूपए(2.25 करोड़ डॉलर) का जुर्माना भरने का आदेश दिया गया है। चेल्सी वॉल्श नाम की महिला टोटल क्वालिटी लॉजिस्टिक्स अमेरिकी कंपनी में काम करती थीं। फरवरी 2021 में उन्होंने वर्क फ्रॉम होम की इजाजत मांगी थी। कंपनी ने उन्हें ऑफिस आकर काम करने या बिना सैलरी छुट्टी लेने का ऑप्शन दिया, जिससे उनकी इनकम और हेल्थ इंश्योरेंस पर असर पड़ता। मजबूरी में उन्हें 22 फरवरी से ऑफिस जाकर काम करना पड़ा। लगातार तीन दिन काम करने के बाद 24 फरवरी को उन्हें समय से पहले डिलीवरी हो गई। महिला ने एक बच्ची को जन्म दिया, लेकिन जन्म के कुछ ही घंटों बाद उसकी मौत हो गई। कोर्ट ने माना कि अगर महिला को घर से काम करने दिया जाता, तो स्थिति अलग हो सकती थी। इसी आधार पर कंपनी पर भारी जुर्माना लगाया गया। महिला की प्रेग्नेंसी हाई-रिस्क थी और डॉक्टर ने उन्हें घर पर आराम करने और वर्क-फ्रॉम होम करने की सलाह दी थी, लेकिन कंपनी ने उनकी यह मांग ठुकरा दी। कोर्ट ने माना कि यह मामला कंपनी के फैसले से जुड़ा हुआ है। बच्ची का जन्म तय समय से करीब 18 हफ्ते पहले हुआ था। जन्म के समय वह सांस ले रही थी और उसका दिल धडक़ रहा था, लेकिन करीब डेढ़ घंटे बाद उसकी मौत हो गई। इसके बाद परिवार ने कंपनी के खिलाफ केस किया। उनका कहना था कि वर्क-फ्रॉम होम की इजाजत मिलती, तो महिला को आराम मिलता और यह हादसा टल सकता था। मामला हैमिल्टन काउंटी की अदालत में चला, जहां जूरी ने कंपनी को दोषी माना। जहां कंपनी की जिम्मेदार मानते हुए 2.25 करोड़ डॉलर देने का आदेश दिया गया। कोर्ट ने इसे एक दुखद घटना बताते हुए कहा कि कंपनी को कर्मचारी की स्थिति को समझना चाहिए था।

प्रेग्नेंट महिलाओं को लेकर अलग-अलग नियम

दुनियाभर में प्रेग्नेंट महिलाओं के काम से जुड़े अधिकारों को लेकर अलग-अलग कानून हैं, लेकिन कुछ सामान्य नियम हर जगह लागू होते हैं। इन नियमों के तहत प्रेग्नेंसी के कारण किसी महिला के साथ भेदभाव नहीं किया जा सकता और जरूरत पडऩे पर वर्क फ्रॉम होम की सुविधा दी जा सकती है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर यह माना जाता है कि प्रेग्नेंट महिलाओं को रीजनेबल अकॉमोडेशन यानी उचित सुविधा दी जानी चाहिए। इसमें काम के घंटे कम करना, हल्का काम देना या घर से काम करने की इजाजत शामिल हो सकती है।

लोकतंत्र की पावन धरती बिहार, ज्ञान-परंपरा और सभ्यता का प्रतीक

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने बिहार दिवस अवसर पर प्रदेशवासियों को बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। खड़गे ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा- लोकतंत्र की पावन धरती बिहार, ज्ञान-परंपरा और सभ्यता का प्रतीक है। इस भूमि से महात्मा गांधी ने अंग्रेजी हुकूमत के विरुद्ध देशवासियों की आवाज को एक नई दिशा दी थी। बिहार दिवस के इस शुभ अवसर पर सभी प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं। हमारी कामना है कि आप सभी राष्ट्र की प्रगति और विकास में निरंतर अपना अमूल्य योगदान देते रहें।

वहीं राहुल गांधी ने लिखा- बिहार भारत का ज्ञान-पुंज और हमारा गौरव है, जिसने अपने समृद्ध इतिहास और संस्कृति से हमेशा देश का मार्गदर्शन किया है। बिहार दिवस की सभी प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं। सांसद प्रियंका गांधी ने कहा कि बिहार स्थापना दिवस पर राज्य के सभी बहनों-भाइयों को हार्दिक शुभकामनाएं। बिहार ज्ञान, परम्परा, परिश्रम, प्रेम, क्रांति एवं अध्यात्म की धरती है। हमारे स्वतंत्रता आंदोलन से लेकर देश के निर्माण तक बिहार की जनता ने अहम भूमिका निभाई है। इस अवसर पर सभी प्रदेशवासियों के लिए सुख-समृद्धि की कामना करती हूं।

पीएम मोदी, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सहित कई राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने बिहार दिवस के मौके पर राज्य के लोगों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि वीरता, विद्या और विरासत की गौरवशाली धरती बिहार ने सदियों से देश को दिशा दी है। पीएम मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि बिहार दिवस के अवसर पर राज्य के अपने सभी परिवारजनों को अनेकानेक शुभकामनाएं। मुझे विश्वास है कि विकसित बिहार के साथ विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में यहां के कर्मठ एवं ऊर्जावान लोगों का समर्पण और सामर्थ्य बहुत काम आएगा।

जहरीले दूध से हड़कंप : आंध्र प्रदेश में 16 मौतें, कई की हालत गंभीर

पूर्वी गोदावरी । आंध्र प्रदेश में एक दर्दनाक घटना ने खाद्य सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता खड़ी कर दी है। आंध्र प्रदेश के पूर्वी गोदावरी जिले में मिलावटी दूध पीने से अब तक 16 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि तीन मरीजों की हालत अभी भी नाजुक बनी हुई है। लालाचेरुवु, चौदेस्वरनगर और स्वरूपनगर जैसे इलाकों में फरवरी के मध्य से ही लोगों के बीमार पड़ने की घटनाएं सामने आने लगी थीं। पीड़ितों में उल्टी, तेज पेट दर्द, पेशाब रुकना और किडनी फेलियर जैसे खतरनाक लक्षण देखे गए। जांच में खुलासा हुआ कि नरसापुरम गांव की एक स्थानीय डेयरी यूनिट से सप्लाई किए गए दूध में एथिलीन ग्लाइकॉल नामक जहरीला रसायन मिला हुआ था। यह पदार्थ आमतौर पर एंटी-फ्रीज में इस्तेमाल किया जाता है और मानव शरीर के लिए बेहद घातक माना जाता है। इस जहरीले दूध के सेवन से 100 से अधिक परिवार प्रभावित हुए, जिनमें बच्चे और बुजुर्ग भी शामिल हैं। कई मरीजों को गंभीर स्थिति में अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उन्हें डायलिसिस और वेंटिलेटर सपोर्ट तक की जरूरत पड़ी। स्वास्थ्य विभाग की जांच में यह भी सामने आया कि पीड़ितों के शरीर में ब्लड यूरिया और सीरम क्रिएटिनिन का स्तर असामान्य रूप से बढ़ा हुआ था, जो किडनी को गंभीर नुकसान पहुंचने का संकेत है। घटना के बाद प्रशासन ने तुरंत दूध की सप्लाई पर रोक लगा दी और प्रभावित इलाकों में घर-घर जाकर सर्वे शुरू किया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए प्रशासन ने संदिग्ध दूध विक्रेता को गिरफ्तार कर लिया है। फूड सेफ्टी विभाग ने डेयरी यूनिट से दूध, दही, घी और पानी के नमूने एकत्र किए हैं, वहीं पशुपालन विभाग ने पशु चारे और पानी की भी जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने अप्राकृतिक मौत का मामला दर्ज कर जांच तेज कर दी है।

कर्नाटक उपचुनाव : कांग्रेस ने बागलकोट और दावणगेरे दक्षिण से उम्मीदवार घोषित किए

नई दिल्ली। कर्नाटक की दो विधानसभा सीटों बागलकोट और दावणगेरे दक्षिण पर होने वाले उपचुनाव के लिए कांग्रेस पार्टी ने अपने उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने प्रस्ताव को मंजूरी देते हुए उम्मीदवारों के नाम पर अंतिम मुहर लगाई। पार्टी ने बागलकोट सीट से एचवाई मेती के छोटे बेटे उमेश मेती को टिकट दिया है, जबकि दावणगेरे दक्षिण से शमनूर शिवशंकरप्पा के पोते समर्थ मल्लिकार्जुन को उम्मीदवार बनाया गया है।

कांग्रेस ने सहानुभूति के आधार पर दोनों सीटों पर परिवार के सदस्यों को मौका दिया है, क्योंकि इन दोनों क्षेत्रों में पहले जीत दर्ज करने वाले विधायकों का निधन हो चुका है। दावणगेरे दक्षिण सीट शमनूर शिवशंकरप्पा के निधन के बाद खाली हुई थी, वहीं बागलकोट से विधायक एचवाई मेती के निधन के कारण यह सीट भी रिक्त हुई। टिकट की आधिकारिक घोषणा कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव के.सी. वेणुगोपाल ने रविवार को की। टिकट घोषित होने के बाद समर्थ मल्लिकार्जुन और उमेश मेती ने सोमवार को अपने-अपने समर्थकों के साथ नामांकन दाखिल करने की तैयारी शुरू कर दी है। कांग्रेस के इस फैसले से पार्टी के भीतर टिकट को लेकर बनी असमंजस की स्थिति भी समाप्त हो गई है। दूसरी ओर, भारतीय जनता पार्टी ने भी इन दोनों सीटों पर अपने उम्मीदवार उतार दिए हैं। बागलकोट से वीरभद्रय्या चारंतिमठ को और दावणगेरे दक्षिण से श्रीनिवास टी. दास करियप्पा को टिकट दिया गया है। भाजपा प्रत्याशी पहले ही अपना नामांकन दाखिल कर चुके हैं।

चुनाव कार्यक्रम के अनुसार, इन दोनों सीटों पर 9 अप्रैल को मतदान होगा, जबकि नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 23 मार्च तय की गई है। 24 मार्च को नामांकन पत्रों की जांच की जाएगी और 4 मई को उपचुनाव के नतीजे घोषित किए जाएंगे। वर्ष 2023 के विधानसभा चुनाव में दोनों सीटों पर कांग्रेस ने जीत दर्ज की थी, जिसमें दावणगेरे दक्षिण से शमनूर शिवशंकरप्पा ने बड़ी बढ़त से जीत हासिल की थी, जबकि बागलकोट सीट पर एचवाई मेती ने भी महत्वपूर्ण अंतर से विजय प्राप्त की थी।

सरकार ने व्हाट्सएप को चेताया कहा- ठगी करने वालों को तत्काल ब्लॉक करें

नई दिल्ली। देश में तेजी से बढ़ रहे डिजिटल अरेस्ट घोटालों पर लगाम लगाने के लिए केंद्र सरकार ने मैसेजिंग प्लेटफॉर्म व्हाट्सएप को कड़े कदम उठाने के निर्देश दिए हैं। गृह मंत्रालय द्वारा गठित उच्च स्तरीय अंतर-विभागीय समिति ने व्हाट्सएप से ऐसे डिवाइस आईडी को ब्लॉक करने को कहा है, जिनका इस्तेमाल बार-बार ठगी के लिए किया जा रहा है। सूत्रों के मुताबिक, यह फैसला हाल ही में हुई उच्चस्तरीय बैठक में लिया गया, जिसमें प्लेटफॉर्म की सुरक्षा प्रणाली को मजबूत करने और फर्जी खातों पर नियंत्रण के उपायों पर विस्तार से चर्चा हुई। उच्च पदस्थ सूत्रों ने बताया, बैठक में यह भी चर्चा हुई कि स्काइप की तरह व्हाट्सऐप पर भी सुरक्षा फीचर्स लागू किए जाएं। इनमें संदिग्ध कॉल पर चेतावनी, कॉलर की अतिरिक्त जानकारी और संभावित ठगी की पहचान शामिल हो सकती है। व्हाट्सऐप ने इन सुझावों को लागू करने पर सहमति जताई है और कुछ उपायों को लागू करने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी है। पिछले साल नवंबर में डिपार्टमेंट ऑफ टेलिकॉम ने निर्देश जारी कर ऐप-आधारित सेवाओं को सिम लिंकिंग अनिवार्य करने को कहा था। इसका उद्देश्य यूज़र्स की पहचान सुनिश्चित करना और मल्टी-डिवाइस के दुरुपयोग को रोकना है। व्हाट्सऐप ने संकेत दिया है कि वह इस निर्देश को अगले 4ङ्क6 महीनों में लागू करेगा और एक्शन टेकन रिपोर्ट भी सौंपेगा।सरकारी अधिकारियों के अनुसार, प्लेटफॉर्म ने जांच एजेंसियों के साथ सहयोग बढ़ाने, संदिग्ध गतिविधियों की समय पर रिपोर्टिंग और फर्जी खातों पर त्वरित कार्रवाई का आश्वासन दिया है।इसके अलावा, व्हाट्सऐप अब प्रोफाइल फोटो और अन्य डेटा का मिलान कर इम्पर्सोनेशन (फर्जी पहचान) के मामलों को पकड़ने की तकनीक भी मजबूत करेगा।

नीतीश कुमार का जेडीयू का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनना तय, 24 को हो सकती है घोषणा

पटना। जेडीयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय कुमार झा ने कहा है कि नीतीश कुमार का पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनना तय है और 24 मार्च को इसकी घोषणा की जाएगी। पार्टी सूत्रों के मुताबिक रविवार तक नामांकन भरने की आखिरी तारीख है। 24 मार्च को नाम वापस लेने की डेडलाइन है। अगर कोई और नामांकन नहीं आया तो 24 मार्च को ही निर्विरोध चुनाव की घोषणा होगी। जानकारी के मुताबिक स्क्रूटनी 23 मार्च को होगी। अगर जरूरत पड़ी तो 27 मार्च को वोटिंग कराई जाएगी।

बता दें यह नीतीश कुमार का चौथा या पांचवां टर्म होगा। राज्यसभा सांसद चुने जाने के बाद वे राष्ट्रीय स्तर पर ज्यादा सक्रिय रहेंगे। संजय झा ने कहा कि नीतीश कुमार पार्टी और सरकार दोनों को गाइड करेंगे। यहां यह भी बता दें कि बिहार में समृद्धि यात्रा जारी है, लेकिन अब फोकस राष्ट्रीय राजनीति पर शिफ्ट हो रहा है। वहीं। बीते आठ मार्च को जदयू में विधिवत रूप से शामिल हुए सीएम नीतीश कुमार के पुत्र निशांत कुमार को लेकर संजय झा ने और भी बड़ा बयान दिया है। झा ने कहा कि निशांत कुमार बहुत जल्द सरकार और संगठन दोनों में अहम जिम्मेदारी संभालेंगे। युवा नेताओं और कार्यकर्ताओं में उनकी अच्छी पॉपुलैरिटी है। नई बिहार सरकार में वे कैबिनेट का हिस्सा बन सकते हैं।

जेडीयू नेता अब खुलकर कह रहे हैं कि निशांत पिता के विकास कार्यों को आगे बढ़ाएंगे और पार्टी में उनका रोल जल्द तय होगा। नीतीश कुमार के राज्यसभा जाने के बाद बिहार में नया मुख्यमंत्री बन सकता है और निशांत को डिप्टी सीएम या मंत्री जैसी बड़ी जिम्मेदारी मिलने की चर्चा तेज है। ऐसे में साफ है कि संजय झा का यह बयान बिहार की राजनीति में नया टर्निंग पॉइंट साबित हो सकता है। नीतीश राष्ट्रीय अध्यक्ष बनकर केंद्र की राजनीति पर फोकस करेंगे, जबकि निशांत राज्य स्तर पर पार्टी को मजबूत करेंगे। जेडीयू कार्यकर्ता इस फैसले से खुश हैं और 24 मार्च का इंतजार अब खत्म होने वाला है।

इस पूरे घटनाक्रम पर राजनीति के जानकारों का मानना है कि अगर नीतीश कुमार पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनते हैं, तो वे एक साथ संगठन और सत्ता दोनों पर अपनी पकड़ मजबूत कर लेंगे। वहीं, इस पूरे घटनाक्रम के बीच संजय झा के मुताबिक पिछले कुछ समय से निशांत सार्वजनिक रूप से सक्रिय हैं और पार्टी से जुड़े कार्यक्रमों में उनकी मौजूदगी बढ़ी है। ऐसे में जेडीयू के अंदर इसे 卐नेतृत्व की अगली पीढ़ी卐 के रूप में देखा जा रहा है। ऐसे में आने वाले दिनों में यह देखना होगा कि यह बदलाव बिहार की राजनीति और एनडीए के अंदर की राजनीति पर क्या असर डालते हैं।

ममता, बंगाल की मां-बहन और बेटी, उनका मुकाबला कोई नहीं कर सकता-शत्रुघ्न सिन्हा

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक सरगर्मी चरम पर पहुंच गई है। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के सांसद शत्रुघ्न सिन्हा ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व की जमकर सराहना करते हुए कहा है कि राज्य में उनके कद का कोई दूसरा नेता नहीं है। सिन्हा ने दावा किया कि बंगाल की जनता ममता बनर्जी को अपनी मां, बहन और बेटी मानती है और इस चुनाव में भी टीएमसी का दबदबा कायम रहेगा। राज्य में चुनावी शंखनाद हो चुका है और इस बार मतदान दो चरणों में संपन्न होगा। पहले चरण का मतदान 23 अप्रैल को 152 सीटों पर होगा, जबकि दूसरे चरण में 142 सीटों के लिए 29 चुनाव को वोट डाले जाएंगे। मतगणना 4 मई को की जाएगी। चुनाव आयोग के अनुसार, पहले चरण की अधिसूचना 30 मार्च को जारी होगी। इस चुनावी गहमागहमी के बीच जमीनी स्तर पर तनाव भी दिखने लगा है। उत्तर 24 परगना के बारानगर में भाजपा और टीएमसी समर्थकों के बीच हिंसक झड़प की खबरें आई हैं। स्थिति को संभालने के लिए भारी सुरक्षा बल तैनात किया गया है। भाजपा उम्मीदवार साजल घोष ने सत्ताधारी दल पर हिंसा का आरोप लगाया है, हालांकि पुलिस प्रशासन का कहना है कि स्थिति अब पूरी तरह नियंत्रण में है। इस चुनाव का सबसे दिलचस्प मुकाबला भवानीपुर सीट पर होने की उम्मीद है, जहां से मुख्यमंत्री ममता बनर्जी मैदान में उतर सकती हैं। संभावना जताई जा रही है कि उनके सामने भाजपा के दिग्गज नेता सुवेंदु अधिकारी चुनौती पेश करेंगे। ज्ञात हो कि 2021 के चुनाव में नंदीग्राम सीट पर सुवेंदु अधिकारी ने ममता बनर्जी को एक कड़े मुकाबले में पराजित किया था, जिसके बाद ममता बनर्जी ने भवानीपुर उपचुनाव जीतकर विधानसभा में अपनी जगह बनाई थी।

साइबर अपराधियों का अब ठगी का नया तरीका

नकली एपीके (एंड्रॉइड पैकेज किट) लिंक के जरिये लोगों के बैंक अकाउंट से उड़ाई जा रही है बड़ी रकम

पटना। अभी पुलिस के सामने सबसे बड़ी चुनौती ऑर्गनाइज़्ड क्राइम नहीं बल्कि साइबर क्राइम है। जैसे-जैसे टेक्नोलॉजी आगे बढ़ रही है, फ्रॉड के नए-नए तरीके भी मिल रहे हैं। इसलिए, बढ़ती टेक्नोलॉजी के इस दौर में आम आदमी का ज़्यादा सतर्क रहना न सिर्फ़ ज़रूरी है, बल्कि समय की मांग भी है। दरअसल साइबर अपराधियों ने अब ठगी का नया तरीका खोज लिया है। एक ही लिंक के आधार पर ये साइबर चोर पल भर में लोगों से लाखों रुपये ठगने लगे हैं। बिहार समेत देश भर के कई शहरों में साइबर क्राइम दिन-ब-दिन बढ़ता जा रहा है। सरकार की लीगल सर्विस के नाम पर नकली एपीके (एंड्रॉइड पैकेज किट) लिंक का इस्तेमाल करके लोगों के बैंक अकाउंट से उनकी आंखों के सामने ही बड़ी रकम उड़ाई जा रही है। जिसमें मुख्य रूप से ऋक्षह्ल ष्द्धड्डद्यद्यड्डठ्ठ.ड्डश्चद्म, ऋक्षह्ल श्च ष्द्धड्डद्यद्यड्डठ्ठ.ड्डश्चद्म या आरटीओ, ट्रांसपोर्ट, बिजली, गैस बिल जैसी आम लोगों के दैनिक उपयोग से जुड़ी ऑनलाइन सेवाओं के जरिए मोबाइल फोन पर मैसेज भेजे जाते हैं, जिससे उन पर जल्दी ध्यान नहीं जाता। आखिर ये किस तरह का होता है? हमें क्या सावधानियां बरतनी चाहिए? साइबर चोर किस तरह से ऑनलाइन ठगी करते हैं? ये बात आज हर किसी के लिए जानना बहुत जरूरी है।

एसबीआई कस्टमर्स को बनाया जा रहा था टारगेट

भारत सरकार ने पिछले साल देश के सबसे बड़े सरकारी बैंक, स्टेट बैंक ऑफ़ इंडिया के कस्टमर्स के लिए अलर्ट जारी किया था। क्योंकि स्टेट बैंक के कस्टमर्स को एक फ्रॉड मैसेज मिल रहा था, जिसके लिए केंद्र सरकार ने प्रेस इन्फॉर्मेशन ब्यूरो (पीआईबी) के ज़रिए इस बारे में एक फैक्ट चेक अलर्ट जारी किया था। मोबाइल बैंकिंग के ज़रिए कई फ्रॉड किए गए, जिससे आम अकाउंट होल्डर्स को काफी नुकसान उठाना पड़ा। तरीका यह था कि साइबर अपराधियों ने रिवॉर्ड पॉइंट्स का मैसेज बताकर कई लोगों के अकाउंट हैक कर लिए थे।

स्टेट बैंक ऑफ़ इंडिया की तरफ से चेतावनी

स्टेट बैंक ऑफ़ इंडिया के नाम से लोगों को एक मैसेज भेजा गया था। जिसमें उनसे रिवॉर्ड पॉइंट्स रिडीम करने के लिए एक एपीके फाइल डाउनलोड करने को कहा गया था। अगर आप इस मैसेज पर दिए गए लिंक को खोलकर उस फाइल को डाउनलोड करते हैं, तो उसके ज़रिए लोगों के बैंक अकाउंट से सीधे दूसरे अकाउंट में पैसे भेज दिए जाते थे। इस बारे में स्टेट बैंक ऑफ़ इंडिया ने घोषणा की थी कि एसबीआई कभी भी एसएमएस या वॉट्सऐप के ज़रिए कोई लिंक या एपीके फाइल नहीं भेजता है। इसलिए, अपने मोबाइल फोन पर किसी अनजान व्यक्ति के मैसेज पर गलती से भी क्लिक न करें। साथ ही, सभी मोबाइल बैंक अब अकाउंट होल्डर्स को बार-बार बता रहे हैं कि सिर्फ़ 160 वाले एक खास नंबर से आने वाली कॉल बैंक की तरफ़ से आने वाली ऑफ़िशियल कॉल हैं। कोरोना काल के बाद इन सायबर क्राइम की संख्या में काफ़ी बढ़ोतरी हुई है। इसलिए, आम लोगों को ज़्यादा सतर्क रहने की ज़रूरत है।

क्या है एपीके ?

एपीके का मतलब एंड्रॉइड पैकेज किट है, ये एक फाइल फॉर्मेट है जिसका इस्तेमाल किसी भी ऐप को एंड्रॉइड फोन में इंस्टॉल करने के लिए किया जाता है। एपीके को ऐप की सेटअप फाइल भी कहा जा सकता है, क्योंकि जैसे ही फोन में एपीके इंस्टॉल होती है, ऐप फोन में डाउनलोड हो जाती है।

राहुल गांधी सोमवार को वडोदरा आएंगे, आदिवासी क्षेत्रों से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर करेंगे संवाद

वडोदरा। कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी 23 मार्च, सोमवार को वडोदरा का दौरा करेंगे। इस दौरान वे आदिवासी क्षेत्रों से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर संवाद करेंगे। गुजरात प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अमित चावड़ा ने वडोदरा में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में इस दौरे की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम में करीब 1000 डॉक्टर, इंजीनियर और विभिन्न एनजीओ के प्रतिनिधि शामिल होंगे। इस संवाद में आदिवासी अधिकार, विकास और सामाजिक मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की जाएगी।

यह दौरा ऐसे समय में हो रहा है जब राहुल गांधी केंद्र सरकार की आर्थिक नीतियों को लेकर लगातार हमलावर हैं। उन्होंने हाल ही में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपये के 93 के स्तर के नीचे जाने पर चिंता जताई थी। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्घ पर उन्होंने लिखा कि रुपये की कमजोरी और औद्योगिक ईंधन की कीमतों में बढ़ोतरी भविष्य में महंगाई के संकेत हैं। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि सरकार के पास कोई ठोस आर्थिक रणनीति नहीं है और केवल भाषण दिए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि उत्पादन और परिवहन महंगे होने से सबसे ज्यादा असर सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योग (एमएसएमई) पर पड़ेगा, जिससे रोजमर्रा की वस्तुओं के दाम बढ़ सकते हैं। उन्होंने यह भी आशंका जताई कि चार राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश में चुनाव प्रक्रिया पूरी होने के बाद पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की कीमतों में बढ़ोतरी हो सकती है। राहुल गांधी के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) भारतीय शेयर बाजार से निवेश निकाल रहे हैं, जिससे बाजार पर दबाव बढ़ रहा है। उल्लेखनीय है कि शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में भारतीय रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 93 के स्तर को पार कर गया था। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और विदेशी निवेश के लगातार बाहर जाने से रुपये पर दबाव देखा जा रहा है। ऐसे में राहुल गांधी का वडोदरा दौरा, आर्थिक मुद्दों के बीच आदिवासी समुदाय से जुड़े सवालों पर केंद्रित रहने की उम्मीद है।

जर्जर गौतम कॉम्प्लेक्स पर चला बुलडोजर, प्रशासन की बड़ी कार्रवाई

विरोध और गहमागहमी के बीच भारी पुलिस बल की मौजूदगी में तोड़ा गया 55 वर्ष पुराना भवन, दुकानदारों ने जताई नाराजगी

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

गोंदिया रोड स्थित जर्जर गौतम कॉम्प्लेक्स पर रविवार सुबह जिला प्रशासन, नगर पालिका और पुलिस की संयुक्त टीम ने बुलडोजर चलाकर कार्रवाई की। सुबह करीब 10 बजे शुरू हुई इस कार्रवाई के दौरान कॉम्प्लेक्स में संचालित दुकानों के संचालकों और प्रशासन के बीच तीखी बहस व गहमागहमी की स्थिति बनी रही। कार्रवाई के दौरान कुछ जनप्रतिनिधियों ने भी विरोध जताया, लेकिन प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था के बीच कार्रवाई जारी रखी। इस दौरान परिसर में संचालित अंजली ट्रैवल्स और माम्स किचन की दुकानों को ध्वस्त कर दिया गया। मौके पर भारी पुलिस बल तैनात रहा और गोंदिया रोड पर बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ जमा हो गई, जिससे कुछ समय के लिए यातायात बाधित हुआ। हालांकि यातायात विभाग द्वारा स्थिति को संभालते हुए आवागमन को जल्द ही सुचारू कर दिया गया। कार्रवाई के दौरान एसडीएम बालाघाट स्वयं मौके पर मौजूद रहे और विरोध के बीच स्थिति को नियंत्रित करते हुए कार्रवाई को अंजाम दिलाया। प्रशासन का कहना है कि जर्जर भवन को देखते हुए यह कार्रवाई सुरक्षा की दृष्टि से आवश्यक थी।

शहर के गोंदिया रोड स्थित जर्जर गौतम कॉम्प्लेक्स पर आखिरकार रविवार को प्रशासन का बुलडोजर चल गया। नगर पालिका, राजस्व विभाग और पुलिस प्रशासन की संयुक्त टीम ने भारी सुरक्षा व्यवस्था के बीच वर्ष 1971 में निर्मित इस पुराने भवन की दो दुकान को ध्वस्त कर दिया। कार्रवाई के दौरान पूरे क्षेत्र में हलचल का माहौल रहा, वहीं कॉम्प्लेक्स में दुकान संचालित करने वाले व्यापारियों ने प्रशासन की इस कार्रवाई का विरोध भी जताया। बताया गया कि कार्रवाई से पहले बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया था, ताकि किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटा जा सके। जैसे ही तोड़फोड़ की प्रक्रिया शुरू हुई, मौके पर मौजूद दुकानदारों ने नाराजगी जाहिर करते हुए आरोप लगाया कि उन्हें पर्याप्त समय नहीं दिया गया और मात्र एक दिन पहले नोटिस देकर कार्रवाई कर दी गई। हालांकि, प्रशासनिक अधिकारियों ने इन आरोपों को खारिज करते हुए स्पष्ट किया कि भवन की जर्जर स्थिति को देखते हुए एक माह पूर्व ही किरायेदारों को नोटिस जारी किया जा चुका था। प्रशासन के अनुसार, करीब 55 वर्ष पुराना यह कॉम्प्लेक्स अब जर्जर हो चुका था और किसी भी समय बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकता था। नगर पालिका और पीडब्ल्यूडी विभाग की तकनीकी रिपोर्ट में भी भवन को अत्यंत खतरनाक बताया गया था, जिसके आधार पर यह कार्रवाई की गई। फिलहाल कॉम्प्लेक्स के उस हिस्से को तोड़ा गया है, जहां अंजली ट्रैवल्स और माम्स किचन संचालित हो रहे थे।

वसूली और धमकी के मामले से जुड़ा है विवाद

गौतम कॉम्प्लेक्स को लेकर हाल ही में एक विवाद भी सामने आया था, जिसमें अंजली ट्रैवल्स और माम्स किचन के संचालकों पर कॉम्प्लेक्स मालिक रमन गौतम से 50 लाख रुपये की जबरन वसूली का आरोप लगा था। इस मामले में कोतवाली पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसका जुलूस भी निकाला था, जिससे शहर में यह मामला काफी चर्चाओं में रहा। पीड़ित रमन गौतम ने पुलिस को दी शिकायत में बताया था कि संबंधित संचालक उन पर दुकानों और भवन की रजिस्ट्री अपने नाम कराने का दबाव बना रहे थे। ऐसा न करने पर 50 लाख रुपये की अवैध मांग की गई और पैसे नहीं देने पर उन्हें और उनके परिवार को जान से मारने की धमकी दी गई थी। 15 मार्च को दर्ज इस शिकायत के बाद पुलिस ने मामला कायम कर कार्रवाई शुरू की थी।

मालिक की सहमति भी बनी कार्रवाई का आधार

जानकारी के अनुसार, कॉम्प्लेक्स मालिक रमन गौतम स्वयं भी भवन की जर्जर स्थिति को देखते हुए इसे हटाने के पक्ष में थे। उन्होंने लगभग चार माह पूर्व नगर पालिका को भवन तोड़ने के लिए आवेदन भी दिया था। नगर पालिका और पीडब्ल्यूडी की रिपोर्ट तथा भवन मालिक की सहमति के आधार पर प्रशासन ने यह सख्त कदम उठाया। हालांकि, स्थानीय लोगों के बीच यह भी चर्चा है कि हालिया विवाद और दबाव की स्थिति के चलते ही भवन को हटाने का निर्णय तेज हुआ। फिलहाल प्रशासन की इस कार्रवाई के बाद क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है और शेष हिस्सों को लेकर आगे की रणनीति बनाई जा रही है।

भवन तोड़ने की पूर्व सूचना दी गई थी- गोपाल सोनी

गोंदिया रोड स्थित जर्जर गौतम कॉम्प्लेक्स पर की गई कार्रवाई को लेकर उठे सवालों के बीच एसडीएम गोपाल सोनी ने प्रशासन का पक्ष स्पष्ट किया है। उन्होंने बताया कि नगर पालिका क्षेत्र में जर्जर और क्षतिग्रस्त भवनों को हटाने के स्पष्ट प्रावधान हैं और उसी के तहत यह कार्रवाई की गई है। एसडीएम ने कहा कि गौतम कॉम्प्लेक्स की स्थिति लंबे समय से अत्यंत खराब थी। इसकी तकनीकी जांच के लिए पहले नगर पालिका के इंजीनियरों और बाद में पीडब्ल्यूडी के इंजीनियरों से रिपोर्ट ली गई, जिसमें भवन को पूरी तरह जर्जर और खतरनाक पाया गया। ऐसे में जनहानि की आशंका को देखते हुए इसे हटाना आवश्यक हो गया था। उन्होंने आगे बताया कि नगर पालिका अधिनियम के तहत नियमानुसार पूरी प्रक्रिया अपनाई गई। संबंधित पक्षों को नोटिस जारी कर सुनवाई का अवसर दिया गया और इसके बाद ही कार्रवाई को अंजाम दिया गया। एसडीएम के अनुसार, कॉम्प्लेक्स में संचालित दुकानों के किरायेदारों को भी पहले ही भवन तोड़ने की सूचना दे दी गई थी।

विश्व जल दिवस पर जल संरक्षण का संदेश, घटते जल स्तर पर जताई चिंता

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। नगर के आम्बेडकर चौक स्थित इतिहास पुरातत्व सभागार में जियोलॉजिकल एसोसिएशन एंड रिसर्च सेंटर द्वारा विश्व जल दिवस के अवसर पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जल संरक्षण की आवश्यकता पर जोर देते हुए बालाघाट सहित प्रदेश और देश में तेजी से गिरते जल स्तर एवं पर्यावरणीय संकट को लेकर चिंता व्यक्त की गई।कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती की पूजा-अर्चना के साथ हुई। इसके बाद विभिन्न वक्ताओं ने जल संकट के बढ़ते खतरे पर प्रकाश डालते हुए जल, जंगल और जमीन के संरक्षण के लिए सामूहिक प्रयास करने की अपील की। रिटायर्ड प्रोफेसर डॉ. संतोष सक्सेना ने कहा कि जल संरक्षण केवल जिम्मेदारी नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए सबसे बड़ी धरोहर है। यदि आज हम जल का विवेकपूर्ण उपयोग करेंगे, तो भविष्य में जल संकट से बचा जा सकता है। उन्होंने नागरिकों से जल बचत के उपायों को दैनिक जीवन में अपनाने का आह्वान किया। हाइड्रोलॉजिस्ट भानुप्रताप चौधरी ने

भूमिगत जल स्तर में लगातार गिरावट पर चिंता जताते हुए कहा कि अत्यधिक जल दोहन और पारंपरिक खेती के कारण स्थिति गंभीर होती जा रही है। उन्होंने किसानों को अधिक पानी वाली फसलों के बजाय कम जल में उगने वाली दालें, तिलहन और मोटे अनाज (मिलेट्स) को अपनाने की सलाह दी। पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष एवं वरिष्ठ भाजपा नेता रमेश रंगलानी ने कहा कि भविष्य में पानी को लेकर संघर्ष की स्थिति उत्पन्न हो सकती है, ऐसे में जल संरक्षण के लिए सामूहिक प्रयास बेहद जरूरी हैं। उन्होंने मोती तालाब और बैनगंगा नदी की सफाई के अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि समय रहते ठोस कदम उठाना आवश्यक है। इस दौरान प्रोफेसर रूपम खरे, जियोलॉजिस्ट हरिखेड़े, अनिल शुक्ला, पत्रकार हरीश लिल्हारे, हाइड्रोलॉजिस्ट नीरज बख्शी सहित अन्य वक्ताओं ने भी अपने विचार रखे और पर्यावरण संरक्षण पर जोर दिया। कार्यक्रम में डॉ. संतोष सक्सेना द्वारा जियोलॉजी विषय पर छात्रों के लिए सरल रूप में तैयार की गई पुस्तक का विमोचन भी किया गया, जिसे विद्यार्थियों के लिए उपयोगी बताया गया। साथ ही पीएससी में चयनित माइनिंग इंस्पेक्टर एवं अन्य पदों पर चयनित छात्र-छात्राओं यामिनी उके, साक्षी, देवेंद्र, शुभम, चारु, सृष्टि, प्रज्ञा सहित अन्य ने अपने अनुभव साझा करते हुए जल संरक्षण का संकल्प लिया।

सांदीपनि विद्यालय में प्रवेश तिथि बढ़ी- अब 24 मार्च तक फॉर्म जमा, 24 को ही होगी लॉटरी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। सत्र 2026-27 के लिए सांदीपनि विद्यालय, बालाघाट में कक्षा के.जी. 1, के.जी. 2 एवं कक्षा पहली (हिन्दी एवं अंग्रेजी माध्यम) में प्रवेश प्रक्रिया की तिथियों में संशोधन किया गया है। विद्यालय के प्राचार्य डॉ युवराज रहांगडाले ने बताया कि पूर्व में फार्म जमा करने की निर्धारित अंतिम तिथि 20 मार्च 2026 थी, लेकिन 19 मार्च से 22 मार्च तक शासकीय अवकाश होने के कारण प्रवेश प्रक्रिया की तिथियों को आगे बढ़ाया गया है। नई संशोधित तिथियों के अनुसार अब प्रवेश के लिए फॉर्म वितरण- 23 मार्च 2026 से 24 मार्च 2026, दोपहर 01:00 बजे तक किया जाएगा और भरे हुए फार्म 23 मार्च 2026 से 24 मार्च 2026, दोपहर 02:00 बजे तक जमा किए जा सकेंगे। लॉटरी से चयन प्रक्रिया 24 मार्च 2026 को दोपहर 03:00 बजे से की जाएगी। विद्यालय प्रबंधन ने सभी पालकों से निर्धारित समय-सीमा में फॉर्म प्राप्त कर जमा करने की अपील की है, ताकि प्रवेश प्रक्रिया सुचारू रूप से संपन्न हो सके।

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित,
प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा, मो.नं. :9425138710, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट